हिंदी दैनिक

कोयलांचल संवाद

www.ksnewsupdates.com
धनबाद, शुक्रवार 03 अप्रैल, 2026, वर्ष: 35 अंक : 10, मूल्य: 3 रुपए
धनबाद एवं रांची से एक साथ प्रकाशित

You Tube
Subscribe
Koylanchal sambad news

संक्षिप्त खबरें

लातेहार में 5 लाख के इनामी उग्रवादी सुरेन्द्र लोहरा ने किया आत्मसमर्पण

लातेहार। झारखण्ड सरकार की आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति के तहत "नई दिशा" अभियान में जे.जे.एम.पी. के 5 लाख रुपए के इनामी सबजोनल सदस्य सुरेन्द्र लोहरा उर्फ विनोद लोहरा ने गुरुवार को आत्मसमर्पण कर दिया है। सुरेंद्र लोहारा ने पलामू आईजी शैलेन्द्र कुमार सिन्हा, सीआरपीएफ 11 बटालियन के कमांडेंट याद राम बुनकर एवं पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव के समक्ष आत्मसमर्पण किया। इस मौके पर उसे माला पहनाकर और गुलदस्ता भेंट किया गया। इसकी पुष्टि एसपी के नेतृत्व में लातेहार पुलिस अधीक्षक सभागार में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में पलामू आईजी ने की।

ब्रिटेन में 60 से ज्यादा देशों की बड़ी बैठक, भारत ने कहा- हमने अपने नाविक खोए, जल्द रुके तनाव

नई दिल्ली : पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और 'होर्मुज जलडमरूमध्य' के चोक होने के बीच एक बहुत बड़ी वैश्विक कूटनीतिक हलचल शुरू हुई है। होर्मुज के रास्ते को फिर से खुलवाने और दुनियाभर में तेल-गैस की आपूर्ति को सुचारू करने के लिए ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने एक आपातकालीन बैठक बुलाई। इस महाबैठक में दुनिया के 60 से ज्यादा देश शामिल हुए, जिसमें भारत ने भी अपनी मौजूदगी दर्ज कराते हुए बेहद कड़ा रुख अख्तियार किया है। विदेश मंत्रालय के अनुसार, इस हाई-प्रोफाइल बैठक में भारत का प्रतिनिधित्व विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने किया। उन्होंने दुनियाभर के देशों के सामने कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुद्री रास्तों पर जहाजों की बेरोकटोक आवाजाही हर देश का हक है। इससे कोई समझौता नहीं हो सकता। विदेश सचिव ने चिंता जताई कि इस पूरे संकट का सीधा असर भारत की ऊर्जा सुरक्षा पर पड़ रहा है। ब्रिटेन की ओर से बुलाई गई बैठक में सबसे महत्वपूर्ण बात भारत ने दुनिया के सामने रखी, वह थी भारतीय नागरिकों की सुरक्षा। विदेश सचिव ने कहा कि खाड़ी क्षेत्र में व्यापारिक जहाजों पर हुए हमलों में भारत इकलौता ऐसा देश है, जिसने अपने जांबाज नाविकों को खोया है। उन्होंने कहा कि इस समस्या का हल और अधिक युद्ध नहीं है। अगर दुनिया को इस संकट से बाहर निकलना है, तो सभी पक्षों को तुरंत हथियारों को शांत कर बातचीत की मेज पर लौटना होगा।

चंडीगढ़ में भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश मुख्यालय पर ग्रेनेड हमला, सुरक्षा एजेंसियों में सतर्कता बढ़ी

चंडीगढ़ (ईएमएस)। चंडीगढ़ में बुधवार शाम सेक्टर 37 स्थित भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के प्रदेश मुख्यालय पर ग्रेनेड हमला हुआ, जिसमें कोई हताहत नहीं हुआ, लेकिन सुरक्षा एजेंसियों में सतर्कता बढ़ गई है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, हमले में जीएसडी2पी हैंड ग्रेनेड का इस्तेमाल किया गया, जो मुख्य रूप से पाकिस्तान में निर्मित होता है। इस ग्रेनेड का असरदार दायरा लगभग 5–10 मीटर है और इसके टुकड़े 20–25 मीटर तक फैल सकते हैं, जिससे आसपास के लोगों के लिए गंभीर खतरा बनता है। घटना के बाद दो सीसीटीवी फुटेज सामने आए हैं। पहले वीडियो में एक व्यक्ति हेलमेट पहने हुए ग्रेनेड जैसी वस्तु फेंकता नजर आता है, जबकि दूसरा व्यक्ति घटना को रिकॉर्ड कर रहा है। फेंकने के कुछ पलों बाद दोनों घटनास्थल से भागते हैं और उसके तुरंत बाद धमाका होता है। दूसरे वीडियो में इन्हें सड़क के दूसरी ओर भागते हुए देखा गया। अधिकारी अभी आरोपियों की पहचान के लिए आसपास के इलाकों से और सीसीटीवी फुटेज खंगाल रहे हैं। 10 सेकंड की वीडियो क्लिप में आरोपियों के चेहरे स्पष्ट नहीं हैं। बीजेपी पंजाब इकाई के अध्यक्ष सुनील जाखड़ ने इस घटना को पार्टी दफ्तर पर "सीधा हमला" बताया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कंवरदीप कौर ने कहा कि पहली नजर में यह एक छोटा देसी विस्फोटक उपकरण (ईआईडी) फेंकने जैसा प्रतीत होता है। धमाका शाम लगभग 5:00 बजे हुआ और इसके तुरंत बाद जाँच टीमों को घटनास्थल पर तैनात किया गया।

10 को नीतीश लेंगे राज्यसभा की शपथ फिर देंगे सीएम पद से इस्तीफा

पटना(ईएमएस)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार 10 अप्रैल को राज्यसभा की सदस्यता की शपथ लेंगे। सूत्रों के मुताबिक, 9 अप्रैल को वो दिल्ली आएंगे। नीतीश कुमार की शपथ राज्यसभा के सभापति के चैंबर में होगी। इसके बाद पटना जाकर वो मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देंगे। 14 अप्रैल को खरमास समाप्त होने के बाद बिहार में नई सरकार के गठन की प्रक्रिया शुरू होगी। बता दें कि हाल ही में नीतीश ने विधान परिषद की सदस्यता से इस्तीफा दिया था। बिहार में करीब 20 साल तक सीएम पद को संभालने वाले नीतीश साल 2006 से लगातार विधान परिषद के सदस्य थे। इस्तीफे के बाद से ही प्रदेश में सियासी हलचल तेज हो गई थी। इसके बाद ये भी कयास लगाए जाने लगा कि बिहार में कब नई सरकार का गठन होगा. कब वो सीएम पद से इस्तीफा देंगे. दरअसल, नियमों के मुताबिक, अगर कोई व्यक्ति राज्यसभा के लिए निर्वाचित होता है तो उसे 14 दिन के अंदर विधानसभा की सदस्यता छोड़नी पड़ती है। अगर ऐसा नहीं होता है तो उसकी राज्यसभा की सदस्यता समाप्त हो सकती है।

इंडोनेशिया के मोलुक्का सागर में 7.6 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप, सुनामी के साथ एक की मौत

जकार्ता(ईएमएस)। इंडोनेशिया के उत्तरी मोलुक्का सागर में गुरुवार को 7.6 तीव्रता के एक बेहद शक्तिशाली भूकंप ने भीषण तबाही मचाई है। इस प्राकृतिक आपदा के कारण न केवल कई इमारतें क्षतिग्रस्त हुई हैं, बल्कि समुद्र में सुनामी की लहरें भी पैदा हो गई हैं। स्थानीय अधिकारियों के अनुसार, अब तक मलबे में दबने से एक व्यक्ति की मौत की पुष्टि हो चुकी है। भूकंप का केंद्र फिलीपींस के तट से लगभग 580 किलोमीटर दूर समुद्र में स्थित था, जिसके झटके मलेशिया और ताइवान तक महसूस किए गए। इंडोनेशिया की मौसम विज्ञान एजेंसी ने बताया कि भूकंप के बाद तटीय क्षेत्रों में पांच अलग-अलग स्थानों पर सुनामी की लहरें देखी गईं, जिनमें सबसे ऊंची लहर उत्तरी सुलावेसी में 0.75 मीटर दर्ज की गई। मुख्य झटके के बाद 11 आफ्टरशॉक भी महसूस किए गए, जिनमें सबसे तेज झटका 5.5 तीव्रता का था। अधिकारियों ने शुरुआत में लहरों के 3 मीटर तक ऊंचे उठने की आशंका जताई थी, जिसके कारण तटीय इलाकों में रहने वाले लोग दहशत में अपने घरों से बाहर निकल आए। मानाडो इलाके में एक खेल प्राधिकरण की इमारत का हिस्सा गिरने से एक व्यक्ति की जान चली गई।

नलिन सोरेन को मिली भारत–फिलीपींस संसदीय मैत्री समूह में जिम्मेदारी

दुमका सांसद की उपलब्धि पूरे दुमका और संथाल परगना के लिए गौरव की बात

दुमका : दुमका लोकसभा क्षेत्र के सांसद नलिन सोरेन को भारत-फिलीपींस संसदीय मैत्री समूह का सदस्य बनाया गया है, यह उपलब्धि न केवल उनके लिए, बल्कि पूरे दुमका लोकसभा क्षेत्र और संथाल परगना के लिए गौरव और सम्मान की बात मानी जा रही है। जो उनके राजनीतिक करियर की एक बड़ी व्यक्तिगत उपलब्धि मानी जा रही है। इस महत्वपूर्ण दायित्व पर प्रतिक्रिया देते हुए सांसद सोरेन ने कहा कि यह उनके लिए गर्व के साथ-साथ एक बड़ी जिम्मेदारी भी है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि वे इस भूमिका को पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ निभाने का प्रयास करेंगे। इस नियुक्ति को पूरे संथाल परगना क्षेत्र के लिए गर्व और सम्मान की बात कहा जा रहा है, जिससे उनके समर्थकों और क्षेत्र की जनता में जबरदस्त उत्साह देखा जा रहा है। सांसद सोरेन ने इस नई जिम्मेदारी को स्वीकार करते हुए कहा कि यह उनके लिए न केवल सम्मान है, बल्कि एक

बड़ी चुनौती और जिम्मेदारी भी है, जिसे वे पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ निभाएंगे।उन्होंने यह भी विश्वास जताया कि भारत और फिलीपींस के बीच संबंधों को मजबूत बनाने में वे सक्रिय भूमिका निभाएंगे।इस अवसर पर उन्होंने क्षेत्र की जनता के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा कि जनता का स्नेह, विश्वास और समर्थन ही उनकी सबसे बड़ी ताकत है, जिसके बल पर वे जनसेवा के अपने दायित्वों का निर्वहन करते रहेंगे।सांसद की इस उपलब्धि पर कार्यकर्ताओं ने हर्ष व्यक्त किया है।

क्षेत्र की समस्याओं को अब मिलेगा वैश्विक मंच

सांसद नलिन सोरेन ने अपनी प्राथमिकताएं स्पष्ट करते हुए कहा कि वे अब तक झारखंड और संथाल परगना के ज्वलंत मुद्दों को राष्ट्रीय स्तर पर उठाते रहे हैं, लेकिन अब उन्हें अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी क्षेत्र के हितों को प्रभावी ढंग से रखने का अवसर मिलेगा। उनका मानना है कि इस नए दायित्व से क्षेत्र की पहचान वैश्विक स्तर पर और मजबूत होगी। साथ ही वे भारत और फिलीपींस के बीच द्विपक्षीय संबंधों, व्यापार और संवाद को और अधिक बेहतर बनाने की दिशा में सक्रिय भूमिका निभाएंगे।

जनता के प्रति जताया विशेष आभार

इस महत्वपूर्ण उपलब्धि के बाद सांसद सोरेन ने अपनी जीत और रसूख का श्रेय दुमका की जनता को दिया है। उन्होंने भावुक होते हुए कहा कि जनता का अटूट विश्वास और स्नेह ही उनकी सबसे बड़ी ताकत है, जिसके कारण आज उन्हें यह अंतरराष्ट्रीय मंच प्राप्त हुआ है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि वे जनसेवा के अपने संकल्पों के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध रहेंगे और भारत-फिलीपींस मैत्री समूह के माध्यम से दोनों देशों के बीच सहयोग के नए आयाम स्थापित करने का प्रयास करेंगे।

आईपैक के ठिकानों पर ईडी की रेड, कोयला तस्करी मामले में जांच एजेंसी का एक्शन

नई दिल्ली : प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आईपैक के ठिकानों पर रेड की है. ये छापेमारी पश्चिम बंगाल कोयला तस्करी मामले में हुई है. रेड हैदराबाद, बेंगलुरु और दिल्ली में हो रही है. बेंगलुरु में ऋषिराज सिंह के ठिकानों पर छापेमारी हुई है. बता दें कि ऋषिराज सिंह कंपनी के को-फाउंडर हैं. आईपैक पॉलिटिकल कंसल्टेंसी फर्म है. जांच एजेंसी ने इसी साल जनवरी में भी कोलकाता में आईपैक के ठिकानों पर रेड की थी. रेड पर कंपनी ने बयान में कहा था कि प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारियों ने कोलकाता में आईपीएसी के दफ़्तर और हमारे डायरेक्टर प्रतीक जैन के घर पर तलाशी ली. आईपीएसी जैसे एक पेशेवर संगठन के लिए यह एक मुश्किल और दुर्भाग्यपूर्ण दिन था.

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने वर्ष 2020 में दर्ज एक एफआईआर के आधार पर अवैध कोयला खनन मामले में धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के तहत जांच शुरू की. जांच में सामने आया कि ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (ईसीएल) के लीज़ क्षेत्र से अवैध तरीके से कोयले की खुदाई और चोरी की जा रही थी. यह सब आपराधिक तत्वों द्वारा ईसीएल, सीआईएसएफ, भारतीय रेलवे और अन्य संबंधित विभागों के कुछ अधिकारियों की मिलीभगत से किया गया. ईडी की जांच में यह भी सामने आया कि अनुप माजी इस पूरे सिंडिकेट का मास्टर माइंड था, जो ईसीएल क्षेत्र में अवैध कोयला खनन और चोरी किए गए कोयले के परिवहन का काम कर रहा था. अनुप माजी सरकारी कर्मचारियों की मिलीभगत से ईसीएल के लीज़ क्षेत्र से कोयले की हेराफेरी कर रहा था.

जांच में यह भी पाया गया कि अनुप माजी के खिलाफ वर्ष 2000 से 2015 के बीच अवैध कोयला खुदाई और चोरी से जुड़े 16 मामले (एफआईआर) दर्ज हुए थे, जिनमें चार्जशीट भी दाखिल की गई थी. इसके बावजूद, उसके प्रभाव और संरक्षण के चलते स्थानीय पुलिस द्वारा कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई. हालांकि, वर्ष 2020 में सीबीआई ने कोयला चोरी और तस्करी के मामले में एक नया केस दर्ज किया, जिसके बाद जांच को आगे बढ़ाया गया.

ईडी की जांच में यह भी खुलासा हुआ कि अनुप माजी ने अलग-अलग कंपनियों को भेजे गए चोरी के कोयले का हिसाब रखने के लिए कर्मचारियों को तैनात कर रखा था. जांच के दौरान सामने आया कि ईसीएल के लीज़ क्षेत्र से अवैध खनन और चोरी के जरिए करीब 2,742.32 करोड़ (टैक्स और रॉयल्टी सहित) के कोयले की हेराफेरी की गई. इसके अलावा, ईडी ने जनवरी से अप्रैल 2021 के बीच पीएमएलए की धारा 17 के तहत 46 ठिकानों पर तलाशी और जब्ती की कार्रवाई की. इन छापों के दौरान यह सामने आया कि अनुप माजी का अकाउंटेंट अवैध कोयला खनन से अर्जित अपराध की कमाई का पूरा रिकॉर्ड रखता था. ईडी ने यह भी बताया कि गुरुपदा माजी ने वर्ष 2017 से 2020 के दौरान अनुप माजी के सहयोगियों के माध्यम से 89.11 करोड़ की अपराध से अर्जित राशि (पीओसी) पहुंचाई, जबकि जयदेव मंडल ने इसी अवधि में 58.05 करोड़ की पीओसी पहुंचाई. ईडी की जांच में यह भी पता चला कि इस अवैध कोयले का बड़ा हिस्सा शकंभरी ग्रुप ऑफ कंपनियों को बेचा गया. इसके साथ ही मामले में हवाला नेटवर्क से जुड़े अहम सुराग भी मिले हैं.

असम विधानसभा चुनाव 2026 के लिए राहुल गांधी ने जारी किया घोषणापत्र

गुवाहाटी : राहुल गांधी ने असम विधानसभा चुनाव 2026 के लिए 'रायजोर इश्तहार' (जनता का घोषणापत्र) जारी किया है, जिसमें महिलाओं के लिए "गारंटी का पिटारा" खोला गया है। प्रमुख वादों में महिलाओं के बैंक खाते में बिना शर्त कैश ट्रांसफर, व्यवसाय के लिए 50,000 की सहायता, और प्रति परिवार 25 लाख का कैशलेस स्वास्थ्य बीमा शामिल है।

असम चुनाव के लिए कांग्रेस की प्रमुख गारंटियां

महिलाओं के लिए : व्यवसाय के लिए 50,000 की सहायता और बिना शर्त हर महीने सीधे खाते में नकद राशि।

स्वास्थ्य : हर परिवार को 25 लाख का मुफ्त इलाज।

भूमि अधिकार : 10 लाख भूमिपुत्रों को स्थायी पट्टा (भूमि अधिकार)।

बुजुर्ग : बुजुर्गों को हर महीने 1,250 की सहायता।

न्याय : स्व. जुबिन गर्ग मामले में 100 दिनों के भीतर न्याय की गारंटी।

कांग्रेस ने चुनाव में 11 प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया है, जिसमें शासन, पहचान, स्वास्थ्य और विकास शामिल हैं। इन वादों का उद्देश्य भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार को टक्कर देना है, जो ओडुनोदोई 3.0 योजना के तहत महिलाओं को 1,250 प्रति माह दे रही है। असम में 126 सदस्यीय विधानसभा के लिए 9 अप्रैल को मतदान होना है और परिणाम 4 मई को घोषित किए जाएंगे।

सरायकेला सहकारी बैंक में हुए 33 करोड़ रुपये के गबन का मामला

बैंक मैनेजर और व्यापारी को 10-10 साल की जेल

चाईबासा। सरायकेला सहकारी बैंक में हुए 33 करोड़ रुपये के बहुचर्चित गबन मामले में एसीबी कोर्ट ने ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। न्यायाधीश पीयूष श्रीवास्तव की अदालत ने बैंक के तत्कालीन मैनेजर और एक व्यापारी को 10-10 वर्ष तथा एक अन्य बैंक कर्मी को 5 वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने साक्ष्यों के आधार पर निम्नलिखित दोषियों को सजा और जुर्माने से दंडित किया है: सुनील कुमार सतपति (तत्कालीन बैंक मैनेजर): 10 वर्ष का सश्रम कारावास और 1.20 लाख रुपये जुर्माना। संजय कुमार डालमिया (व्यापारी): 10 वर्ष का

सश्रम कारावास और 1.20 लाख रुपये जुर्माना। मनीष देवगम (बैंक कर्मी): 5 वर्ष का सश्रम कारावास और 15 हजार रुपये जुर्माना। यह घोटाला वर्ष 2013-14 के दौरान हुआ था, जिसमें इन तीनों ने मिलकर सरायकेला सहकारी बैंक से फर्जी तरीके से लगभग 33 करोड़ रुपये की निकासी की थी। इस गबन का खुलासा वर्ष 2019 में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की जांच के दौरान हुआ था। जांच में पाया गया कि बैंकिंग नियमों को ताक पर रखकर सरकारी धन का निजी लाभ के लिए बंदरबांट किया गया। इसकी जांच अपराध अनुसंधान विभाग (सीआईडी) को सौंपी गई थी।

तत्कालीन कोल्हान पुलिस उपाधीक्षक अनिमेष गुप्ता ने इस कांड की विस्तृत तफ्तीश की और अदालत में ठोस साक्ष्य प्रस्तुत किए। अभियोजन पक्ष की दलीलों और सबूतों को पर्याप्त मानते हुए अदालत ने तीनों को दोषी करार देते हुए जेल भेज दिया है।

नासा ने लॉन्च किया आर्टेमिस 2 मिशन 54 साल बाद चांद पर जाएगा इंसान

वॉशिंगटन(ईएमएस)। नासा के वैज्ञानिकों ने आज अंतरिक्ष अन्वेषण के क्षेत्र में एक नया इतिहास रच दिया है। नासा ने 2 अप्रैल 2026 को फ्लोरिडा के कैनेडी स्पेस सेंटर से अपने महत्वाकांक्षी आर्टेमिस 2 मिशन की सफलतापूर्वक लॉन्चिंग कर दी है। भारतीय समयानुसार सुबह 3:54 बजे विशालकाय स्पेस लॉन्च सिस्टम (एसएलएस) रॉकेट ने गर्जना के साथ अंतरिक्ष की ओर उड़ान भरी। यह वर्ष 1972 के अपोलो 17 मिशन के बाद पहला अवसर है, जब इंसान एक बार फिर चंद्रमा की ओर प्रस्थान कर रहे हैं। लॉन्च पूरी तरह सफल रहा और मिशन के चारों अंतरिक्ष यात्री सुरक्षित रूप से पृथ्वी की कक्षा में पहुंच गए हैं, जहां से वे अब चंद्रमा की ओर बढ़ रहे हैं। चंद्रमा के पास पहुंचना: यात्रा शुरू होने के लगभग चौथे दिन (6 अप्रैल) वे चंद्रमा के सबसे करीब होंगे। वे चंद्रमा की सतह से करीब 7,600 से 8,000 किलोमीटर की दूरी से गुजरेंगे।

चूंकि यह एक फ्लाईबाई मिशन है (यानी वे चांद पर उतरेंगे नहीं, बल्कि उसके पीछे से चक्कर लगाकर लौटेंगे) वे 6 अप्रैल को चांद का चक्कर लगाने के बाद वापस पृथ्वी की ओर मुड़ जाएंगे। लगभग 10 दिनों की इस पूरी यात्रा के बाद, 11 अप्रैल 2026 (भारतीय समयानुसार) को उनका कैप्सूल प्रशांत महासागर में उतरेगा।

विदेशों में हर दिन मर रहे 20 से ज्यादा भारतीय श्रमिक

खाड़ी देशों में हालात बदतर, विदेश मंत्रालय के राज्य मंत्री ने राज्यसभा में दी जानकारी

नई दिल्ली(ईएमएस)। सरकार ने राज्यसभा में विदेशों में काम करने वाले भारतीय श्रमिकों की स्थिति को लेकर बेहद परेशान करने वाले आंकड़े पेश किए हैं। सरकारी आंकड़ों अनुसार पिछले पांच वर्षों में हर दिन औसतन 20 से ज्यादा भारतीयों की मौत विदेशी धरती पर हुई है। इनमें से सबसे ज्यादा मौतें खाड़ी देशों (गल्फ नेशन्स) में हुई हैं। विदेश मंत्रालय के राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने 29 जनवरी को राज्यसभा में एक लिखित जवाब में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि साल 2021 से 2025 के बीच विदेशों में कुल 37,740 भारतीय श्रमिकों की जान गई। हालांकि, सरकार ने इन मौतों के कारणों का अलग से कोई ब्यौरा नहीं दिया है।

आंकड़ों के अनुसार, साल 2021 में सबसे ज्यादा 8,234 भारतीय श्रमिकों की मौत हुई। इसके बाद 2022 में यह संख्या घटकर 6,614 हुई। लेकिन इसके बाद मौतों का आंकड़ा लगातार बढ़ता गया। साल 2023 में 7,291, साल 2024 में 7,747 और साल 2025 में 7,854 श्रमिकों की मौत दर्ज की गई। इन मौतों में से 86 प्रतिशत से ज्यादा मामले सिर्फ खाड़ी देशों से जुड़े हैं। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और सऊदी अरब में सबसे ज्यादा श्रमिकों की जान गई। पिछले पांच वर्षों (2021-25) में यूएई में 12,380, सऊदी अरब में 11,757, कुवैत में 3,890, ओमान में 2,821, मलयेशिया में 1,915 और कतर में 1,760 श्रमिकों की मौत हुई। इनके अलावा अमरिका में 454, सिंगापुर में 451, नाइजीरिया में 210, यूके में 188 मौतें हुईं। इस सबके

अलावा सरकार ने विदेशों में भारतीय श्रमिकों के साथ होने वाले शोषण और दुव्यवहार से जुडी शिकायतों का भी व्योरा दिया। सरकार के मुताबिक, 2021 से 2025 के बीच विदेशों में मौजूद भारतीय मिशनों को शोषण, दुव्यवहार और काम से जुड़ी शिकायतों के कुल 80,985 मामले मिले। शिकायतों के मामले में भी यूएई सबसे आगे रहा, जहां से 16,965 शिकायतें आईं। इसके बाद कुवैत से 15,234, ओमान से 13,295 और सऊदी अरब से 12,988 शिकायतें दर्ज की गईं। साल 2018 की एक पुरानी रिपोर्ट के साथ तुलना करने पर पता चलता है कि हालात और खराब हुए हैं। उस समय के आंकड़ों के अनुसार, 2012 से 2018 के बीच खाड़ी देशों में हर दिन लगभग 10 भारतीय श्रमिकों की मौत होती थी। लेकिन 2021 और 2025 के बीच खाड़ी देशों (बहरीन को छोडक़र, जिसके आंकड़े जवाब में उपलब्ध नहीं थे) में 32,608 भारतीय श्रमिकों की मौत हुई। इसका मतलब है कि पिछले पांच वर्षों में अकेले खाड़ी क्षेत्र में हर दिन औसतन लगभग 18 श्रमिकों की मौत हुई है।

म्यांमार में पांच वर्षों में एक भी मौत नहीं

खाड़ी देशों के अलावा दक्षिण-पूर्व एशिया के देशों से भी श्रमिकों की समस्याओं की खबरें आई हैं। मलयेशिया से 8,333 और मालदीव से 2,981 शिकायतें मिलीं। कुछ देशों में मौतें तो कम हुईं, लेकिन शिकायतों की संख्या बहुत ज्यादा रही। म्यांमार में पांच वर्षों में एक भी श्रमिक की मौत नहीं हुई, लेकिन वहां से 2,548 शिकायतें आईं।

कंबोडिया में 31 मौतों के मुकाबले 2,531 शिकायतें मिलीं, जबकि लाओस में 11 मौतें और 2,416 शिकायतें दर्ज हुईं। श्रमिकों की शिकायतों का ग्राफ साल दर साल बढ़ा है।

साल 2021 में 11,632 शिकायतें थीं, जो 2025 में बढक़र 22,479 हो गईं, जो 2024 की 16,263 शिकायतों से अधिक है और 2021 में दर्ज की गई 11,632 शिकायतों की लगभग दोगुनी है।

संक्षिप्त खबरें

सोनुआ में युवक ने अपने ससुराल में की आत्महत्या

पश्चिमी सिंहभूम (ईएमएस)।सोनुआ सोनुआ थाना अंतर्गत कोचापुर गांव में बुधवार रात को एक युवक ने फंदे लगाकर आत्महत्या कर लिया।सूचना मिलने पर सोनुआ पुलिस गुरुवार सुबह शव को बरामद करते हुए पोस्टमार्टम के लिए चक्रधरपुर स्थित अनुमंडल अस्पताल भेज दिया।परिजनों व ग्रामीणों से मिली जानकारी के मुताबिक मृतक युवक आस्तिक प्रधान ने बुधवार रात करीब आठ बजे घर में फंदे लगाकर आत्महत्या करने की कोशिश की। जिसकी जानकारी मिलने पर परिजनों ने उसे फंदे से उतार कर इलाज के लिए चक्रधरपुर ले जा रहे थे उस दौरान रास्ते में ही मौत हो गई। मृतक चक्रधरपुर के भालुपानी के धातकीडीह का रहने वाला है।उसकी शादी कोचापुर में हुई थी। शादी के बाद वह कोचापुर में रह रहा था पुलिस घटना को लेकर सभी पहलुओं की जांच की जा रही है।परिजनों के बयान व पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद घटना का खुलासा होगा।

घंटों मशक्कत के बाद सुरक्षित रेस्क्यू किया गया हाथी

रांची(ईएमएस)।सोनाहातु थाना क्षेत्र अंतर्गत सारयाद गांव में कुंआ में डूबने की घटना से वन विभाग तुरंत हरकत में आया। मामला बुंडू वन प्रक्षेत्र की है। जैसे ही हाथी के कुएं में गिरने की खबर फैली, आसपास के गांवों से सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण मौके पर जुट गए सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम तत्काल घटनास्थल पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया अधिकारियों के अनुसार, राहत की बात यह रही कि हाथी को किसी प्रकार की गंभीर चोट नहीं आई और वह कुएं के अंदर सुरक्षित था हालांकि, रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू होने से पहले मामला उस समय उलझ गया जब कुएं के मालिक ने मुआवजे की मांग कर दी। इसको लेकर करीब दो घंटे तक वन विभाग और मालिक के बीच नोकझोंक होती रही। अंततः वन विभाग ने मुआवजे के तौर पर कुछ सहायता राशि का भुगतान किया, जिसके बाद रेस्क्यू कार्य शुरू किया गया। जेसीबी मशीन और अन्य जरूरी उपकरणों की मदद से कड़ी मशक्कत के बाद हाथी को सुरक्षित कुएं से बाहर निकाल लिया गया। रेस्क्यू के बाद हाथी को वापस जंगल की ओर भेज दिया गया। हाथी के सुरक्षित बाहर निकलने के बाद ग्रामीणों और प्रशासन दोनों ने राहत की सांस ली।

वोकेशनल विभाग का निरीक्षण, परीक्षा व्यवस्था का लिया जायजा

रांची(ईएमएस)।डीएसपीएमयू के कुलपति डॉ राजीव मनोहर ने गुरुवार को विश्वविद्यालय के वोकेशनल विभाग का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने पीजी थर्ड सेमेस्टर की चल रही परीक्षा की व्यवस्था का बारीकी से जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।निरीक्षण के दौरान प्रोक्टर राजेश कु सिंह, डॉ अभय कृष्ण सिंह तथा वोकेशनल विभाग के प्रमुख डॉ इन्द्रनाथ साहू सहित कई कर्मचारी उपस्थित थे। कुलपति ने परीक्षा केंद्रों की व्यवस्थाओं, उपस्थिति, अनुशासन और पारदर्शिता पर विशेष ध्यान दिया।

परिशिष्ट–I

OFFICE OF THE EXEUTIVE ENGINEER
MINOR IRRIGATION DIVISION, GIRIDIH
Email id – midivisionmi10@gmail.com
e-Procurement Notice

Short e-Tender Reference No. – 01/F2/2026-27/WRD/M.I.D/GIRIDIH
Date :- 02.04.2026

1	Name of Work	Construction of Series of Checkdam across Ganduba River at Vill – Borapahari Under block Pirtnad Dist. – Giridih
2	Estimated Cost	1,45,52,519.00
3	Time of Completion	11 Month
4	Date of Publication of E-Tender on website	06.04.2026 10:00 AM
5	Last date/Time for submission of E-Tender BID's	18.04.2026 05:00 PM
6	Last date for online submission of E-Tender fee and EMD	18.04.2026
7	Date of opening Tender	20.04.2026
8	Name & Address of office Inviting tender	Office of the Executive Engineer Minor Irrigation Division, Giridih
a	Contact no. of e-Procurement officer	+919798535646
b	Helpline number of e-procurement cell	+917979969322

Note:- (1) Only e-Tenders will be accepted.
(2) Published Estimated Cost may be Increase or Decrease
Further Details can be seen on website http://jharkhandtenders.gov.in

Sd-/
Executive Engineer
Minor Irrigation Division, Giridih

PR 376593 Minor Irrigation(26-27)D

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER
MINOR IRRIGATION DIVISION, GIRIDIH

e-Procurement Tender Notice
Two Envelope System
Short Tender Reference No. :- WRD/M.I.DIV./ GIRIDIH/B.D./S.L.I-01/2026-27
Letter No. 295/M.I.Div.Giridih Dt:- 02.04.2026

1.	Name of the work	Construction of Chief Minister Solar Based Lift Irrigation Scheme at **Murkhari (Simani)** under Block-**Jamua**, District- Giridih.
2.	Estimated Cost (in Rs.)	Rs. **1,23,41,899.90**
3.	Cost of Tender Document (in Rs.)	Rs. 10,000.00 only (non-refundable)
4.	Earnest Money Deposit (in Rs.)	Rs. 1,23,500.00 only
5.	Time of Completion	11 Months
6.	Mode of Submission of Tender	Online through www.jharkhandtenders.gov.in
7.	Date of Publication of Tender on website (http://jharkhandtenders.gov.in)	Date: 06.04.2026, 11:00 A.M.
8.	Last Date/ Time for downloading of bidding documents and submission of Tender on Website	Date: 18.04.2026, 05:00 P.M.
9.	Submission of Tender Fee and EMD	Start Date: 06.04.2026, 11:00 A.M. Last Date: 18.04.2026, 05:00 P.M.
10.	Technical Bid Opening Date	Date: 20.04.2026, 05:00 P.M.
11.	Officer Inviting Bids	Executive Engineer, Minor Irrigation Division, Giridih.
12.	Contact No. of Procurement Officer email of Procurement Officer	Mob. No.-9798535646 Email Id- midivisionmi10@gmail.com
13.	Help line No. of Procurement Cell	Mob. No.- 7979969322

- **Note :- Estimated cost may increase or decrease .**
- Work will be awarded to those bidders {specially MNRE approved channel partners/MNRE approved manufacturers/ MNRE approved PV system integrators/ A registered manufacturers/ Company/ Firm/ Corporation in India (including MSME of Jharkhand) of at least one of the major sub system namely pumps or PV System electronics (confirming to National/ International Standards)/ any other agencies having experience of installation and commissioning of such solar powered irrigation schemes}. Empanelled Indigenous Manufacturers of 10 HP pumps (AC Surface water Pumps) in the department with all accessories for off-grid stand alone SPV water pumping systems can also take part in the bid for executing the whole work of the bid. However those bidders who have not yet registered in Water Resources Department can also submit their bid provided they will have to get themselves registered in Water Resources Department within two months from the date of allotment of work .
- **Only e-Tender will be accepted.**
- Further details can be seen on website **http://jharkhandtenders.gov.in.**

Sd-/
Executive Engineer
Minor Irrigation Division ,Giridih

PR 376560 (Minor Irrigation)26-27*D

अबुआ आवास के नाम पर वसूली बीडीसी और बिचौलियों पर प्राथमिकी

गढ़वा(ईएमएस)।गढ़वा जिले के मेराल प्रखंड अंतर्गत गोन्दा पंचायत में सरकारी योजनाओं में मची लूट का जिला प्रशासन ने भंडाफोड़ किया है।उप विकास आयुक्त पशुपतिनाथ मिश्रा की जांच में अबुआ आवास और मनरेगा में भारी अनियमितताएं पाई गई हैं।इस मामले में वर्तमान बीडीसी और बिचौलियों पर प्राथमिकी दर्ज करने का आदेश दिया गया है,जिसके आलोक मेराल थाना में प्राथमिकी दर्ज कर अनुसंधान शुरू कर दिया गया हैं।लाभुक सुनीता देवी ने बीडीसी कृष्ण देव प्रजापति पर आवास के लिए बीस हजार रुपये रिश्वत लेने का आरोप लगाया। ज्वाला प्रसाद नामक बिचौलिये ने लाभुकों से पांच हजार से लेकर चालीस हजार रुपये तक की अवैध वसूली की। लातदाग गांव में बिना सूचना पट्ट के डोभा निर्माण और मानकों की अनदेखी पर मुखिया व कर्मियों पर जुर्माना। 23 डिफाल्टर लाभुकों पर सरकारी राशि की वसूली के लिए नीलाम पत्र (सर्टिफिकेट केस) चलाने की तैयारी कि जा रही है।जांच के दौरान डीडीसी श्री मिश्रा के समक्ष लाभुकों ने लिखित बयान देकर भ्रष्टाचार की पोल खोल दी।लाभुक सरोजा देवी और रूबी देवी ने बताया कि कैसे उनसे आवास के नाम पर मोटी रकम वसूली गई।प्रशासन ने इसे गंभीर मामला मानते हुए मेराल थाना को एफआईआर दर्ज करने का निर्देश दिया है।मनरेगा कार्यों में लापरवाही बरतने पर डीडीसी ने कड़ा रुख अपनाया है। कार्यस्थल पर साइन बोर्ड नहीं होने पर संबंधित मुखिया, पंचायत सचिव और ग्राम रोजगार सेवक पर प्रति व्यक्ति 500-500 रुपये का आर्थिक दंड लगाया गया है।डीडीसी के निर्देश पर मेराल थाने में बीडीसी कृष्ण देव प्रजापति और बिचौलिये ज्वाला प्रसाद के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराने हेतु लिखित आवेदन दे दिया गया है।भ्रष्टाचार में संलिप्त किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा।इधर, मामले को लेकर प्रशासनिक कार्रवाई तेज हो गयी है। मेराल थाना प्रभारी विष्णु कांत ने बताया कि अंचल अधिकारी सह बीडीओ यशवंत नायक से प्राप्त आवेदन के आधार पर मेराल थाना कांड संख्या- 56/26 दर्ज कर लिया गया है।यह प्राथमिकी भारतीय न्याय संहिता की सुसंगत धाराओं 316(2) और 318(4) के तहत दर्ज की गयी है।थाना प्रभारी ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए एसआई हरिशंकर ओझा को केस का अनुसंधान(जांच) सौंप दिया गया है।पुलिस अब बिचौलियों और जनप्रतिनिधियों की संलिप्तता की गहन जांच कर साक्ष्य जुटाने में लग गयी हैं।

जमशेदपुर के परसुडीह थाना क्षेत्र में चोरों ने चार दुकानों को बनाया निशाना

एक दुकान से नकद 25 हजार की चोरी, सीसीटीवी में कैद हुई घटना

पूर्वी सिंहभूम(ईएमएस)। जमशेदपुर के परसुडीह थाना क्षेत्र में बीती रात चोरों ने जमकर उत्पात मचाया।तीन नकाबपोश अपराधियों ने एक ही रात में चार अलग-अलग दुकानों के ताले तोड़ कर चोरी करने का प्रयास किया।जिसमें से चोरों ने परसुडीह शिव मंदिर रोड स्थित संतोषी भंडार के गल्ला से नकद 25 हजार रुपये और कुछ सामान की चोरी कर ली। वहीं परसुडीह के शिव मंदिर रोड स्थित अपना मार्ट, लक्ष्मी जनार्दन ज्वेलर्स का ताला भी चोरों ने तोड़ा।लेकिन दुकान में प्रवेश करने में सफल नहीं हो पाये।वही परसुडीह के नामोटोला स्थित प्रसाद इंटरप्राइजेज का ताला तोड़ कर भी चोरी करने का प्रयास किया।चोर दुकान में प्रवेश किये। लेकिन मौके से कुछ नहीं मिलने के बाद चोरों ने दुकान से पेचकश लेकर फरार हो गये।चोरी की यह पूरी वारदात दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है, जिसके आधार पर पुलिस अब जांच में जुट गई है। घटना के संबंध में संतोषी भंडार के मालिक संजय कुमार ने बताया जाता है तीन की संख्या में आये नकाबपोश चोरो ने बारी बारी से चारों दुकान को निशाना बनाया।चोरों ने सभी दुकान का ताला तोड़ कर चोरी करने का प्रयास किया लेकिन एक ही दुकान से चोरी कर पाये। वहीं लक्ष्मी जर्नादन ज्वेलर्स के मालिक बबलू ने बताया कि गुरुवार की सुबह जब मेन गेट का दरवाजा खोले तो देखा कि दरवाजा बाहर से बंद है। उसके बाद वे दूसरे गेट से बाहर निकल कर दुकान के पास पहुंचे तो देखा कि उनके दुकान में लगे करीब 10 ताला टूटा हुआ है। पूछताछ करने पर पता चला कि आस पास के अन्य दुकानों का ताला भी टूटा हुआ है। उसके बाद दुकानदारों ने इसकी जानकारी परसुडीह पुलिस को दी। सूचना मिलने के बाद परसुडीह पुलिस फौरन मौके पर पहुंची और मामले के संबंध में छानबीन शुरू कर दी। पुलिस ने दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरा का फुटेज भी प्राप्त किया है। जिसमें तीन चोर चोरी करते दिखाई दे रहे है।

इस घटना के बाद इलाके के व्यापारियों में काफी डर और नाराजगी है। स्थानीय कारोबारी और आम लोगों का कहना है कि क्षेत्र में लगातार चोरी की घटनाएं हो रही है। पुलिस गश्ती कम होने के कारण चोरों के हौसले बुलंद हैं। वहीं क्षेत्र में लगातार हो रही चोरी की घटनाओं को देखते हुए भाजपा परसुडीह मंडल ने पुलिस की गश्ती पर सवाल खड़ा कर दिया है।

ब्राउन शुगर के साथ एक महिला समेत चार गिरफ्तार

पूर्वी सिंहभूम (ईएमएस)। जमशेदपुर के सोनारी में पुलिस ने ब्राउन शुगर सप्लाई करने वाले एक गिरोह का भंडाफोड़ किया है। इस मामले में पुलिस ने महिला समेत चार को गिरफ्ता किया है। सोनारी थाना पुलिस ने नशीले पदार्थों के खिलाफ अभियान चलाकर एक बड़े गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने डोबो पुल के पास मरीन ड्राइव रोड से एक महिला समेत चार लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में भारती केवर्त, उसका बेटा विशाल केवर्त, ऋषभ साहु और कुमार बहादुर शामिल हैं।इनके पास से पुलिस ने 43 पुड़िया ब्राउन शुगर (कुल वजन 5 ग्राम) और नकद छह हजार रुपये बरामद किए हैं।पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि डोबो पुल के पास नशे की खरीद-बिक्री के लिए गिरोह जमा हुआ है। एसएसपी के निर्देश पर डीएसपी सुमित कुमार के नेतृत्व में एक टीम गठित की गई, जिसने छापेमारी कर आरोपियों को घेराबंदी कर दबोच लिया। जांच में पता चला कि 3-4 दिन पहले इस गिरोह का नशा करते हुए एक वीडियो भी वायरल हुआ था। पुलिस पूछताछ में खुलासा हुआ कि विशाल केवर्त अपनी मां भारती केवर्त को ब्राउन शुगर सप्लाई करता था और वह आगे इसकी बिक्री करती थी।गिरफ्तार भारती केवर्त का पुराना आपराधिक इतिहास रहा है और वह सीतारामडेरा थाने से एनडीपीएस एक्ट के मामले में पहले भी जेल जा चुकी है।पुलिस को जानकारी मिली है कि ये लोग मानगो और जुगसलाई के सप्लायरों से नशा लाकर शहर में खपाते थे।

उपप्रमुख प्रतिनिधि के घर से भारी मात्रा में सरकारी चावल बरामद

3 महीने से राशन के लिए भटक रहे थे आदिम जनजाति परिवार

ग्रामीणों का जोरदार हंगामा

गढ़वा(ईएमएस)। डंडई प्रखंड में अनुसूचित एवं आदिम जनजाति परिवारों के राशन वितरण में बड़ी धांधली का खुलासा हुआ है।गुरुवार को प्रखंड मुख्यालय स्थित उपप्रमुख प्रतिनिधि राम आशीष प्रसाद के घर (शिवम ट्रेडर्स) से भारी मात्रा में सरकारी चावल बरामद होने के बाद ग्रामीणों ने जमकर हंगामा किया।ग्रामीणों का आरोप है कि पिछले तीन महीनों से डाकिया योजना का राशन उन्हें नहीं दिया गया और उसे कालाबाजारी के लिए छिपाकर रखा गया था।ग्रामीणों ने बताया कि बुधवार की रात हाई स्कूल रोड पर एक व्यापारी के पास सात बोरी चावल उतारते समय कुछ लोगों ने देख लिया।इसकी भनक लगते ही गुरुवार सुबह बौलिया, रारो, बैरियादामार और पोखरिया गांव के सैकड़ों ग्रामीण अंबेडकर चौक के समीप जुट गये।ग्रामीणों का दावा है कि उपप्रमुख प्रतिनिधि के परिसर में करीब 70 बोरी चावल कालाबाजारी की नीयत से जमा किया गया था।आदिम जनजाति केंद्रीय सदस्य नगीना परहिया, सुकन परहिया और रघु बैगा सहित अन्य ने प्रखंड खाद्य आपूर्ति पदाधिकारी और प्रतिनिधि की मिलीभगत पर सवाल उठाए।उन्होंने चेतावनी दी कि यदि दोषियों पर कड़ी कार्रवाई नहीं हुई, तो 7 अप्रैल से प्रखंड कार्यालय के समक्ष अनिश्चितकालीन धरना दिया जाएगा।उपप्रमुख प्रतिनिधि राम आशीष प्रसाद ने आरोपों को नकारते हुए कहा कि उनका बेटा पीडीएस वाहन का चालक है और विभागीय निर्देश पर ही राशन घर पर रखा गया था। प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी सतीश कुमार ने तर्क दिया कि एफसीआई से कम आवंटन मिलने के कारण वितरण रोककर राशन सुरक्षित रखा गया था। थाना प्रभारी अनिमेष शांतिकारी ने सुरक्षा के मद्देनजर संबंधित कमरे को सील कर दिया है, वहीं बीडीओ देवलाल करमाली ने जांच के बाद सख्त कार्रवाई का भरोसा दिया है।एफसीआई गोदाम के एजीएम बसंत पांडे ने पुष्टि की कि 30 मार्च को ही 57 क्विंटल राशन का उठाव किया जा चुका था और पूर्व का कोई भी राशन बकाया नहीं है।ऐसे में सवाल उठता है कि उठाव के बाद राशन लाभुकों तक क्यों नहीं पहुंचा।

रामगढ़ में पेयजल संकट से त्रस्त ग्रामीणों का प्रखंड मुख्यालय पर प्रदर्शन

रामगढ़(ईएमएस)। पतरातू ग्राम पंचायत कोतो व न्यू मार्केट क्षेत्र में गहराते जल संकट को लेकर गुरुवार को सैकड़ों ग्रामीणों ने बाल्टी, डेकची व अन्य बर्तनों के साथ प्रखंड मुख्यालय पहुंचकर जोरदार प्रदर्शन किया।ग्रामीणों ने पानी की समस्या के खिलाफ नारेबाजी करते हुए अविलंब समाधान की मांग की।प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे वरिष्ठ कांग्रेसी सह समाजसेवी जयप्रकाश सिंह ननकी ने बताया कि सरकार की महत्वाकांक्षी जल-नल योजना के तहत टोकीसुद में लगभग 35 लाख रुपये की लागत से निर्माण कार्य हुआ और कोतो पंचायत में पाइपलाइन भी बिछाई गई, लेकिन सड़क निर्माण के कारण मात्र 35 घरों में ही कनेक्शन दिया गया। इसके बाद न तो नए कनेक्शन दिए गए और न ही बीते दो वर्षों से एक बूंद पानी की आपूर्ति हो सकी।उन्होंने आगे बताया कि कटिया में करीब 6 करोड़ 50 लाख रुपये की लागत से निर्मित जलमीनार भी वर्षों से बंद पड़ा है, जबकि यह कोतो की जमीन पर बना है। स्थानीय मुखिया द्वारा ग्रामीणों को समझाकर जमीन उपलब्ध कराई गई थी, ताकि देवी मंडप व मुंडा टोला सहित आसपास के क्षेत्रों को पानी मिल सके, लेकिन आज तक इसका लाभ नहीं मिल पाया।ग्रामीणों ने बताया कि 60-70 वर्षों से उपयोग में रहा डैम का पानी भी बंद कर दिया गया है।साथ ही अधिकांश चापाकल खराब पड़े हैं, जिनमें पाइप बदलने की जरूरत है।ऐसे में पूरे क्षेत्र में पेयजल की स्थिति अत्यंत दयनीय बनी हुई है।मुखिया निधि सिंह ने टोकीसुद जलमीनार के संवेदक की लापरवाही पर नाराजगी जताते हुए उसे ब्लैकलिस्ट करने की मांग की।वहीं न्यू मार्केट के समाजसेवी राहुल कुमार ने कहा कि पानी कोई खैरात नहीं, बल्कि लोगों का जन्मसिद्ध अधिकार है. जब तक हर घर तक पानी नहीं पहुंचेगा, आंदोलन जारी रहेगा।

33 किलो गांजा के साथ दो गिरफ्तार

देवघर। देवघर एसडीपीओ अशोक कुमार सिंह के नेतृत्व में गुप्त सूचना पर कुंडा थाना पुलिस की विशेष टीम ने छापेमारी कर 33 किलो गांजा के साथ दो आरोपितों को गिरफ्तार किया गया।वहीं एक विधि विरूद्ध किशोर को निरुद्ध भी किया गया है। इस संबंध में आयोजित पत्रकार वार्ता में एसपी सौरभ ने कहा कि गांजा के साथ आरोपितों की गिरफ्तारी कुंडा थाना क्षेत्र के चितोलोढिया स्थित गंगानगर मुहल्ले से हुई है, जिसमें एक अंतरप्रांतीय बिहार के भी आरोपित शामिल हैं। गिरफ्तार आरोपितों में चितोलोढिया निवासी प्रकाश मंडल व बिहार के जमुई जिलांतर्गत चंद्रमंडीह थाना क्षेत्र के पुजहरडीह अंबाकोला निवासी अमित कुमार साह शामिल हैं।एसपी ने बताया कि अमित का अपराधिक इतिहास है। एनडीपीएस मामले में गिरफ्तार होकर दो तीन बार वह जेल गया है।

जिला परिषद, धनबाद

पत्रांक /जि0प0, धनबाद, दिनांक–

अति अल्पकालीन ई–निविदा आमंत्रण सूचना सं0–
25/2025-26/DE/ZPDH/DHANBAD/3rd Call

क्र	प्रखण्ड	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि	B.O.Q. मूल्य	अग्रधन राशि	समय अवधि
1	तोपचाँची	जिला परिषद (आंतरिक निधि), ढाँगी पंचायत अन्तर्गत देवानथान के बगल में शेड का निर्माण	3,38,700	750	B.O.Q. का 2%	3 माह
2	गोविन्दपुर	15वें वित्त आयोग मद गोविन्दपुर प्रखण्ड अन्तर्गत मोरंगा पंचायत अन्तर्गत टोला चाराईडीह लखी मराण्डी के तालाब से ईमली पेड़ तक 200 फीट नाली निर्माण	4,14,300	750	B.O.Q. का 2%	2 माह

1. वेबसाईट पर निविदा प्रकाशन की तिथि : दिनांक **06-04-2026**
2. ई0–निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय : दिनांक **13-04-2026** को **5 P.M.** बजे तक
3. निविदा खोलने कि तिथि एवं समय : दिनांक **15-05-2026** को **3:00 P.M.** बजे।
4. केवल ई–निविदा **(E-Tender)** ही स्वीकार की जाएगी।
5. निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी : जिला अभियंता, जिला परिषद, धनबाद
6. ई–निविदा प्रकोष्ट का दूरभाष संख्या– **9431396945**
7. जिला परिषद, धनबाद के अन्तर्गत समुचित श्रेणी से निबंधित संवेदक ही निविदा में भाग लेगें।
8. परिमाण विपत्र विपत्र की राशि घट–बढ़ सकती है, तदनुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
9. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल **Online Mode** द्वारा स्वीकार्य होगी।
10. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। यदि खाता बन्द कर दिया जाता है तो सारी जवाबदेही संवेदक की होगी।
11. योजनाओं की विवरणी एवं अन्य विस्तृत जानकारी वेबसाईट https://jharkhandtenders.gov.in में देखा जा सकता है।

ह0/–
जिला अभियंता
जिला परिषद, धनबाद

PR 376565 Rural Development(26-27)#D

ई-प्रोक्योरमेंट सेल
पेयजल एवं स्वच्छता विभाग झारखण्ड, राँची

ई–प्रोक्योरमेंट अल्पकालीन निविदा (प्रथम आमंत्रण)
ई–टेन्डर रेफरेन्स नं०–RRP(Giridih-2)02/2026-27 दिनांकः–02-04-2026

क्र0	विवरणी	Block	ग्रुप नं0	संख्या	प्राक्कलित राशि (लाख में)	अग्रधन राशि (लाख में)	परिमाण विपत्र राशि (रू0 में)
1	Name of Work:- Replacement of Rotten Riser Pipe of 32 mm dia., Connecting rods, C.I Cylinders (wherever required) etc. under D.W.& S. Division No-2, Giridih, on Turn Key Basis for the Year 2026-27	GIRIDIH	Gr.RRP-1	142	20.71395	0.41500	5000.00
		DHNAWAR	Gr.RRP-2	150	21.89145	0.44000	5000.00
		BIRNI	Gr.RRP-3	110	16.06369	0.32500	5000.00
		GAWAN	Gr.RRP-4	80	11.68540	0.23500	2500.00
		BAGODAR	Gr.RRP-5	100	14.58434	0.29500	2500.00
		DUMRI	Gr.RRP-6	150	21.89145	0.44000	5000.00
		PIRTAND	Gr.RRP-7	80	11.68540	0.23500	2500.00
		SARIYA	Gr.RRP-8	100	14.58434	0.29500	2500.00
2	कार्य पूर्ण करने की अवधि	45Days					
3	वेबसाइट पर निविदा प्रकाशन की तिथि	08.04.2026 .समय 04:00 बजे अपराहन्					
4	निविदा प्राप्ति (ऑन लाईन बिडींग) की अन्तिम तिथि एवं समय	18.04.2026 समय 04:00 बजे अपराहन् तक					
5	सरकार के सचिव, सूचना प्रौद्योगिकी एवं ई–गवर्नेस,झारखण्ड मंत्रालय, के ज्ञापांक 120 दिनांक 03.10. 2023 के आलोक में विपत्र का मूल्य एवं अग्रधन की राशि Online जमा करने की अन्तिम तिथि एवं समय	18.04.2026 समय 04:00 बजे अपराहन् तक					
6	तकनीकी बिड खोलने की तिथि एवं समय	20.04.2026 समय 04:00 बजे अपराहन् तक					
7	तकनीकी बिड खोलने का स्थान	अधीक्षण अभियंता का कार्यालय, पेयजल एवं स्वच्छता अंचल, धनबाद।					
8	निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम/पदनाम	ई0 अविक अम्बाला, कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वचछता प्रमंडल, सं0–02, गिरिडीह।					
9	प्रोक्योरमेंट पदाधिकारी का सम्पर्क संख्या	7544099310					
10	ई–प्रोक्योरमेंट सेल का हेल्पलाईन संख्या	0651-2480345					

नोट – 1. केवल ई निविदा ही स्वीकार किये जायेंगे।
2 प्राक्कलित की राशि घट–बढ सकती है, तदनुसार परिमाण विपत्र में अंकित प्राक्कलित राशि के आधार पर अग्रधन की राशि एवं परिमाण विपत्र का मूल्य मान्य होगा।
3. अधिक जानकारी के लिए वेबसाईट http://jharkhandtenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता,
PR 376520 Drinking Water and Sanitation(26-27).D पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल,संख्या–02, गिरिडीह

बीएसएल के मानव संसाधन ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग में आउटसोर्स कर्मचारियों हेतु 'संवर्धन' पोर्टल का शुभारंभ

बोकारो ।इस्पात संयंत्र के मानव संसाधन ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग द्वारा संयंत्र की प्रशिक्षण यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर स्थापित करते हुए 'संवर्धन' नामक एसएपी (SAP) आधारित डिजिटल प्लेटफॉर्म का शुभारंभ किया गया। यह पोर्टल विशेष रूप से आउटसोर्स कर्मचारियों के प्रशिक्षण एवं कौशल विकास के लिए समर्पित है। इस अवसर पर वर्ष 2025–26 के लिए ज्ञानार्जन एवं विकास उत्कृष्टता सम्मान समारोह का भी आयोजन किया गया।

'संवर्धन' प्लेटफॉर्म का विधिवत शुभारंभ निदेशक प्रभारी श्री प्रिय रंजन द्वारा किया गया। इस अवसर पर अधिशासी निदेशक (संकार्य) श्री अनुप कुमार दत्त, मुख्य महाप्रबंधक, प्रशिक्षण इंजीनियर तथा अन्य कर्मचारी उपस्थित थे। कार्यक्रम के प्रारंभ में मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन ज्ञानार्जन एवं विकास) सुश्री नीता बा ने सभी का स्वागत करते हुए वर्ष 2025-26 हेतु नियोजित प्रमुख प्रशिक्षण पहलों पर प्रकाश डाला तथा डिजिटल प्लेटफॉर्म और डेटा-आधारित शिक्षण तंत्र की भूमिका को रेखांकित किया।

निदेशक प्रभारी श्री रंजन ने अपने संबोधन में इस अभिनव पहल की सराहना करते हुए पूरे संगठन में सीखने की संस्कृति (Learning Culture) को और अधिक सुदृढ़ करने के प्रति अपनी अपेक्षाएं साझा कीं। अधिशासी निदेशक (संकार्य) श्री दत्त ने परिचालन उत्कृष्टता को बढ़ावा देने में निरंतर सीखने के महत्व को रेखांकित किया।

एक भविष्योन्मुखी एवं उच्च प्रदर्शनशील कार्यबल के निर्माण के दृष्टिकोण के अनुरूप, बोकारो इस्पात संयंत्र में ज्ञानार्जन एवं विकास की गतिविधियाँ सभी स्तरों पर क्षमताओं को सुदृढ़ करने में परिवर्तनकारी भूमिका निभा रही हैं। प्रत्येक कर्मचारी के लिए न्यूनतम 50 प्रशिक्षण घंटे सुनिश्चित करने का निर्णय संगठित एवं परिणाम-उन्मुख शिक्षण की दिशा में एक प्रभावी कदम है। इस पहल की विशेषता ज्ञानार्जन एवं विकास के ढांचे में आउटसोर्स कर्मचारियों को सम्मिलित करना है, जो समावेशी क्षमता विकास के प्रति संयंत्र की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

सीएंडआईटी (C&IT) तथा मानव संसाधन ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग द्वारा संयुक्त रूप से विकसित 'संवर्धन' पोर्टल प्रशिक्षण प्रबंधन में मानकीकरण, पारदर्शिता तथा रीयल-टाइम डेटा प्रबंधन सुनिश्चित करेगा। कार्यक्रम के दौरान उप महाप्रबंधक (सीएंडआईटी) श्री मनोज कुमार तथा सहायक महाप्रबंधक (मानव संसाधन ज्ञानार्जन एवं विकास) श्री अमित आनंद को उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए सम्मानित किया गया। श्री मनोज कुमार की ओर से यह सम्मान मुख्य महाप्रबंधक (सीएंडआईटी) ने प्राप्त किया।

प्रशिक्षण एवं विकास के क्षेत्र में उत्कृष्टता को मान्यता देते हुए 'उत्कर्ष' (सर्वश्रेष्ठ विभाग) का पुरस्कार कोक ओवन एवं कोल केमिकल्स (CO&CC) विभाग को प्रदान किया गया, जबकि 'प्रेरक' (सर्वश्रेष्ठ प्रशिक्षण इंजीनियर) का पुरस्कार श्री आलोक कुमार को दिया गया। ये पुरस्कार निदेशक प्रभारी द्वारा प्रदान किए गए।कार्यक्रम का सफल समन्वय वरीय प्रबंधक (मानव संसाधन ज्ञानार्जन एवं विकास) सुश्री प्रीति कुमारी तथा सहायक महाप्रबंधक (मानव संसाधन ज्ञानार्जन एवं विकास) श्री अमित आनंद द्वारा किया गया।

'संवर्धन' पोर्टल का शुभारंभ डिजिटल लर्निंग एवं समावेशिता के प्रति बोकारो इस्पात संयंत्र की अटूट प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करता है। यह पहल न केवल कर्मियों की कार्यक्षमता एवं कौशल में वृद्धि करेगी, बल्कि परिचालन उत्कृष्टता एवं उत्पादकता के लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु संयंत्र की निरंतर सुधार की संस्कृति को भी नया आयाम प्रदान करेगी।

पाकुड़ जिले में कृषि यंत्र वितरण कार्यक्रम का आयोजन

पाकुड़ः झारखंड राज्य जलछाजन मिशन के अंतर्गत प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना(Pakur-WDC-02) एवं लिट्टीपाड़ा WDC 01के तहत जिला संयुक्त कृषि भवन, पाकुड़ के प्रांगण में कृषि यंत्र वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।इस कार्यक्रम के अंतर्गत सदर प्रखंड, पाकुड़ की कुल पांच एवं लिट्टीपाड़ा WDC 01 के पांच जलछाजन समितियों को प्रोडक्शन मद से कृषि यंत्र वितरित किए गए। इस पहल का उद्देश्य किसानों को आधुनिक कृषि उपकरणों से सशक्त बनाकर उनकी उत्पादकता एवं आय में वृद्धि करना है।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित परियोजना निदेशक, आईटीडीए अरूण कुमार एक्का ने कहा कि कृषि क्षेत्र में आधुनिक यंत्रों का उपयोग किसानों के लिए अत्यंत लाभकारी है। इससे न केवल श्रम की बचत होती है, बल्कि उत्पादन क्षमता में भी उल्लेखनीय वृद्धि होती है।उन्होंने किसानों को उपलब्ध कराए गए कृषि यंत्रों एवं बीजों का समुचित उपयोग करने तथा वैज्ञानिक खेती की ओर अग्रसर होने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम में जिला कृषि पदाधिकारी मृत्युंजय कुमार, भूमि संरक्षण पदाधिकारी सूचित एक्का, तकनीकी विशेषज्ञ, WDT सदस्य, जलछाजन समितियों के अध्यक्ष, सचिव एवं सदस्य सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

अभावों से आत्मनिर्भरता तकः जुवाना किस्कू बनीं 'लखपति दीदी'

पाकुड़ः पाकुड़ जिले के हिरणपुर प्रखंड अंतर्गत बाबुपुर पंचायत के पीपलजोड़िया गांवकीरहनेवालीजुवानाकिस्कूआजग्रामीणमहिलाओंकेलिएप्रेरणाबनचुकीहैं।

अंधेरे से उजाले की ओर एक नई शुरुआत : वर्ष 2021 से पहले जुवाना किस्कू की आर्थिक स्थिति अत्यंत कमजोर थी। 16 मार्च 2021 को "दुलाड़ बाहा" सखी मंडल से जुड़ने के बाद उनके जीवन में बदलाव की शुरुआत हुई। समूह के माध्यम से उन्होंने बचत, ऋण और आत्मनिर्भरता का महत्व समझा।

सूकर पालन से शुरू हुआ स्वावलंबन का सफर : रिवॉल्विंग फंड (RF) के तहत 10,000 का ऋण लेकर उन्होंने सूकर पालन शुरू किया, जिससे उनकी आय बढ़नी शुरू हुई और आत्मविश्वास भी मजबूत हुआ।

व्यवसाय में विस्तार से बढ़ी आय
सामुदायिक निवेश कोष (CIF) से 70,000 का ऋण लेकर उन्होंने सूकर पालन के साथ-साथ किराना दुकान एवं मुर्गी पालन का कार्य भी शुरू किया। आज उनके पास 17-18 सूकर हैं और उनकी वार्षिक आय लगभग 1.5 से 2 लाख रुपये तक पहुँच चुकी है।

बच्चों के बेहतर भविष्य की ओर कदम :आज जुवाना किस्कू अपने बच्चों को बेहतर शिक्षा दिला पा रही हैं और एक सम्मानजनक जीवन जी रही हैं। वे सखी मंडल को अपनी सफलता की आधारशिला मानती हैं।

प्रशासन एवं जेएसएलपीएस के प्रति जताया आभार :जुवाना किस्कू ने अपनी सफलता का श्रेय जिला प्रशासन एवं झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी (JSLPS) को देते हुए उनके प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इन योजनाओं के माध्यम से उन्हें सही मार्गदर्शन, आर्थिक सहयोग एवं आत्मनिर्भर बनने का अवसर मिला।

अन्य महिलाओं के लिए बनीं प्रेरणा : आज जुवाना किस्कू की सफलता की कहानी क्षेत्र की अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणा स्रोत बन चुकी है। वे अब स्वयं भी अन्य महिलाओं को सशक्त बनने और आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित कर रही हैं।

आदिम जनजातियों के एनटाइटलमेंट सर्वेक्षण हेतु जागरूकता रथ रवाना

पाकुड़ः आदिम जनजातियों के एनटाइटलमेंट सर्वेक्षण के लिए जागरूकता अभियान की शुरुआत करते हुए समाहरणालय परिसर से परियोजना निदेशक आईटीडीए अरुण कुमार एक्का, अपर समाहर्ता जेम्स सुरीन एवं जिला आपूर्ति पदाधिकारी कुमार अभिषेक सिंह ने संयुक्त रूप से जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस दौरान परियोजना निदेशक आईटीडीए अरुण कुमार एक्का ने बताया कि जागरूकता रथ के माध्यम से सर्वेक्षण से संबंधित जानकारी का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाएगा, जिससे अधिक से अधिक लाभुकों तक योजना की जानकारी पहुंचाई जा सके। पाकुड़ जिले में आदिम जनजातियों के एनटाइटलमेंट सर्वेक्षण हेतु विशेष अभियान चलाया जाएगा। इसके अंतर्गत जिले के 349 गांवों के 447 टोलों में निवासरत कुल 16,778 हाउसहोल्ड के 73,173 आदिम जनजाति व्यक्तियों का सर्वेक्षण किया जाएगा। यह सर्वेक्षण 01 अप्रैल से 30 अप्रैल 2026 तक मोबाइल एप के माध्यम से एक माह के भीतर पूर्ण किया जाएगा। परियोजना निदेशक आईटीडीए ने पीवीटीजी परिवारों से अपील किया कि वे निर्धारित समयावधि में अपना सर्वेक्षण अवश्य कराएं तथा जब सर्वेक्षण टीम उनके पास पहुंचे तो उनका पूर्ण सहयोग करें।

रांची हरमू मैदान के समीप हनुमान मंदिर में हनुमान जन्मोत्सव काफी धूम धाम से मनाई गई

रांची । हरमू मैदान के समीप हनुमान मंदिर में काफी भव्य रूप से हनुमान जन्मोत्सव मनाया गया । संध्या समय हनुमान जी की महा आरती की गई l इसके तत्पश्चात हनुमान चालीसा का पाठ किया गया । कार्यक्रम के अंत में श्रद्धालु भक्तों के बीच महाप्रसाद का वितरण किया गया। मौके पर काफी संख्या में लोग मौजूद थे ।

बीएसएल कर्मचारी को मिला जीवनदानः बोकारो जनरल अस्पताल में सटीक ट्रॉमा केयर ने बचाई जान

बोकारो । बोकारो जनरल अस्पताल (BGH) में समय के साथ चली एक कड़ी जंग में, अजीत मिश्रा (गोपनीयता के लिए बदला हुआ नाम), जो कि 31 वर्षीय बीएसएल (BSL) कर्मचारी हैं, को मौत के मुँह से बाहर निकाल लिया गया। धनबाद के पास हुई एक भीषण बाइक दुर्घटना के बाद उन्हें BGH लाया गया था, जहाँ उनके सिर में भारी आंतरिक रक्त स्राव (intracranial bleeding), सिर और चेहरे की कई हड्डियाँ टूटना और पैर में फ्रैक्चर जैसी गंभीर चोटें थीं।

इलाज की मुख्य कड़ियाँ

गंभीर स्थितिः देर रात को अस्पताल पहुँचने के कुछ ही देर में मरीज कोमा में चले गए और उनकी स्थिति हर बीतते पल के साथ बिगड़ती जा रही थी।

जटिल सर्जरीः न्यूरोसर्जन डॉ.आनंद कुमार ने आंतरिक रक्तस्राव को रोकने के लिए सुबह 3 बजे एक जटिल सर्जरी शुरू की, जो 3 घंटे से अधिक समय तक चली।

समय का महत्वः डॉ.आनंद के अनुसार, यदि इलाज में 30 से 60 मिनट की भी देरी होती, तो यह जानलेवा साबित हो सकता था। सामान्यतः ऐसे मामलों में मृत्यु दर 60% से 80% के बीच होती है।

टीमवर्कः "गोल्डन आवर" के दौरान मिली इस सफलता में कैजुअल्टी मेडिकल अफसर डॉ.सुनील कुमार, डॉ.सौरभ खडतकर (डी.एन.बी.जनरल सर्जरी) और डॉ. प्रेमनीत कुमार (मेडिकल अफसर, न्यूरोसर्जरी) की त्वरित प्रतिक्रिया और सहयोग की अहम भूमिका रही।

रिकवरी और डिस्चार्ज : सर्जरी के बाद मरीज को वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गया था, जहाँ उनकी स्थिति बेहद नाजुक बनी हुई थी। ऑपरेशन के दो दिन बाद मरीज ने पहली बार अपनी आँखें खोलीं।

कठिन संघर्षः वेंटिलेटर सपोर्ट, संक्रमण प्रबंधन और विशेष फिजियोथेरेपी के 50 दिनों के कठिन रिकवरी पीरियड के बाद, मरीज को 28 मार्च 2026 को स्थिर स्थिति में अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।

सराहनाः डॉ.आनंद ने न्यूरोसर्जरी ICU, वार्ड और OT व कैजुअल्टी के नर्सिंग व पैरामेडिकल स्टाफ के साथ-साथ एनेस्थीसिया, ऑर्थोपेडिक्स, माइक्रोबायोलॉजी और फिजियोथेरेपी की टीमों के किए गए कार्य की प्रशंसा की।

प्रबंधन का सहयोगः ईडी (M&HS) डॉ.बी. बी.करुणामय ने व्यक्तिगत रूप से मरीज की स्थिति की निगरानी की और पूरी टीम के प्रयासों को सराहा।यह मामला बोकारो जनरल अस्पताल (BGH) में उपलब्ध उन्नत और त्वरित प्रतिक्रिया वाली ट्रॉमा केयर प्रणाली का एक उत्कृष्ट उदाहरण है, जो निरंतर जीवन बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

जमशेदपुर की कलाकार सुमन प्रसाद ने बैंकॉक में बिखेरा कला का जादू, इंडियन गॉड्स थीम पर जीती दुनिया

पूर्वी सिंहभूम(ईएमएस)।लौहनगरी की कला ने एक बार फिर सात समंदर पार अपनी धाक जमाई है। जमशेदपुर के कदमा की निवासी और प्रसिद्ध कलाकार सुमन प्रसाद ने थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में आयोजित थाइलैंड इंटरनेशनल आर्ट एग्जीबिशन में भारत का गौरव बढ़ाया है। 30 मार्च से एक अप्रैल 2026 तक चली इस तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी में सुमन ने अपनी कूची के जादू से भारतीय संस्कृति और दिव्यता को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत किया। इस प्रदर्शनी की मुख्य थीम इंडियन गॉड्स एंड इंडियन गॉडेसेस रखी गई थी। सुमन प्रसाद ने यहां अपनी दो विशेष कलाकृतियों का प्रदर्शन किया।उनकी पहली कृति अनंता ऐश्वर्या (एक्रिलिक माध्यम, 24×30 इंच) ने भगवान गणेश के स्वरूप के जरिए अनंत समृद्धि और ज्ञान का संदेश दिया। वहीं, उनकी दूसरी कृति समाधि भगवान शिव के ध्यानमग्न रूप पर आधारित थी, जिसने दर्शकों को आंतरिक शांति और ब्रह्मांडीय ऊर्जा का अहसास कराया। विदेशी कला प्रेमियों ने इन दोनों कृतियों की जमकर सराहना की।सुमन प्रसाद केवल एक कलाकार ही नहीं, बल्कि फ्लेमिनआर्ट की संस्थापक भी हैं।उन्होंने अब तक देश भर में सैकड़ों म्यूरल्स बनाए हैं और हजारों युवाओं को कला का प्रशिक्षण दिया है।

उनकी प्रतिभा के कायल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी हैं, जिनसे उन्हें प्रशंसा पत्र मिल चुका है।इसके अलावा बॉलीवुड अभिनेता सोनू सूद और नेहा धूपिया भी उनकी कला की तारीफ कर चुके हैं।उन्हें वर्ष 2022 में नेशन प्राइड अवार्ड से भी नवाजा जा चुका है।

बैंकॉक से अपनी सफलता साझा करते हुए सुमन प्रसाद ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय मंच पर तिरंगा लहराना और अपनी कला के जरिए देश व जमशेदपुर का प्रतिनिधित्व करना उनके जीवन का सबसे गौरवान्वित करने वाला क्षण है।इस उपलब्धि से शहर के कला जगत में हर्ष का माहौल है। उन्होंने बताया कि भारतीय कला के प्रति विदेशी दर्शकों का रुझान देखकर उन्हें काफी प्रेरणा मिली है।

केंदू पत्ती संग्रहकर्ताओं को राहत 2014 रुपये प्रति बोरा तय

दुमका(ईएमएस)।संताल परगना प्रमंडल के केंदू पत्ती संग्रहकर्ताओं के लिए राहत भरी खबर है। प्रमंडलीय आयुक्त संजय कुमार की अध्यक्षता में आयोजित केंदू पत्ती सलाहकार समिति की बैठक में वर्ष 2026 के लिए संग्रहण दर में बढ़ोतरी का महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया।बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं समिति सदस्यों ने वर्तमान मजदूरी दर, बाजार की स्थिति और पिछले वर्षों के अनुभवों पर विस्तार से चर्चा की। समीक्षा के दौरान यह सामने आया कि मौजूदा संग्रहण दर 1883 रुपये प्रति मानक बोरा है, जबकि मजदूरी और अन्य लागतों में लगातार वृद्धि हो रही है।ऐसे में दर संशोधन की आवश्यकता महसूस की गई।विस्तृत विचार-विमर्श के बाद सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि वर्ष 2026 के लिए केंदू पत्ती का संग्रहण दर सरकारी और रैयती भूमि दोनों के लिए बढ़ाकर 2014 रुपये प्रति मानक बोरा किया जाए।इस फैसले से क्षेत्र के हजारों संग्रहकर्ताओं को सीधा लाभ मिलेगा।बैठक में यह भी बताया गया कि नई दर लागू होने से संग्रहकर्ताओं की आमदनी में बढ़ोतरी होगी और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।साथ ही, केंदू पत्ती संग्रहण से जुड़े रोजगार के अवसर भी और सुदृढ़ होंगे।यह निर्णय संताल परगना क्षेत्र में मजदूरों और वनाधारित आजीविका से जुड़े लोगों के लिए सकारात्मक पहल माना जा रहा है।

जिला स्तरीय आधार निगरानी समिति की बैठक में बंद पड़े आधार किट को शीघ्र चालू करने के निर्देश

पलामू(ईएमएस)।उप विकास आयुक्त जावेद हुसैन की अध्यक्षता में गुरुवार को उप विकास आयुक्त कार्यालय वेश्म में जिला स्तरीय आधार निगरानी समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में ग्रामीण क्षेत्रों में आधार पंजीकरण एवं अद्यतन केंद्रों की उपलब्धता बढ़ाने पर विस्तृत चर्चा की गयी।उप विकास आयुक्त ने जिला परियोजना पदाधिकारी (यूआईडी) उदय प्रताप सिंह को निर्देश दिया कि ग्रामीण क्षेत्रों में आधार केंद्रों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए, ताकि अधिक से अधिक लोगों को आधार सेवाओं का लाभ मिल सके। उन्होंने यह भी कहा कि जिन नागरिकों का अब तक आधार नहीं बना है, उनकी सूची तैयार कर विशेष शिविर आयोजित किए जाएं।बैठक के दौरान प्रखंडों में आधार केंद्रों की स्थिति की समीक्षा की गई। बताया गया कि पांडु प्रखंड में आधार से संबंधित कार्य बंद है। इस पर डीडीसी ने बीडीओ को निर्देश दिया कि नया कंप्यूटर ऑपरेटर नियुक्त कर आधार सेवा को जल्द प्रारंभ कराया जाए। साथ ही सीएससी मैनेजर को बंद पड़े सभी यूसीएल किट को एक माह के भीतर चालू कराने का निर्देश दिया गया।उप विकास आयुक्त ने जिला शिक्षा पदाधिकारी को विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों के बायोमैट्रिक अपडेट कार्य में तेजी लाने तथा इसे शत-प्रतिशत सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। छतरपुर डाक उपघर में कंप्यूटर सिस्टम खराब होने के कारण आधार कार्य बंद रहने की जानकारी मिलने पर जेम पोर्टल के माध्यम से नया कंप्यूटर क्रय कर कार्य प्रारंभ करने की बात कही गयी।

पावर प्लांट के खिलाफ आंदोलन शुरू, करंट से बैल की मौत पर ग्रामीणों में आक्रोश

लातेहार(ईएमएस)।लातेहार जिला के महुआडांड़ प्रखंड के चैनपुर में निर्माणाधीन पावर प्लांट स्थल पर करंट लगने से बैल की मौत के मामले में ग्रामीणों का आक्रोश अब आंदोलन में बदल गया है। घटना के विरोध में ग्रामीणों ने गुरुवार को पावर प्लांट स्थल पर आंदोलन शुरू कर दिया। ग्रामीणों के अनुसार पावर प्लांट निर्माण स्थल पर फैले खुले बिजली तार की चपेट में आने से एक बैल की मौत हो गई। आरोप है कि घटना के बाद बैल को बिना ग्रामीणों को सूचना दिए प्लांट के स्टाफ ने दफना दिया। जिससे लोगों में भारी नाराजगी फैल गई। घटना की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण पावर प्लांट स्थल पर पहुंच गए और विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। ग्रामीणों ने पावर प्लांट प्रबंधन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए मृत बैल के मालिक को उचित मुआवजा देने और सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की।ग्रामीणों का कहना है कि जब तक पीड़ित परिवार को मुआवजा नहीं दिया जाता और घटना की जांच नहीं होती, तब तक आंदोलन जारी रहेगा।वहीं मौके पर तनाव की स्थिति बनी हुई है। प्रशासन को भी घटना की जानकारी दे दी गई है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि मांग पूरी नहीं होने पर आंदोलन और तेज किया जाएगा।

अतिक्रमण हटाओ अभियान में गैरमजरूआ खास जमीन से अवैध बाउंड्री हटाई गई

रामगढ़(ईएमएस)।मांडू अंचल प्रशासन द्वारा चलाए जा रहे अतिक्रमण हटाओ अभियान के तहत मौजा रउता, खाता नंबर 29, प्लॉट नंबर 382, रकबा करीब एक एकड़ गैरमजरूआ खास भूमि पर किए गए अवैध कब्जे को हटाया गया। उक्त भूमि पर चारदीवारी बनाकर अतिक्रमण किया गया था, जिसे प्रशासन ने ध्वस्त कर जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराया।यह कार्रवाई मांडू अंचलाधिकारी तृप्ति विजया कुजूर की मौजूदगी में की गई। अभियान के दौरान अंचल कर्मियों ने जेसीबी मशीन के माध्यम से बाउंड्री को तोड़ते हुए अवैध कब्जा हटाया।अभियान के दौरान मांडू इस्पेक्टर रजत कुमार, कुजू ओपी प्रभारी आशुतोष सिंह, अंचल निरीक्षक सुभाष कुमार प्रजापति, राजस्व उप नरीक्षक रवि भूषण ठाकुर, अमीन बैजनाथ विश्वकर्मा समेत अन्य कर्मचारी उपस्थित थे। साथ ही कुजू ओपी, रामगढ़ थाना के कई पुलिस अधिकारी एवं सशस्त्र बल भी मौके पर तैनात रहे, जिससे कार्रवाई शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो सकी।प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि सरकारी जमीन पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और आगे भी इस तरह की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

कार मोटरसाइकिल की टक्कर में एक मौत

पूर्वी सिंहभूम(ईएमएस)।बहरागोड़ा थाना क्षेत्र के पाटबेड़ा चौक समीप एनएच 18 पर एक कार एवं मोटरसाइकिल के बीच टक्कर हो गई।जिससे मोटरसाइकिल सवार बेनागाड़िया निवासी भगान बास्के(65) घटनास्थल पर दर्दनाक मौत हो गई। भगान बास्के बिहार पुलिस में सब इंस्पेक्टर के रूप में वर्ष 2019 में सेवानिवृत हुए थे।घटना की सूचना पाकर मौके पर पुलिस पहुंची।घटना के बाद फरार कार को बरसोल पुलिस द्वारा जब्त कर लिया गया। घटना के बाद परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है। घटना की सूचना पाकर 20 सूत्री अध्यक्ष असित मिश्रा, गुरुचरण मांडी पहुंचे।पुलिस शव का पंचनामा करते हुए पोस्टमार्टम के लिए घाटशिला भेज दिया गया।मृतक के 6 साल और दो साल की बच्ची है।मृतक की धर्मपत्नी मुनी बास्के ने बताया की 6 साल की बेटी को बहरागोड़ा एक निजी स्कूलों में नामांकन के लिए पूछताछ करने आ रहे थे।इस दौरान संतोष होटल के समीप डायवर्शन पर सड़क पार करने के बाद तेज रफ्तार की कार ने धक्का मार दिया।जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया।अस्पताल में चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया।

एसकेएमयू ने 25 परीक्षाओं के लिए फॉर्म भरने की अधिसूचना जारी की

दुमका(ईएमएस)।सिदो कान्हु मुर्मू विश्वविद्यालय (एसकेएमयू), दुमका ने कुल 25 परीक्षाओं के लिए परीक्षा प्रपत्र भरने को लेकर अधिसूचना जारी कर दी है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने सभी विद्यार्थियों से अपील की है कि वे निर्धारित समय के भीतर ऑनलाइन माध्यम से फॉर्म भर लें।विश्वविद्यालय की ओर से जारी सूचना के अनुसार, विद्यार्थी आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते हैं और ऑनलाइन परीक्षा प्रपत्र भर सकते हैं।जारी अधिसूचना के तहत यूजी सेमेस्टर-4 (सत्र 2023–27) के साथ-साथ एमए इन संताल कल्चर स्टडी, बीएड, एमएड, बीपीटी, बीएससी नर्सिंग, बी. फार्मा एवं बीएससी एमएलटी समेत विभिन्न कोर्स और सेमेस्टर की परीक्षाओं के लिए फॉर्म भरे जाएंगे। इसमें नियमित परीक्षाओं के साथ-साथ बैकलॉग परीक्षाएं भी शामिल हैं।

बीएसएल में 'स्वच्छता पखवाड़ा' के अंतर्गत सफाई मित्रों के लिए सम्मान समारोह का आयोजन

बोकारो । इस्पात संयंत्र के नगर प्रशासन विभाग द्वारा "स्वच्छता पखवाड़ा" के अन्तर्गत एक विशेष सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य उन सफाई मित्रों की अथक सेवाओं और समर्पण को सम्मान देना था, जो शहर को स्वच्छ और स्वस्थ बनाए रखने के लिए निरंतर प्रयासरत रहते हैं। यह समारोह मुख्य महाप्रबंधक (नगर प्रशासन) श्री कुंदन कुमार एवं महाप्रबंधक प्रभारी (टीई-पीएच) श्री लंबोदर उपाध्याय के कुशल नेतृत्व में संपन्न हुआ।समारोह के सफल निष्पादन में उप महाप्रबंधक (टीई-पीएच) श्री तरुण श्रीवास्तव, सहायक महाप्रबंधक (टीई-पीएच) श्री जयनाथ कुमार तथा सहायक प्रबंधक (टीई-पीएच) श्री विनोद पाल टिग्गा की सक्रिय भूमिका रही। इस अवसर पर महाप्रबंधक (नगर प्रशासन-मानव संसाधन-सीएसी) सुश्री प्रांजली भी विशेष रूप से उपस्थित रहीं। कार्यक्रम के दौरान स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत विभिन्न सफाई अभियानों, जागरूकता कार्यक्रमों और क्षेत्रीय गतिविधियों में उत्कृष्ट एवं अनुशासित प्रदर्शन करने वाले सफाई मित्रों को स्मृति चिन्ह और प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया गया।समारोह को संबोधित करते हुए अधिकारियों ने कहा कि पखवाड़े भर चलने वाले इस स्वच्छता अभियान की सफलता का श्रेय मुख्य रूप से सफाई मित्रों की निष्ठा और कठिन परिश्रम को जाता है। उन्होंने तड़के सुबह के विशेष सफाई अभियानों, कचरा पृथक्करण गतिविधियों और सार्वजनिक एवं आवासीय क्षेत्रों में सघन सफाई कार्यों में उनके योगदान की सराहना की। अधिकारियों ने रेखांकित किया कि सफाई कर्मी शहर की सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली की रीढ़ हैं और उनकी मेहनत से ही टाउनशिप के निवासियों को स्वच्छ वातावरण एवं बेहतर जीवन स्तर प्राप्त होता है। कार्यक्रम का समापन सफाई मित्रों के प्रति सम्मान और एकजुटता के संदेश के साथ हुआ।यह आयोजन सफाई मित्रों के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने और उनके मनोबल को बढ़ाने की दिशा में बोकारो इस्पात संयंत्र की एक सराहनीय पहल है। इस प्रकार के सम्मान समारोह न केवल कर्मियों में कार्य के प्रति गौरव का भाव जागृत करते हैं, बल्कि स्वच्छता और स्वास्थ्य के प्रति संगठन की अटूट प्रतिबद्धता को भी सुदृढ़ करते हैं, जो अंततः संयंत्र की परिचालन उत्कृष्टता और सामाजिक उत्तरदायित्व के लक्ष्यों को प्राप्त करने में सहायक सिद्ध होता है।

संक्षिप्त खबरें

नीतीश आधुनिक बिहार के विश्वकर्माः राजीव रंजन प्रसाद

पटना, (ईएमएस)। जदयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन प्रसाद ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से शिष्टाचार भेंट की। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार आधुनिक बिहार के विश्वकर्मा हैं । एक विफल राज्य मान लिए गए बिहार को उन्होंने दृढ़ संकल्प, कालजयी एवं युगांतकारी निर्णयों के बलबूते एक सशक्त समृद्ध एवं आत्मनिर्भर राज्य में तब्दील कर दिया। अब बिहार विकसित राज्य बनने की राह पर अग्रसर है ।ऐसे में राज्य को उनकी कमी लंबे समय तक खलेगी। बिहार के कायाकल्प के शिल्पकार के रूप में विकास के समावेशी मॉडल को उन्होंने विकसित किया, जिसके माध्यम से सभी वर्गों के विकास, रोजगार, आधारभूत संरचना के लिए कार्य तो किया ही, साथ-ही अब बिहार का औद्योगीकरण भी अब हो रहा है।

नर्सिंग होम में आग लगने के बाद करीब 15 मरीज़ों को सुरक्षित बाहर निकाला गया

पटना, (ईएमएस)। पटना के कंकड़बाग इलाके में अशोक नगर कॉलोनी स्थित द्वारिका कॉलेज के पास न्यू कुमार नर्सिंग होम में आग लगने के बाद कम से कम 15 मरीजों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। दमकल विभाग के एक अधिकारी ने कहा कि G+3 (ग्राउंड फ्लोर + 3 मंजिल) वाली इस रिहायशी-सह-नर्सिंग होम इमारत में आग शॉर्ट सर्किट की वजह से लगी थी। नर्सिंग होम के कर्मचारियों ने शुरू में खुद ही आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन जब मरीजों के कमरों में धुआँ भरने लगा और उन्हें साँस लेने में तकलीफ़ होने लगी, तो उन्होंने दमकल अधिकारियों को सूचना दी। राज्य के दमकल अधिकारी मनोज नट के नेतृत्व में दमकल की टीमें कंकड़बाग और लोदीपुर से लगभग छह दमकल गाड़ियों, बचाव वाहनों और हाइड्रोलिक उपकरणों के साथ तुरंत घटनास्थल पर पहुँचीं। दमकलकर्मियों ने एक समन्वित बचाव अभियान के तहत मरीजों और कर्मचारियों को सुरक्षित बाहर निकाला। नट ने कहा, आग शॉर्ट सर्किट से निकली बिजली की चिंगारियों के कारण लगी थी। कमरों में धुआँ भर गया था, जिससे दम घुटने लगा था। लगभग 10 से 15 मरीजों को सुरक्षित बचा लिया गया।

12 साल की बच्ची से रेप, आरोपी न्यायिक हिरासत में

पटना, (ईएमएस)। बिहार की राजधानी पटना के मिठापुर पुलिस थाना क्षेत्र में एक किराए के मकान में बहला-फुसलाकर ले जाकर 12 साल की बच्ची से रेप करने के आरोप में पुलिस ने 32 साल के एक शख्स को गिरफ्तार किया है। यह घटना तब सामने आई जब पीड़िता की माँ ने बच्ची के शरीर पर चोट के निशान देखे और 31 मार्च को पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के अनुसार, आरोपी नाबालिग को किराए के मकान में ले गया, जहाँ उसने 16 मार्च और फिर 19 मार्च को उसके साथ रेप किया। उस पर बच्ची को चुप रहने की धमकी देने और उसकी माँग में सिंदूर लगाने का भी आरोप है। पीड़िता की माँ ने आरोप लगाया कि आरोपी के परिवार के सदस्यों ने पैसे देकर मामले को दबाने की कोशिश की। उन्होंने कहा, आरोपी की माँ और बहन उसके बचाव में पुलिस थाने आईं और समझौते के लिए 1 लाख से 10 लाख रुपये तक देने की पेशकश की, लेकिन हमने मना कर दिया। उन्होंने आगे दावा किया कि सिंदूर देखने और अपनी बेटी से पूछताछ करने के बाद, बच्ची ने अपनी आपबीती सुनाई। उन्होंने आरोप लगाया, जब मैं बाद में पूछताछ करने के लिए आरोपी की बहन के घर गई, तो उन्होंने मेरे साथ मारपीट की और मुझे धमकी दी। लिखित शिकायत के बाद, नाबालिग का एक अस्पताल में मेडिकल परीक्षण कराया गया। सिटी एसपी (सेंट्रल) दीक्षा ने कहा, मसौढ़ी के रहने वाले आरोपी को पॉक्सो एक्ट के तहत गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। आगे की जाँच चल रही है।

पटना के जाने-माने डॉक्टर को 10 लाख रुपये की रंगदारी मांगने की धमकी

पटना, (ईएमएस)। पटना के एक जाने-माने बाल रोग विशेषज्ञ, डॉ. अभिषेक कुमार सिंह को 10 लाख रुपये की रंगदारी मांगने की धमकी मिली है। यह धमकी एक फ़ोन कॉल के ज़रिए दी गई थी, जिसमें कॉल करने वाले ने खुद को एक दबंग (बाहुबली) बताया और धमकी दी कि अगर डॉ. सिंह ने पैसे की मांग पूरी नहीं की, तो वह उन्हें जान से मार देगा। डॉ. सिंह, जो मिठापुर में एक अस्पताल चलाते हैं, ने इस संबंध में जक्कनपुर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने कहा कि एक मामला दर्ज कर लिया गया है और मामले की जांच की जा रही है। अपराधी की पहचान करने के लिए कॉल डिटेल्स का विश्लेषण किया जा रहा है। डॉ. सिंह के अनुसार, 30 मार्च की रात करीब 8.52 बजे उन्हें एक अनजान नंबर से फ़ोन आया। कॉल करने वाले ने खुद को एक बाहुबली बताते हुए उनसे 10 लाख रुपये की मांग की। जब उन्होंने इसका विरोध किया, तो आरोपी ने उन्हें गालियां दीं और गंभीर अंजाम भुगतने की धमकी दी। डॉक्टर ने अपनी शिकायत में कहा, कॉल काटने के बाद भी उसी नंबर से लगातार कॉल आते रहे, लेकिन मैंने दोबारा फ़ोन नहीं उठाया। शिकायत में जिस मोबाइल नंबर का ज़िक्र किया गया है, उसी नंबर से ये धमकियां दी गई थीं। डॉक्टर ने अपनी सुरक्षा को लेकर भी चिंता जताई और पुलिस से तत्काल कार्रवाई की मांग की। जक्कनपुर पुलिस स्टेशन ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। डॉ. सिंह, डॉ. अनीता सिंह और डॉ. उमेश सिंह के बेटे हैं।

बढ़ती गर्मी के मद्देनजर बिहार के सभी सरकारी स्कूलों को 6 अप्रैल से मॉर्निंग शिफ्ट में संचालित करने का आदेश

पटना, (ईएमएस)। बिहार में हर साल गर्मी के मौसम की शुरुआत के साथ ही स्कूलों के समय में बदलाव किया जाता है। मार्च के महीने से ही राज्य के अधिकांश जिलों में तापमान में तेजी से वृद्धि देखी जा रही थी और दोपहर के समय तेज धूप और गर्म हवाओं का असर महसूस किया जा रहा है। मौसम विभाग के अनुसार अप्रैल में तापमान और बढ़ सकता है, जिससे लू चलने की संभावना भी जताई जा रही है। इसलिए बिहार सरकार ने राज्य में बढ़ती गर्मी को देखते हुए राज्य के सभी सरकारी स्कूलों को 6 अप्रैल से मॉर्निंग शिफ्ट में संचालित करने का आदेश दिया है। शिक्षा विभाग के इस फैसले के तहत करीब 80 हजार सरकारी स्कूलों में नया टाइमटेबल लागू होगा। इस बदलाव का मुख्य उद्देश्य भीषण गर्मी से बच्चों को राहत देना और सुरक्षित वातावरण में पढ़ाई सुनिश्चित करना है।शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार, सोमवार दिनांक 6 अप्रैल से सभी प्राथमिक, मध्य, माध्यमिक और उच्च विद्यालय सुबह 6.30 बजे से खुलेंगे। इस संबंध में कई जिलों के जिला शिक्षा पदाधिकारियों (डीईओ) द्वारा पहले ही आदेश जारी कर दिए गए हैं, जबकि जिन जिलों में अभी आदेश जारी नहीं हुआ है, वहां भी जल्द ही नया टाइमटेबल लागू कर दिया जाएगा। नए शेड्यूल के अनुसार, स्कूलों में सुबह 6.30 बजे से 7.00 बजे तक प्रार्थना और अन्य गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। इसके बाद 7.00 बजे से नियमित कक्षाएं शुरू होंगी। विद्यार्थियों के लिए कुल 7 पीरियड की पढ़ाई निर्धारित की गई है। सुबह 9.00 बजे से 40 मिनट का मध्यांतर (ब्रेक) दिया जाएगा, ताकि बच्चे आराम कर सकें और भोजन कर सकें। सभी कक्षाएं समाप्त होने के बाद दोपहर 12.20 बजे छात्रों की छुट्टी कर दी जाएगी। वहीं शिक्षकों के लिए स्कूल का समय थोड़ा अधिक रखा गया है। शिक्षकों की छुट्टी 12.30 बजे होगी। कक्षाएं समाप्त होने के बाद शिक्षक 10 मिनट तक पढ़ाए गए विषयों की समीक्षा करेंगे और अगले दिन की पढ़ाई की योजना तैयार करेंगे। इस व्यवस्था से शिक्षण गुणवत्ता को बेहतर बनाने की भी कोशिश की जा रही है। उधर सरकारी स्कूलों के साथ-साथ निजी स्कूल भी अपने स्तर पर समय में बदलाव कर रहे हैं। कई निजी स्कूलों ने भी मॉर्निंग शिफ्ट लागू करने की तैयारी शुरू कर दी है, ताकि अभिभावकों और बच्चों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

कटिहार पुलिस की बड़ी कार्रवाई, अवैध हथियार के साथ वीडियो वायरल करने वाला आरोपी 24 घंटे में गिरफ्तार

कटिहार, (ईएमएस)। बिहार की कटिहार पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए अवैध हथियार के साथ सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल करने वाले मुख्य अभियुक्त को 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया। इस कार्रवाई को लेकर पुलिस की कार्यशैली की सराहना की जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, 1 अप्रैल को नगर थाना को सूचना मिली थी कि एक युवक सोशल मीडिया पर अवैध हथियार के साथ फायरिंग करते हुए वीडियो वायरल कर रहा है। वीडियो में आरोपी खुलेआम हथियार लहराते हुए गोली चलाता नजर आ रहा था, जिससे क्षेत्र में दहशत का माहौल बन गया। सूचना मिलते ही नगर थाना पुलिस ने वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया और तत्काल एक विशेष टीम का गठन किया गया। जांच के दौरान वायरल वीडियो में दिख रहे युवक की पहचान शिवम राजपूत उर्फ शिवम आर्यन के रूप में की गई, जो अमला टोला क्षेत्र का निवासी है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए छापेमारी कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के दौरान उसके पास से एक अवैध देशी पिस्तौल, एक मैगजीन और दो

जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं। इस मामले में नगर थाना में कांड संख्या 375/26 के तहत प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। पुलिस के अनुसार, आरोपी का पहले भी आपराधिक इतिहास रहा है और उसके खिलाफ पूर्व में भी मामला दर्ज है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि अवैध हथियारों के साथ इस तरह के वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर डालना न केवल कानून का उल्लंघन है, बल्कि समाज में भय और असुरक्षा का माहौल भी पैदा करता है। ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। फिलहाल पुलिस आगे की कानूनी प्रक्रिया में जुटी हुई है और मामले की गहन जांच की जा रही है।

हथियारबंद बदमाशों द्वारा 22 वर्षीय युवक की गोली मारकर हत्या

आरा, (ईएमएस)। बिहार के भोजपुर जिले के आरा टाउन थाना क्षेत्र स्थित पश्चिम टोला मोहल्ले में हथियारबंद बदमाशों ने एक 22 वर्षीय युवक की गोली मारकर हत्या कर दी। इस वारदात के बाद इलाके में भय का माहौल है। मृतक की पहचान चौधरीयाना मोहल्ला, वार्ड नंबर 9 निवासी मो. सगीर के पुत्र मो. अफरोज के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि अफरोज पेशे से बाइक सर्विसिंग का काम करता था और अपने परिवार का भरण-पोषण कर रहा था। पहले से घात लगाए बदमाशों ने उस पर अंधाधुंध फायरिंग कर दी। अपराधियों ने उसे बेहद करीब से दो गोलियां मारीं। एक गोली उसके बाएं हाथ में लगी, जबकि दूसरी गोली छाती के पास जा लगी। गंभीर चोट लगने के कारण अफरोज की मौके पर ही मौत हो गई।

सीएम पद से इस्तीफा देने के बाद भी नीतीश कुमार की नहीं हटेगी जेड+ सुरक्षा

राज्य सरकार के गृह विभाग ने नीतीश की सुरक्षा को लेकर अधिसूचना की जारी

पटना,(ईएमएस)। बिहार की राजनीति में एक बड़े बदलाव की सुगबुगाहट तेज हो गई है। सीएम नीतीश कुमार के जल्द ही अपने पद से इस्तीफा देने की संभावनाओं के बीच राज्य सरकार के गृह विभाग ने उनकी सुरक्षा को लेकर एक अधिसूचना जारी की है। आदेश के मुताबिक सीएम पद से हटने के बाद भी नीतीश कुमार को जेड+ श्रेणी का सुरक्षा मिलती रहेगी। गृह विभाग द्वारा जारी अधिसूचना में साफ कहा गया है कि नीतीश कुमार बिहार विशेष सुरक्षा अधिनियम, 2000 के प्रावधानों के तहत उच्च स्तरीय सुरक्षा कवर के हकदार हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक नीतीश कुमार राज्यसभा के लिए चुने गए थे और जल्द ही सीएम पद से इस्तीफ़ा देकर राज्यसभा जाएंगे। इन घटनाक्रमों के मद्देनजर, नीतीश कुमार की सुरक्षा की समीक्षा करने के बाद उन्हें जेड+ सुरक्षा देने का फ़ैसला किया गया। इस महीने की शुरुआत में राज्यसभा के लिए चुने गए नीतीश कुमार ने बिहार विधान परिषद की अपनी सदस्यता से इस्तीफ़ा दे दिया। जेडीयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार के बिहार विधान परिषद से इस्तीफा देने के फ़ैसले के बाद राज्य के नए सीएम को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं। नीतीश के करीबी सहयोगी कुछ समय से संवैधानिक प्रावधानों का हवाला देते हुए यह संकेत दे रहे हैं कि कोई भी व्यक्ति विधानसभा या विधान परिषद का सदस्य न रहने के बाद भी छह महीने तक सीएम पद पर बना रह सकता है।

महिला की संदिग्ध मौत पुलिस जांच में जुटी

बेगूसराय, (ईएमएस)। बिहार के बेगूसराय जिले के अंतर्गत वीरपुर थाना क्षेत्र के ग्राम पनापुर, वार्ड नंबर-01 में एक महिला की संदिग्ध परिस्थिति में मौत का मामला सामने आया है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, 1 अप्रैल की रात सूचना मिली कि पनापुर गांव में एक महिला ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। सूचना के आधार पर वीरपुर थाना की टीम तत्काल घटनास्थल पर पहुंची और मामले की छानबीन शुरू की। स्थानीय लोगों से पूछताछ में मृतका की पहचान कुमारी (उम्र करीब 22 वर्ष), पति अंकज कुमार, निवासी पनापुर, वार्ड नंबर-01 के रूप में हुई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल बेगूसराय भेज दिया है। प्रारंभिक जांच में घटना के कारणों का स्पष्ट खुलासा नहीं हो पाया है। परिजनों और आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है ताकि घटना के पीछे की सच्चाई सामने आ सके। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर-02 के नेतृत्व में वीरपुर थाना पुलिस मामले के सभी पहलुओं की गहराई से जांच कर रही है। पुलिस का कहना है कि जांच के बाद ही घटना की वास्तविक वजह स्पष्ट हो पाएगी। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि किसी भी प्रकार की आपात स्थिति में हेल्पलाइन नंबर 112 पर संपर्क करें।

नालंदा में महिला से छेड़खानी का वीडियो वायरल, 8 आरोपी गिरफ्तार

नालंदा, (ईएमएस)। बिहार की नालंदा पुलिस ने महिला से छेड़खानी मामले में कार्रवाई करते हुए अब तक 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह मामला नूरसराय थाना क्षेत्र का है, जहां कुछ युवकों द्वारा एक

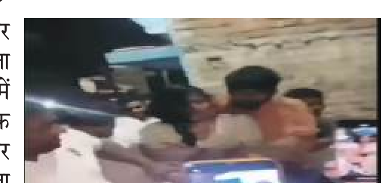

महिला के साथ छेड़खानी की घटना सामने आई थी। आरोपियों ने इस घटना का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया था। पुलिस के अनुसार, इस संबंध में कांड संख्या 194/26 दर्ज किया गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपियों की गिरफ्तारी की और अन्य फरार आरोपियों की तलाश में लगातार छापेमारी की जा रही है। पुलिस ने यह भी बताया कि घटना से संबंधित आपत्तिजनक वीडियो को सोशल मीडिया पर शेयर और प्रसारित किया जा रहा है, जो एक गंभीर अपराध है। इस तरह की गतिविधियां सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 के नियमों का उल्लंघन करती हैं। नालंदा पुलिस ने आमजन से अपील की है कि ऐसे संवेदनशील और आपत्तिजनक वीडियो को न तो शेयर करें और न ही फॉरवर्ड करें। ऐसा करने वालों के खिलाफ आईटी एक्ट की संबंधित धाराओं के तहत सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने स्पष्ट किया कि किसी भी प्रकार की आपत्तिजनक सामग्री का प्रसारण पीड़िता की निजता का उल्लंघन है और यह एक दंडनीय अपराध है।

सुशासन और मजबूत कानून-व्यवस्था का प्रमाण है बिहार पुलिस को मिला देश का सर्वोच्च पुलिस सम्मानःअरविंद निषाद

पटना, (ईएमएस)। जद (यू0) के प्रदेश प्रवक्ता अरविंद निषाद ने जारी बयान में कहा कि बिहार पुलिस को इस वर्ष 'प्रेसिडेंट ऑफ इंडिया पुलिस कलर' जैसे देश के सर्वोच्च और अत्यंत प्रतिष्ठित पुलिस सम्मान से सम्मानित किया जाना पूरे बिहार के लिए अत्यंत गौरव, सम्मान और हर्ष का विषय है। यह ऐतिहासिक उपलब्धि बिहार पुलिस की कार्यशैली, अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठा और जनता की सेवा के प्रति उसकी अटूट प्रतिबद्धता का राष्ट्रीय स्तर पर मिला सर्वोच्च सम्मान है। बिहार पुलिस की इस उपलब्धि पर उन्होंने बिहार पुलिस के सभी अधिकारी एवं जवानों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी। यह सम्मान स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सरकार में बिहार पुलिस ने बीते वर्षों में कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने, अपराध नियंत्रण, सामाजिक शांति बनाए रखने तथा जनविश्वास अर्जित करने की दिशा में उल्लेखनीय और निरंतर उत्कृष्ट कार्य किया है। बिहार पुलिस ने अपने परिश्रम, समर्पण और पेशेवर दक्षता के बल पर न केवल राज्य में सुरक्षा व्यवस्था को नई मजबूती दी है, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी एक विशिष्ट और सम्मानजनक पहचान स्थापित की है। बिहार पुलिस ने जिस प्रकार अनुशासन, आधुनिक कार्यशैली, जवाबदेही और जनसेवा की भावना के साथ काम किया है, उसी का परिणाम है कि आज बिहार पुलिस को यह सर्वोच्च सम्मान प्राप्त हुआ है। यह उपलब्धि केवल एक सम्मान नहीं, बल्कि बिहार पुलिस की सामूहिक मेहनत, प्रतिबद्धता और उत्कृष्ट सेवा-भावना की औपचारिक राष्ट्रीय स्वीकृति है। उन्होंने कहा कि यह सम्मान बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के सुशासन, विधि-व्यवस्था के प्रति स्पष्ट प्रतिबद्धता और संस्थागत सशक्तिकरण की नीति का भी परिणाम है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार में कानून-व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई, पुलिस बल को संसाधन, तकनीक, प्रशिक्षण और प्रशासनिक समर्थन उपलब्ध कराया गया, जिससे बिहार पुलिस की क्षमता और प्रभावशीलता में निरंतर वृद्धि हुई। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सरकार ने महिलाओं को पुलिस बल में 35 फीसदी आरक्षण की व्यवस्था की जिसका परिणाम है कि आज बिहार में पुलिस बल में महिलाओं की संख्या पूरे देश भर में सबसे ज्यादा है। यह सम्मान केवल बिहार पुलिस का नहीं, बल्कि बिहार के 14 करोड़ लोगों के आत्मविश्वास, सुरक्षा और गौरव का सम्मान है।

यह उपलब्धि पूरे राज्य के लिए प्रेरणा का स्रोत है और यह संदेश देती है कि समर्पण, अनुशासन और जनसेवा के बल पर बिहार राष्ट्रीय पटल पर लगातार अपनी पहचान मजबूत कर रहा है।

पटना नगर निगम का वित्त वर्ष 2025-26 में प्रॉपर्टी टैक्स कलेक्शन 125 करोड़ रुपया

पटना, (ईएमएस)। पटना नगर निगम (पीएमसी) ने वित्त वर्ष 2025-26 में अब तक का सबसे ज्यादा प्रॉपर्टी टैक्स कलेक्शन करके एक नया रिकॉर्ड बनाया है। निगम ने 116 करोड़ रुपये के अपने लक्ष्य को पार करते हुए 125 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है। यह सफलता बेहतर टैक्स वसूली व्यवस्था और वन-टाइम सेटलमेंट स्कीम (एकमुश्त निपटान योजना) की कामयाबी की वजह से मिली है। पिछले वित्त वर्ष (2025-2026) का यह टैक्स कलेक्शन, 2024-25 वित्त वर्ष में जमा हुए 114 करोड़ रुपये के प्रॉपर्टी टैक्स से 11 करोड़ रुपये ज़्यादा है। पीएमसी के अधिकारियों ने कहा कि निगम की अलग-अलग स्रोतों से होने वाली कुल कमाई लगभग 250 करोड़ रुपये तक पहुँच गई है। हालाँकि, ये आँकड़े अभी शुरुआती हैं क्योंकि गणना का काम अभी भी चल रहा है और ये आँकड़े और भी बढ़ सकते हैं। नगर निगम क्षेत्र में कुल 3.06 लाख प्रॉपर्टी (होल्डिंग) हैं। अकेले सरकारी प्रॉपर्टी से ही 28 करोड़ रुपये से ज़्यादा का टैक्स जमा हुआ है। भवन निर्माण विभाग (बीसीडी) 15.80 करोड़ रुपये का टैक्स चुकाकर सबसे बड़ा सरकारी टैक्स देने वाला विभाग बना। एएन कॉलेज 4.37 करोड़ रुपये का योगदान देकर दूसरा सबसे बड़ा सरकारी टैक्स देने वाला संस्थान बना, जबकि सीआरपीएफ ने 1.12 करोड़ रुपये का टैक्स चुकाया। चौथे और पाँचवें स्थान पर क्रमशः ऊर्जा विभाग और पटना मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल रहे, जिन्होंने 93.98 लाख रुपये और 78.31 लाख रुपये का टैक्स चुकाया। होल्डिंग टैक्स के लिए शुरू की गई वन-टाइम सेटलमेंट (ओटीएस) योजना ने टैक्स वसूली के लक्ष्य को पार करने में अहम भूमिका निभाई। इस योजना के तहत, लंबे समय से बकाया पड़े टैक्स को चुकाने का मौका दिया गया था। यह योजना 31 मार्च 2026 तक लागू थी। इस योजना के तहत, टैक्स पर लगने वाले ब्याज और जुर्माने को पूरी तरह (100 प्रतिशत) माफ कर दिया गया था, जिससे प्रॉपर्टी मालिकों को सिर्फ़ मूल राशि (प्रिंसिपल अमाउंट) चुकाकर ही अपना हिसाब-किताब चुकता करने की सुविधा मिली। इस सुविधा ने उन बड़े बकायेदारों को भी अपना बकाया चुकाने के लिए प्रोत्साहित किया, जिन पर दशकों से ब्याज पर ब्याज लगने के कारण भारी-भरकम कर्ज जमा हो गया था।

इनमें मुख्य रूप से सरकारी दफ़्तर और शिक्षण संस्थान शामिल थे। पीएमसी की स्थापना (1952) के बाद पहली बार, एएन कॉलेज ने इस पहल के ज़रिए अपना होल्डिंग टैक्स चुकाया है। संस्था पर मूल रूप से लगभग 13 करोड़ रुपये का बकाया था, लेकिन छूट लागू होने के बाद उसने 4.37 करोड़ रुपये का भुगतान किया।

मघड़ा शीतला मंदिर हादसे में 20 लोगों पर मामला दर्ज, चार पुजारी गिरफ्तार

कई लोगों ने हादसे के लिए कुप्रबंधन को जिम्मेदार ठहराया

पटना (ईएमएस)। बिहार में नालंदा के मघड़ा शीतला मंदिर हादसे में 20 लोगों पर मामला दर्ज किया गया है। इस मामले में पुलिस ने चार पुजारियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस की गिरफ्त में आए इन पुजारियों पर रुपए लेकर पूजा करवाने और महिलाओं पर डंडे चलाने का आरोप है। दीपनगर थाने की दारोगा के बयान के बाद एफआईआर दर्ज की गई है। मामले में 20 नामजद और कई अज्ञात लोगों को आरोपी बनाया गया। नामजद लोगों में 18 पंडा समाज के लोग और उनके दो सहयोगी शामिल हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बिहार के नालंदा जिले में स्थित शीतला माता मंदिर में मंगलवार को धार्मिक सभा के दौरान भगदड़ मच गई थी। इस दौरान आठ महिलाओं की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए थे। यह घटना तब हुई जब बड़ी संख्या में श्रद्धालु पूजा-अर्चना के लिए जमा हुए थे, जिससे वहां भारी भीड़ हो गई और अचानक मची भगदड़ में कई लोग कुचल गए। बिहार सरकार ने इस घटना की जांच के आदेश दिए हैं। घटनास्थल से सामने आए विजुअल्स में मंदिर परिसर के अंदर

भारी तादाद में भीड़ और अफरा-तफरी का माहौल दिखाई दे रहा है। जानकारी मिलते ही पुलिस अधिकारी और ग्रामीण मौके पर पहुंचे और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। बिहार शरीफ के सहायक पुलिस अधीक्षक ने बताया कि मंगलवार सुबह शीतला माता मंदिर में मची भगदड़ में करीब आठ महिलाओं की मौत हो गई। पुलिसकर्मी और जिला प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंचे और बचाव कार्य शुरू किया। चश्मदीदों ने बताया कि हर मंगलवार को मंदिर में भारी भीड़ उमड़ती है, जिसमें पटना समेत राज्य के कई इलाकों से श्रद्धालु दर्शन के लिए आते हैं।

कई लोगों ने इस हादसे के लिए कुप्रबंधन को जिम्मेदार ठहराया है। एक चश्मदीद ने कहा कि यह सब कुप्रबंधन की वजह से हुआ है, जबकि दूसरे शख्स ने कहा कि कोई भी कतार में खड़ा नहीं होना चाहता था और हर कोई सबसे पहले दर्शन करना चाहता था। चैत्र महीने का आखिरी मंगलवार होने के कारण भीड़ और भी ज्यादा भीड़ थी।

19 साल के एक डीजे ऑपरेटर का शव मिला

समस्तीपुर, (ईएमएस)। बिहार के समस्तीपुर जिले के हसनपुर थाना क्षेत्र में भारद्वाज कॉलेज के पास, 19 साल के एक डीजे ऑपरेटर का शव मिला। उसके गले पर कटा हुआ निशान था और शरीर पर चाकू से गोदने के कई जख्म थे। मृतक की पहचान राकेश साह के रूप में हुई, जो हसनपुर थाना क्षेत्र के मलहीपुर गांव के रहने वाले शंकर साह का बेटा था। वह सोमवार से ही लापता था। राकेश के भाई संतोष कुमार ने पुलिस को बताया कि, राकेश सोमवार दोपहर अपनी बाइक से घर से निकला था, लेकिन वापस नहीं लौटा। मंगलवार शाम को कॉलेज के पास उसकी बाइक और कपड़े मिले, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला। पुलिस के अनुसार, कल सुबह कॉलेज परिसर के पास झाड़ियों में उसका शव अर्धनग्न अवस्था में मिला। इस घटना के बाद, गुस्साए स्थानीय लोगों ने हत्यारों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग करते हुए विरोध प्रदर्शन किया।

संक्षिप्त खबरें

गुजरात में आप की बढ़ती लोकप्रियता से भाजपा में घबराहट : केजरीवाल

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल को पत्र लिखकर उनसे मिलने का अनुरोध किया है। पत्र में केजरीवाल ने आरोप लगाया है कि गुजरात में पंचायत और नगर पालिका चुनावों से पहले पार्टी के कार्यकर्ताओं को बड़े पैमाने पर गिरफ्तार किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि बीते कुछ महीनों में 160 से अधिक कार्यकर्ता गिरफ्तार किए गए हैं और 10,000 से ज्यादा को गिरफ्तार करने की योजना है। केजरीवाल ने पत्र में कहा कि आप की बढ़ती लोकप्रियता से भाजपा सरकार बौखलाई हुई है और इस कारण कार्यकर्ताओं के खिलाफ षड्यंत्र रचा जा रहा है। उन्होंने भाजपा पर स्थानीय निकाय चुनावों को जीतने के लिए पुलिस का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया। पत्र में यह भी लिखा है कि पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष ईशुदान गढ़वी को हाल ही में गिरफ्तार किया गया और देर रात छोड़ा गया, जबकि वह अपने कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी की जानकारी लेने थाने गए थे। केजरीवाल ने बताया कि गिरफ्तारी का एक पैटर्न साफ दिखाई दे रहा है। सड़क पर स्कूटर या मोटरसाइकिल से आए कुछ लोग कार्यकर्ताओं को रोकते हैं, मारपीट और गाली-गलौज करते हैं, इसके बाद क्राइम ब्रांच तुरंत मौके पर पहुंचकर उन्हें गिरफ्तार कर लेती है। इससे प्रतीत होता है कि पुलिस इन गुंडों के फोन का ही इंतजार कर रही है। पत्र में उन्होंने कहा कि पिछले 30 सालों से भाजपा सरकार के भ्रष्टाचार, अत्याचार और दमन से जनता परेशान है। आप पहली बार लोगों को एक मजबूत विकल्प प्रदान कर रही है। पार्टी ईमानदार, निडर और देशभक्त है और भाजपा से कोई समझौता नहीं करेगी। इसी कारण पार्टी की लोकप्रियता गुजरात में तेजी से बढ़ रही है। केजरीवाल ने उम्मीद जाहिर कि मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल जल्द ही उनसे और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान से मिलने का समय देने वाले हैं। ताकि इन मुद्दों पर चर्चा की जा सके।

सैम पित्रोदा का आरोप, भारत ने इस संकट में "नैतिक श्रेष्ठता" नहीं दिखाई

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय ओवरसीज कांग्रेस प्रमुख सैम पित्रोदा ने पश्चिम एशिया में जारी तनाव पर भारत की भूमिका को लेकर आलोचना की है। उनका कहना है कि भारत ने इस महत्वपूर्ण संकट में "नैतिक श्रेष्ठता" नहीं दिखाई और वह "अमीर व ताकतवर हमलावरों" के साथ खड़ा दिखाई दिया। उनके अनुसार, भारत को अपने पारंपरिक मूल्यों सत्य, लोकतंत्र, विविधता और मानव सम्मान पर आधारित संतुलित रुख अपनाना चाहिए था। पाकिस्तान द्वारा खुद को मध्यस्थ के रूप में पेश करने के दावे पर कांग्रेस नेता पित्रोदा ने कहा कि किसी भी देश को शांति स्थापित करने का प्रयास करने का अधिकार है। उनका मानना है कि जितने अधिक पक्ष शांति प्रयासों में शामिल होंगे, उतना बेहतर होगा, क्योंकि ऐसे जटिल विवादों में यह निश्चित नहीं होता कि कौन-सा प्रयास सफल होगा। जब पित्रोदा से पूछा गया कि जवाहर लाल नेहरु और राहुल गांधी के दृष्टिकोण के बारे में, तब उन्होंने कहा कि राहुल गांधी "भारत के मूल विचार" के प्रतिनिधि हैं। यह विचार देश के संस्थापकों द्वारा स्थापित मूल्यों—सच्चाई, भरोसा, लोकतंत्र और सभी के प्रति सम्मान—पर आधारित है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह रुख किसी विशेष देश जैसे अमेरिका, पाकिस्तान, इजरायल या ईरान के खिलाफ नहीं, बल्कि सार्वभौमिक मूल्यों के पक्ष में है। नक्सलवाद के मुद्दे पर पित्रोदा ने कहा कि वह संवाद में विश्वास रखते हैं, न कि बल प्रयोग में।

पेट्रोलियम पदार्थों को लेकर राहुल गांधी जनता में फैला रहे भ्रम : गिरिराज सिंह

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने पेट्रोलियम पदार्थों की कीमतों को लेकर राहुल गांधी पर जनता में भ्रम फैलाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत में पेट्रोल-डीजल की कीमतों को नियंत्रित रखने का प्रयास किया है, जबकि वैश्विक स्तर पर इनकी कीमतों में 20–30 प्रतिशत तक बढ़ोतरी हुई है। केंद्रीय मंत्री सिंह के अनुसार, केंद्र ने उत्पाद शुल्क को घटाकर आम जनता को राहत देने की कोशिश की है, जबकि राहुल गांधी इस मुद्दे पर लोगों को गुमराह कर रहे हैं और उनका ध्यान भटकाने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने हिमाचल प्रदेश का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां राहुल गांधी के नेतृत्व वाली सरकार ने पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ाए हैं, जबकि केंद्र सरकार आम जनता के हित में लगातार काम कर रही है। गिरिराज सिंह ने यह भी कहा कि दुनिया के कई देशों, यहां तक कि अमेरिका ने भी पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतें बढ़ाई हैं, लेकिन भारत में सरकार ने संतुलन बनाए रखने की कोशिश की है। इसके अलावा, गिरिराज सिंह ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर भी निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि 15 वर्षों के शासन के बावजूद ममता बनर्जी रोजगार, गरीबी उन्मूलन और आवास जैसे मुद्दों पर स्पष्ट जवाब नहीं दे पा रही हैं। उन्होंने टीएमसी सरकार पर शिक्षकों की भर्ती में भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए कहा कि इस मुद्दे पर भी मुख्यमंत्री चुप हैं।

डीएमके का उगता सूरज, 75 साल से तमिलनाडू की सियासत में कैसे कायम है इसका पावर

चेन्नई (ईएमएस)। द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) तमिलनाडु की राजनीति की सबसे प्रभावशाली क्षेत्रीय पार्टियों में से एक रही है, जिसने बीते लगभग 75 वर्षों में अपनी मजबूत पकड़ बनाए रखी है। 17 सितंबर 1949 को सी.एन. अन्नादुरई द्वारा स्थापित पार्टी का जन्म द्रविड़ कड़गम से अलग होकर हुआ था। जहां डीएमके ने शुरू से ही द्रविड़ पहचान, सामाजिक न्याय और भाषाई गौरव को अपनी राजनीति का केंद्र बनाया। 1967 का चुनाव डीएमके के लिए ऐतिहासिक साबित हुआ, जब डीएमके ने पहली बार सत्ता हासिल की और कांग्रेस के लंबे वर्चस्व को समाप्त किया। इसके बाद एम. करुणानिधि के नेतृत्व में पार्टी ने दशकों तक राज्य की राजनीति को दिशा दी। करुणानिधि न केवल एक राजनेता थे बल्कि एक लेखक और सांस्कृतिक प्रतीक भी थे, जिनकी छवि ने पार्टी को गहराई दी। डीएमके के '(उगता सूरज)' यानी उगते सूरज का चुनाव चिन्ह इसकी पहचान का सबसे बड़ा प्रतीक है। यह चिन्ह द्रविड़ समाज के उत्थान, नई शुरुआत और सामाजिक जागरूकता का प्रतिनिधित्व करता है। काले और लाल रंग का झंडा सामाजिक अन्याय के खिलाफ संघर्ष और परिवर्तन की आकांक्षा को दर्शाता है। यह प्रतीकवाद आम जनता, खासकर पिछड़े और वंचित वर्गों से गहराई से जुड़ता है। वर्तमान में सीएम एम.के. स्टालिन के नेतृत्व में डीएमके सत्ता में है और 2021 के चुनाव में 125 सीटें जीतकर उसने अपनी लोकप्रियता साबित की। स्टालिन ने कल्याणकारी योजनाओं, शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक न्याय पर जोर देकर पार्टी की विरासत को आगे बढ़ाया है।

दमनकारी ताकतों से निपटने के लिए मुस्लिम समुदाय को मजबूत होना होगा : औवेसी

गुवाहाटी (ईएमएस)। अमस के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा की कथित मनमानी पर निशाना साधकर ओवैसी ने कहा कि हालात बेहद खराब हैं। इस स्थिति में दमनकारी ताकतों से निपटने के लिए एआईएमआईएम के माध्यम से मुस्लिम समुदाय के नेतृत्व को मजबूत करना होगा। लोकतंत्र में सिर्फ नारे लगाने से काम नहीं चलता। हमें मतदान के माध्यम से सुनिश्चित करना होगा कि सरमा को उनकी प्रतिगामी राजनीति का स्पष्ट संदेश मिले। ओवैसी ने कहा कि इसके लिए हमें एकजुट रहना होगा।

चुनाव के दिन मतदान करके आपको जवाब देना होगा। लोकतंत्र में आपका वोट एक शक्तिशाली हथियार है। उन्होंने आगामी चुनावों में भाजपा की कथित बढ़त के दावों को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि हम इस पर विश्वास नहीं करते। हम यहां यह सुनिश्चित करने आए हैं कि एआईयूडीएफ के अधिक से अधिक उम्मीदवार विधायक बनें। हमारा प्रयास राज्य की राजनीतिक व्यवस्था को मजबूत करना है। ओवैसी आगामी विधानसभा चुनावों के लिए अखिल भारतीय संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (एआईयूडीएफ) के प्रचार अभियान से पहले बुधवार को असम पहुंचे। हवाई अड्डे पर एआईयूडीएफ समर्थकों ने उनका जोरदार स्वागत किया, पार्टी कार्यकर्ताओं ने नारे लगाए और उन्हें पारंपरिक असमिया गमोसा भेंट किया। रैली के दौरान, ओवैसी ने मुस्लिम समुदाय से यह सुनिश्चित करने का आह्वान किया कि एआईयूडीएफ के अधिक से अधिक उम्मीदवार विधायक बनकर विधानसभा तक पहुंचें। उन्होंने लोगों से समुदाय के हितों की रक्षा के लिए मतदान करने का भी आग्रह किया।

बंगाल विधानसभा चुनाव में सुवेंदु की नामांकन रैली में शामिल हुए शाह

भवानीपुर पर कड़ा होगा मुकाबला, बंगाल में सप्लीमेंट्री वोटर लिस्ट को लेकर इलाके में लगातार बढ़ रहा तनाव

कोलकाता,(ईएमएस)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में हाई प्रोफाइल सीट भवानीपुर में बीजेपी उम्मीदवार सुवेंदु अधिकारी के नामांकन को खास बनाने के लिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह खुद मौजूद थे। अमित शाह का नामांकन में शामिल होना यह दर्शाता है कि बीजेपी इस चुनाव को सीधे ममता बनाम शुवेंदु के मुकाबले के रूप में पेश करना चाहती है। उधर, कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी बहरामपुर से नामांकन दाखिल करेंगे। अधीर रंजन चौधरी के नॉमिनेशन में किसी बड़े कांग्रेस नेता के शामिल होने की सूचना नहीं है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पश्चिम बंगाल के मालदा में विरोध प्रदर्शन ने हिंसक रूप ले लिया, जहां उग्र भीड़ ने न्यायाधीशों के काफिले को निशाना बनाया। पत्थरबाजी के दौरान करीब 100 वाहनों के शीशे तोड़ दिए गए। आरोप है कि प्रदर्शनकारियों ने सात न्यायिक अधिकारियों को घेरकर बंधक बनाने की कोशिश की। हालांकि, पुलिस ने देर रात सभी अधिकारियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। घटना का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें पुलिस के सुरक्षा घेरे के बावजूद काफिले पर हमले की कोशिश साफ दिखाई दे रही है। उपद्रवियों ने बांस की लाठियां फेंककर गाड़ियों को रोकने का प्रयास किया और ईंट-पत्थरों से खिड़कियां तोड़ दीं। वाहनों के अंदर कांच के टुकड़े भी मिले हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए चुनाव आयोग ने पूरी घटना की रिपोर्ट तलब की है।

रिपोर्ट के मुताबिक सप्लीमेंट्री वोटर लिस्ट को लेकर इलाके में तनाव लगातार बढ़ रहा है। सूत्रों के मुताबिक अब तक करीब 22 लाख मतदाताओं के नाम सूची से हटाए जा चुके हैं, जिसके विरोध में लोग सड़कों पर उतर आए। बुधवार से मालदा के कई इलाकों में बड़े पैमाने पर प्रदर्शन शुरू हुए। इसी दौरान कालियाचक में सात न्यायिक अधिकारियों को घेर लिए जाने की सूचना मिली, जिसे हाईकोर्ट और चुनाव आयोग तक पहुंचाया गया। हालात बिगड़ने पर पुलिस टीम आधी रात को मौके पर पहुंची और अधिकारियों को छुड़ाकर सुरक्षित स्थान तक ले गई, लेकिन इसके बाद भी इलाके में तनाव बना रहा1

चुनाव आयोग का कहना है कि जिन मतदाताओं के नाम सूची से हटाए गए हैं, वे एसआईआर ट्रिब्यूनल में अपील कर सकते हैं, जहां उनकी पात्रता पर फैसला होगा। आयोग ने इस प्रक्रिया को गुरुवार से शुरू करने की बात कही, लेकिन अब तक यह शुरू नहीं हो पाई है। बताया जा रहा है कि सेवानिवृत्त न्यायाधीशों के सवालों पर स्पष्ट जवाब न मिलने से असंतोष है, जिसके चलते बैठक भी टाल दी गई है। ऐसे माहौल में न्यायिक अधिकारियों पर हुआ हमला बेहद गंभीर माना जा रहा है। राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप भी तेज हो गए हैं। बीजेपी सांसद सुकांत मजूमदार ने इसे साजिश करार देते हुए कहा कि न्यायाधीशों को बंधक बनाने और काफिले को रोकने की कोशिश की गई, यहां तक कि महिला न्यायाधीशों के साथ दुर्व्यवहार की कोशिश भी हुई। वहीं, टीएमसी नेता कुणाल घोष ने घटना की निंदा करते हुए कहा कि इसके लिए चुनाव आयोग जिम्मेदार है, जिसकी नीतियों के कारण ऐसी स्थिति बनी।

रिपोर्ट के मुताबिक पश्चिम बंगाल सरकार की इस आशंका के उलट इस महीने के आखिर में होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए नामांकन दाखिल करने से पहले, वोटर लिस्ट में नाम शामिल करने के लिए हटाए गए वोटरों के दावों की जांच पूरी नहीं हो पाएगी। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कहा कि कलकत्ता हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस ने बताया है कि करीब 60 लाख दावों पर 7 अप्रैल तक फैसला कर लिया जाएगा।

केरल विधानसभा चुनाव को लेकर यूडीएफ ने अपना चुनावी घोषणापत्र किया जारी

महिलाओं को मुफ्त बस यात्रा और 25 लाख के स्वास्थ्य बीमा की घोषणा

तिरुवनंतपुरम (ईएमएस)। केरल विधानसभा चुनाव 2026 के मद्देनज़र कांग्रेस नेतृत्व वाले संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) ने अपना चुनावी घोषणापत्र जारी कर राजनीतिक माहौल को और गर्म कर दिया है। कोच्चि में आयोजित कार्यक्रम में विपक्ष के नेता वी.डी. सतीशन ने "5+1 गारंटी" के तहत कई लोकलुभावन वादों की घोषणा की। इस मौके पर तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी विशेष अतिथि के रूप में मौजूद रहे। घोषणापत्र में महिलाओं, युवाओं, वरिष्ठ नागरिकों और आम परिवारों को केंद्र में रखकर योजनाएं पेश की गई हैं।

यूडीएफ का सबसे बड़ा वादा केरल राज्य परिवहन निगम (केएसआरटीसी) की बसों में सभी महिलाओं के लिए मुफ्त यात्रा है। इसके अलावा, राज्य के हर परिवार को 25 लाख रुपये तक का स्वास्थ्य बीमा देने की योजना भी घोषित की गई है। सतीशन ने बताया कि यह घोषणापत्र उन पांच प्रमुख गारंटियों पर आधारित है, जिनकी घोषणा राहुल गांधी ने तिरुवनंतपुरम में 'पुथु युगा यात्रा' के समापन के दौरान की थी। इन गारंटियों का उद्देश्य सामाजिक सुरक्षा को मजबूत करना और आर्थिक सहायता को बढ़ाना है।

घोषणापत्र में कल्याणकारी पेंशन को मौजूदा 2,000 रुपये से बढ़ाकर 3,000 रुपये प्रति माह करने का वादा किया गया है। इसके साथ ही वरिष्ठ नागरिकों के लिए एक अलग सरकारी विभाग बनाने की बात कही गई है, ताकि उनकी जरूरतों और समस्याओं का बेहतर समाधान किया जा सके। यूडीएफ ने युवाओं के लिए रोजगार और कौशल विकास के अवसर बढ़ाने पर भी जोर दिया है। रेवंत रेड्डी के उदाहरण का उल्लेख करते हुए सतीशन ने कहा कि जैसे तेलंगाना में 100 दिनों के भीतर वादों को पूरा किया गया, वैसे ही यूडीएफ भी सत्ता में आने पर अपने वादों को तेजी से लागू करेगी। इस बीच, चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार 9 अप्रैल 2026 को होने वाले केरल विधानसभा चुनाव में कुल 890 उम्मीदवार मैदान में हैं, जो 2.7 करोड़ से अधिक मतदाताओं का समर्थन हासिल करने की कोशिश करेगा।

राजनीति में जाने की अटकलों को खारिज कर रिंकू सिंह ने कहा

मैं सिर्फ जनता की सेवा करना चाहता हूं

लखनऊ (ईएमएस)। उत्तरप्रदेश की राजधानी लखनऊ में तैनात आईएएस अधिकारी रिंकू सिंह राही का हालिया त्यागपत्र इन दिनों काफी चर्चा में है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह निर्णय किसी व्यक्तिगत असंतोष से नहीं, बल्कि सिद्धांत के तहत लिया गया है। उनका मानना है कि प्रशासनिक सेवा का मुख्य उद्देश्य जनता की सेवा करना होता है, लेकिन जब अधिकारी को काम करने का मौका ही न मिले, तब उस पद पर बने रहना उचित नहीं है। रिंकू सिंह ने बताया कि उन्हें जो वेतन मिलता है, वह जनता के टैक्स से आता है। इसके बाद में यदि वे जनता के लिए सक्रिय रूप से काम नहीं कर पा रहे, तब उस वेतन को लेना नैतिक रूप से सही नहीं है। इसी सोच के चलते उन्होंने 'नो वर्क, नो पे' का मुद्दा भी उठाया। उनके अनुसार, यह केवल एक व्यक्तिगत फैसला नहीं, बल्कि प्रशासनिक ईमानदारी और जिम्मेदारी का सवाल है। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनका इस्तीफा पूरी तरह से सेवा छोड़ने के लिए नहीं है, बल्कि यह एक तकनीकी त्यागपत्र है। इसका अर्थ यह है कि वे अपनी पूर्ववर्ती सेवा, यानी पीसीएस, में वापस जाना चाहते हैं।

प्रशासनिक नियमों के अनुसार, एक अधिकारी लीन पीरियड के दौरान तीन साल के भीतर अपनी पुरानी सेवा में लौट सकता है, और रिंकू सिंह इसी प्रावधान का उपयोग कर रहे हैं। भविष्य की योजनाओं पर उन्होंने कहा कि उनकी प्राथमिकता पद या सुविधाएं नहीं, बल्कि काम है। उनका कहना है कि उन्हें जहां भी काम करने का अवसर मिलेगा, वे वहीं रहना पसंद करुंगा। यदि आईएएस में रहते हुए सक्रिय भूमिका नहीं मिल रही, तब पीसीएस स्तर पर जाकर जमीनी स्तर पर काम करना उनके लिए अधिक संतोषजनक होगा।

मंडी में 4000 क्विंटल पहुंचा गेहूं, दिनभर अधिकारियों का इंतजार करते रहे किसान

गेहूं लेकर आने वाले ट्रैक्टर या अन्य वाहन पर नंबर प्लेट होना का अनिवार्य

पलवल,(ईएमएस)। जिले में बुधवार से पलवल, होडल, हथीन, हसनपुर अनाज मंडियों में न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदी शुरु होनी थी, लेकिन पहले दिन पलवल मंडी में करीब चार हजार क्विंटल गेहूं लेकर किसान पहुंचे, लेकिन हैफेड व वेयर हाउस के अधिकारियों ने नहीं खरीदा। दिनभर किसान अधिकारियों का इंतजार करते रहे। अनाज मंडी के सचिव ने बताया कि खरीद एजेंसियों के पास कुछ कागजों कमी थी, जिसके चलते अधिकारियों ने खरीद नहीं की। गुरुवार से खरीद शुरू होने की उम्मीद थी।

इस बार किसानों से 2,585 रुपए प्रति क्विंटल की दर से गेहूं खरीदा जाएगा। खरीद के 48 घंटे के भीतर किसानों के खाते में भुगतान करने की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। इसके अलावा प्रशासन के दावों के विपरीत जमीनी हकीकत कुछ और ही तस्वीर बयां कर रही है, जहां मंडियों में जरूरी इंतजाम अभी अधूरे नजर आ रहे हैं। इस बार भी गेहूं खरीद खुले आसमान के नीचे ही होगी, क्योंकि मंडी में बनाए गए टीन शेड में सरसों के कट्टे रखे हुए हैं। इसके अलावा गेहूं उठान के लिए वाहनों की व्यवस्था भी निविदा प्रक्रिया में फंसी है, जिससे खरीद शुरू होते ही व्यवस्था चरमराने का अंदेशा है। जिले में इस बार 22700 हैक्टेयर भूमि में गेहूं की बुआई की गई, जिसमें 42481 किसानों ने पोर्टल पर अपना पंजीकरण कराया था। इस बार खरीद प्रक्रिया में कुछ नए नियम भी लागू किए गए हैं, जिनका पालन किसानों के लिए जरूरी होगा। मंडी में गेहूं लेकर आने वाले ट्रैक्टर या अन्य वाहन पर नंबर प्लेट होना का अनिवार्य किया गया है।

किसान की स्वयं मौजूदगी भी जरूरी होगी। यदि किसान खुद नहीं आता है, तो उसे पहले से पोर्टल पर तीन नामिनी दर्ज करने होंगे, जिनमें से अधिकृत व्यक्ति ही फसल बेच सकेगा। कई किसानों को नए नियम का जानकारी नहीं होने से वे पुराने बिना नंबर के ट्रैक्टरों पर अपनी फसल लेकर मंडी पहुंच गए। जहां उन्हें गेट पर ही रोक दिया। मंडी में एक-एक करके ट्रैक्टर लेकर किसान पहुंचते रहे। गेट पर खड़े कर्मचारी किसान व ट्रैक्टर की फोटो खींचकर अपलोड कर रहे थे।

इससे पहले जिले में जिला उपायुक्त वशिष्ठ ने अनाज मंडियों में फसल खरीद प्रक्रिया का सुव्यवस्थित और सुचारू रूप से संचालन सुनिश्चित करने के लिए बुधवार को होडल स्थित अनाज मंडी पहुंचकर व्यवस्थाओं और सुविधाओं का जायजा लिया और आवश्यक निर्देश दिए। उपायुक्त ने इसके उपरांत हथीन के विधायक मोहम्मद इसराइल के साथ उपमंडल हथीन स्थित अनाज मंडी में पहुंचकर निरीक्षण कर व्यवस्थाओं और सुविधाओं का जायजा लिया।

पश्चिम बंगाल को बांग्लादेश नहीं बनने दूंगा, बीजेपी मुस्लिमों के खिलाफ नहीं

बीजेपी नेता व एक्टर मिथुन ने की ओवेसी की तारीफ कहा-वह रियल लीडर

कोलकाता,(ईएमएस)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 में बीजेपी नेता और बॉलीवुड अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती प्रचार में जुट गए हैं। मिथुन ने कहा कि जब तक मेरे बदन में एक बूंद खून रहेगा तब तक कोई माई का लाल पश्चिम बंगाल को बांग्लादेश नहीं बना सकता। मिथुन ने एआईएमआईएम नेता असदुद्दीन ओवैसी को लेकर कहा कि वह मुझे बहुत पसंद हैं, पढ़े लिखे हैं। इतना अच्छा बोलते हैं। ओवैसी साहब एक रियल लीडर हैं। मिथुन ने कहा कि बीजेपी मुसलमानों के खिलाफ नहीं है। बीजेपी उनके खिलाफ है जो भारत में रह कर भारत का नुकसान करना चाहते हैं।

एसआईआर को लेकर टीएमसी की तरफ से उठाए जा रहे सवाल पर मिथुन ने कहा कि बीजेपी के भी कितने वोट काट गए। 5713 करोड़ रुपए मदरसों को दिया। इतनी गन्दगी फैल चुकी है बंगाल के अंदर, झाड़ू लेकर साफ करना पड़ेगा। ममता बनर्जी अभी तो कहेंगे ही, लेकिन जीत जाएंगी तो कहेगी सब ठीक हुआ। इस बार परिवर्तन होना चाहिए और अगर नहीं हुआ तो आप भी जायेंगे और में भी जाऊंगा। अभिनेता मिथुन ने पार्टी की रणनीति और जमीनी स्तर पर उसके काम करने के तरीके पर भरोसा जताया। उन्होंने पार्टी के स्थानीय उम्मीदवारों को चुनाव मैदान में उतारने के फ़ैसले पर जोर दिया और कहा कि इस कदम से चुनावों में उनकी जीत की संभावनाएं मजबूत होंगी।

उन्होंने कहा कि इस बार, हमने एक स्थानीय व्यक्ति को चुना है, चाहे वह फ़ैसला अच्छा हो या बुरा। अगर हमें चुनाव लड़ना है, तो हम किसी स्थानीय व्यक्ति को ही चुनाव लड़ने देंगे ताकि वह जीतकर वापस आए। उन्होंने उम्मीद जताई कि हम निश्चित रूप से जीतेंगे।

बंगाल में हुमायूं कबीर और असदुद्दीन ओवैसी की जोड़ी, ममता के मिंया वोटों में सेंधमारी में जुटे

मुर्शिदाबाद में हुई दोनों नेताओं के रैली में दिखा ममता के खिलाफ गुस्सा

कोलकाता (ईएमएस)। एक ऐसा जिला जहां की हवा में हमेशा ही राजनीतिक तनाव घुला रहता है, वहां आज नौदा का माहौल काफी अलग है। लगभग 70 प्रतिशत मुस्लिम आबादी वाला मुर्शिदाबाद लंबे समय से बंगाल के अल्पसंख्यक वोट बैंक का केंद्र रहा है। हालांकि, हुमायूं कबीर की आम जनता उन्नयन पार्टी (एजेयूपी) के उभार और असदुद्दीन ओवैसी की एआईएमआईएम के साथ उनके रणनीतिक गठबंधन ने राज्य के चुनावी नक्शे की परतों को हिला दिया है। बीते साल दिसंबर से कबीर के सफर पर नजर रखते हुए हैं, खासतौर पर बाबरी मस्जिद के पुनर्निर्माण की उनकी पहल के बाद धार्मिक पहचान की राजनीति की ओर उनका झुकाव दिखा है। इस बारे में एक राजनैतिक जानकार ने अपना अनुभव शेयर किया। जानकार ने बताया कि मैंने अपनी यात्रा बहरामपुर से शुरू की। शुरुआत में, सड़क का सफर बेहद शांत था। हाईवे पर बेलडांगा से गुजरते समय कोई पोस्टर, कोई काफिला या आने वाले किसी राजनीतिक तूफान का कोई संकेत नहीं दिखा। मुझे खुद इस चर्चा पर शक होने लगा आखिर बेलडांगा, रेजीनगर और नौदा कबीर के सबसे मजबूत गढ़ हैं। लेकिन जैसे ही मुख्य सड़क से हटाकर अंदर ले गया, ये रहस्य सुलझ गया। रैली स्थल की ओर जाने वाले संकरे ग्रामीण रास्तों पर मुझे सड़क किनारे खड़ी दर्जनों बसें मिलीं, जो एजेयूपी के झंडों से सजी थीं। कार्यक्रम स्थल से 20 किलोमीटर दूर भी ये साफ था-समर्थक हाईवे से नहीं आ रहे थे, वे जिले के सुदूर ग्रामीण इलाकों से उमड़ रहे थे। मैं सुबह 11:15 बजे कार्यक्रम स्थल पर पहुंचा। एक विशाल धान का खेत जिसे विशेष रूप से सभा के लिए खाली किया गया था। शुरू में भीड़ कम बहुत कम थी। एंट्री गेट के पास मुझे दो युवा लड़के मिले जो कबीर की पार्टी का चुनाव चिह्न सीटी बजा रहे थे। उनमें से एक, रहमान ने कहा, हम यहां चाचा हुमायूं और ओवैसी को देखने आए हैं। उसकी बातों में वहीं उत्सुकता थी जो शुरुआती भीड़ में साफ दिख रही थी। खेत का नजारा तेजी से बदला।

संपादकीय

ट्रंप के संदेश से वैश्विक तनाव बढ़ा,दुनिया तीसरे विश्वयुद्ध के मुहाने पर?

डोनाल्ड ट्रंप ने जो ताजा संदेश दिया है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के इस संदेश ने अंतरराष्ट्रीय राजनीति में बड़ी हलचल तेज कर दी है। माना जा रहा था कि वह ईरान युद्ध को लेकर कोई स्पष्ट नीति की घोषणा करेंगे। लेकिन उन्होंने किस तरह का कोई बयान नहीं दिया। उनके बयान के बाद यह आशंका जताई जा रही है। जिस तरह से उन्होंने अपना पल्ला झाड़ है, उसके बाद दुनिया एक बड़े सैन्य टकराव की ओर बढ़ सकती है। खासकर ईरान के खिलाफ कई देशों को एकजुट करने की बात ने वैश्विक संतुलन पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

मध्य-पूर्व पहले से ही युद्ध के कारण कई कारणों से अस्थिर है, जहां इसराइल ,इराक सऊदी अरब, कतर और यूएई जैसे देशों के बीच जटिल स्थिति देखने को मिल रही है। यदि इन देशों के बीच युद्ध इसी तरह चलता रहेगा,तो इसका सबसे बड़ा असर इन्हीं देशों पर पड़ेगा। विशेष रूप से इराक और इजराइल को भारी जनहानि और आर्थिक नुकसान होना तय है। इतिहास गवाह है, जब भी बड़ी शक्तियां टकराती हैं। तो इसका परिणाम वैश्विक आर्थिक संकट के रूप में सामने आता है। आज की वैश्विक अर्थव्यवस्था पहले ही कई चुनौतियों से जूझ रही है। ऐसे में यदि युद्ध की स्थिति बनती है, तो दुनिया में एक नई महामंदी की ओर बढ़ती दिख रही है। ऊर्जा आपूर्ति बाधित होगी, व्यापार ठप पड़ेगा और महंगाई चरम पर पहुंच सकती है। विश्लेषकों का मानना है, यह स्थिति वैसी ही हो सकती है।जैसी लगभग 36 साल पहले सोवियत यूनियन के विघटन के समय बनी थी। उसी की पुनरावृत्ति होती हुई दिख रही है। उस दौर में आर्थिक अस्थिरता और राजनीतिक दबाव ने सोवियत रूस का विघटन कर उस महाशक्ति को कमजोर कर दिया था। यदि अमेरिका लंबे समय तक किसी बड़े युद्ध में उलझता है। तो उसके आर्थिक और सामाजिक ढांचे पर भी गंभीर असर पड़ सकता है। वर्तमान स्थिति को देखते हुए "विश्व युद्ध" का संकेत मान लेना जल्दबाजी हो सकती है। लेकिन जिस तरह के हालात बन रहे हैं। उससे कभी भी विश्व युद्ध शुरू हो सकता है। अंतरराष्ट्रीय कूटनीति, संयुक्त राष्ट्र जैसे संस्थान और वैश्विक शक्तियों एक तरह से निष्क्रिय हैं। जो हालात को नियंत्रित करने में भूमिका निभा सकते हैं। ट्रंप के बयान ने निश्चित रूप से दुनिया के सभी देशों की चिंता बढ़ी है। वर्तमान में इजरायल अमेरिका और ईरान के बीच जो युद्ध चल रहा है उसको रोकने की दिशा में ना तो वैश्विक संस्थाएं आगे आ रही हैं ना ही कोई ऐसा नेता अब है जो सब लोगों से बात करके संयम और विवेक से स्थिति को संभाल सके। इस समय आर्थिक मंदी के संकेत देखने को मिल रहे हैं। दुनिया को युद्ध नहीं, बल्कि संवाद और सहयोग की जरूरत है। अमेरिका इजरायल और ईरान के युद्ध का असर दुनिया के सभी देशों पर पड रहा है। अन्यथा सारी दुनिया विनाश के मुहाने पर खड़ी हुई दिख रही है। वैश्विक संघर्ष का खामियाजा करोड़ों लोगों की आबादी को भुगतना पडेगा।

रंगमंचः वह ऑफलाइन दुनिया, जहाँ इमोजी नहीं, असली आँसू बहते हैं

दिलीप कुमार पाठक

(3 अप्रैल हिन्दी रंगमंच दिवस)

हिंदी रंगमंच को लेकर हमारे समाज में एक अजीब सी रूमानी किस्म की सहानुभूति है, जो अक्सर तालियों की गड़गड़ाहट के साथ ही खत्म हो जाती है। 3 अप्रैल का दिन हम हिंदी रंगमंच दिवस के नाम पर दर्ज तो कर लेते हैं, लेकिन क्या हम उस बेचैनी को समझ पा रहे हैं जो इस कला की जड़ों में है? 1868 में जब बनारस के मंच पर जानकी मंगल नाटक खड़ा हुआ था, तो वह कोई मनोरंजन का साधन भर नहीं था। वह एक भाषा का अपने वजूद के लिए किया गया ऐलान था। आज डेढ़ सौ साल बाद, हम उस ऐलान की गूँज को डिजिटल शोर के बीच खो चुके हैं। रंगमंच असल में मनुष्य के भीतर की उस आदिम भूख का नाम है, जो कैमरे की आंख से बचकर सीधे साक्षात इंसान से आंख मिलाना चाहती है। यह कला किसी रीटेक की मोहताज नहीं है और न ही यहाँ कोई एडिटिंग टेबल गलतियों को सुधारने के लिए बैठी है। सिनेमा हमें एक निर्मित सत्य दिखाता है, जहाँ निर्देशक तय करता है कि आपको क्या देखना है। इसके उलट रंगमंच एक लोकतांत्रिक अनुभव है। मंच पर खड़ा अभिनेता अपने पसीने, अपनी कांपती आवाज और अपनी आँखों की नमी के साथ दर्शक के सामने पूरी तरह निहत्था होता है। यही वह लाइव होने का जोखिम है, जो रंगमंच को दुनिया की सबसे जांबाज कला बनाता है। आज के दौर में जब हम पिक्सेल और स्क्रीन की परतों में इतने गहरे धंस चुके हैं कि हमें बगल में बैठे इंसान की सांसों की गर्माहट महसूस होना बंद हो गई है, तब रंगमंच हमें एक सामूहिक चेतना का हिस्सा बनाता है। यह हमें कंज्यूमर से वापस इंसान बनाने की प्रक्रिया है। जब हॉल की लाइटें बुझती हैं और मंच पर रोशनी का एक कतरा पड़ता है, तो वहां बैठा हर दर्शक उस किरदार के दर्द का साझीदार बन जाता है।हिंदी रंगमंच का इतिहास गवाह है कि इसने कभी महलों की चाटुकारिता नहीं की। भारतेंदु से लेकर हबीब तनवीर तक, नाटकों ने हमेशा सत्ता के गलियारों में चुभते हुए सवाल भेजे हैं। अंधेर नगरी का वह टके सेर वाला न्याय आज भी हमारे लोकतंत्र की सड़कों पर बदहवास घूम रहा है। आषाढ़ का एक दिन की मल्लिका का वह अंतहीन इंतज़ार आज भी हर उस व्यक्ति की कहानी है जो अपनी अस्मिता और प्रेम के बीच पिस रहा है। रंगमंच हमें आईना दिखाता है, और आईना कभी सुखद नहीं होता। वह हमें हमारी झुर्रियां दिखाता है, हमारे भीतर की कुंठाएं दिखाता है और हमें मजबूर करता है कि हम खुद से रूबरू हों। यही कारण है कि सत्ताएं हमेशा रंगमंच से डरती रही हैं, क्योंकि यहाँ संवाद केवल जुबानों से नहीं, रूहों से होता है।

लेकिन आज एक बड़ा सवाल यह है कि क्या हम एक दर्शक के तौर पर अपनी जिम्मेदारी निभा रहे हैं? हिंदी रंगमंच आज भी उन चंद पागलों के भरोसे जिंदा है जो दिन भर की थकाऊ नौकरी के बाद शाम को रिहर्सल के लिए अंधेरे कमरों में जुटते हैं। उनके पास न तो कॉर्पोरेट की फंडिंग है और न ही चमक-धमक वाले विज्ञापनों का सहारा। उनके पास सिर्फ एक जुनून है जो उन्हें हर शाम फिर से मेकअप रूम में ले आता है। वे जानते हैं कि शो खत्म होने के बाद उन्हें उसी साधारण जिंदगी में लौटना है जहाँ बिल भरने की चिंता है। फिर भी, वे हर रात मंच की वेदी पर खुद को होम करते हैं ताकि संवाद की लौ बुझने न पाए। क्या हमने कभी सोचा है कि एक टिकट खरीदकर नाटक देखना किसी मंदिर में दान देने से कहीं बड़ी सांस्कृतिक सेवा है?

रंगमंच हमें देखना नहीं, महसूस करना सिखाता है। डिजिटल दुनिया ने हमें जोड़ा तो बहुत है, लेकिन हमें अकेला कर दिया है। हम अपनी स्क्रीन पर दुनिया भर का दुख देखते हैं और एक इमोजी बनाकर आगे बढ़ जाते हैं। रंगमंच पर ऐसा नहीं होता। वहां अभिनेता के आंसू दर्शक के गालों पर महसूस किए जाते हैं। यह वह जगह है जहाँ मनुष्यता का आखिरी सिरा सुरक्षित है। अगर रंगमंच मर गया, तो समझ लीजिए कि हमारे समाज से सहानुभूति और प्रतिरोध की क्षमता हमेशा के लिए खत्म हो जाएगी। संवादहीनता के इस दौर में नाटक ही वह आखिरी खिड़की है जहाँ से ताजी हवा आ सकती है।

आज इस खास दिन पर हमें यह समझना होगा कि नाटक का पर्दा केवल लकड़ी के तख्तों पर नहीं गिरता, वह हमारे भीतर के अंधकार पर भी गिरना चाहिए। हिंदी रंगमंच की ताकत उसकी भव्यता में नहीं, बल्कि उसकी सादगी और सच्चाई में है। यह उत्सव केवल इतिहास की किसी तारीख को याद करने का नहीं है, बल्कि यह अपने भीतर के उस दर्शक को जगाने का है जो भीड़ में अपनी पहचान खो चुका है। आइए, इस 3 अप्रैल को किसी अंधेरे हॉल में बैठें और उस रोशनी का स्वागत करें जो सीधे मंच से हमारे दिलों की ओर आती है। क्योंकि जब तक दुनिया में अन्याय रहेगा और जब तक इंसान के भीतर प्रेम की आग बाकी रहेगी, तब तक रंगमंच की मशाल जलती रहेगी।

बलिदान से जन्मी रोशनीः गुड फ्राइडे का शाश्वत संदेश

योगेश कुमार गोयल

सूली से उठती शांति की पुकार

(गुड फ्राइडे पर विशेष)

यीशु (ईसा मसीह) के बलिदान और उनकी शिक्षाओं को याद करने का दिन है 'गुड फ्राइडे'। दरअसल ईसा मसीह ने मानवता की भलाई के लिए बलिदान दिया। ईसाई मान्यता के अनुसार दुनिया को प्रेम, दया, करुणा, परोपकार, अहिंसा, सद्व्यवहार और पवित्र आचरण का संदेश देने वाले यीशु को इसी दिन उस जमाने के धार्मिक कट्टरपंथियों द्वारा क्रॉस पर चढ़ाया गया था। जिस दिन ईसा मसीह ने प्राण त्यागे थे, उस दिन शुक्रवार था और इसी याद में 'गुड फ्राइडे' मनाया जाता है। ईस्टर के रविवार से पहले पड़ने वाले शुक्रवार को मनाया जाता है और इस वर्ष गुड फ्राइडे 3 अप्रैल को मनाया जा रहा है। ईसाई समुदाय द्वारा इस त्यौहार को शोक के रूप में मनाया जाता है। गुड फ्राइडे को यीशु द्वारा मानवता की भलाई के लिए दिए बलिदान के रूप में देखा जाता है। गुड फ्राइडे के दिन गिरजाघरों में घंटा नहीं बजाया जाता बल्कि लकड़ी के खटखटे बजाए जाते हैं और लोग चर्च में क्रॉस को चूमकर यीशु का स्मरण करते हैं। कुछ स्थानों पर लोग काले कपड़े पहनकर प्रभु यीशु के बलिदान दिवस पर शोक भी व्यक्त करते हैं और यीशु से अपने गुनाहों की माफी मांगते हैं। ईसा मसीह के सूली पर चढ़ाए जाने की याद में इस दिन उनके अनुयायी समस्त लौकिक सुविधाओं का त्याग कर देते हैं। इस दिन चर्च और घरों से सजावटी वस्तुएं हटा दी जाती हैं या उन्हें कपड़े से ढ़क दिया जाता है। कैथोलिकों द्वारा शुरू की गई प्रथा के अनुसार गुड फ्राइडे के ठीक 40 दिन पहले आने वाले बुधवार से ईसाई समुदाय में प्रार्थना और उपवास प्रारंभ हो जाते हैं। इस बुधवार को 'राख का बुधवार' कहा जाता है। उपवास के दौरान लोग केवल शाकाहारी और सात्विक भोजन करते हैं। माना जाता है कि यीशु ने मानव सेवा प्रारंभ करने से पहले चालीस दिन तक व्रत किया था और संभवतः इसीलिए उपवास की यह परम्परा शुरू हुई। इस दिन दुनियाभर के ईसाई सामाजिक कार्यों को बढ़ावा देने के लिए चर्च में चंदा या दान देते हैं। ईसाई धर्म में ईसा मसीह को परमेश्वर का पुत्र माना जाता है। उन्होंने लोगों को क्षमा, शांति, दया, करूणा, परोपकार, अहिंसा, सद्व्यवहार और पवित्र आचरण का उपदेश दिया और उनके इन्हीं सद्गुणों के कारण लोग उन्हें शांति दूत, क्षमा मूर्ति और महात्मा कहकर पुकारने लगे थे। कहा जाता है कि वे यरूशलम के गैलिली प्रांत में लोगों को मानवता, सत्य, एकता, प्रेम, अहिंसा और शांति का उपदेश दिया करते थे। उनके संदेश दूर-दूर तक फैलने लगे और उनके विचारों को लोग अपने जीवन में अपनाने लगे। वहां के लोग उन्हें परमपिता परमेश्वर का दर्जा देने लगे थे। समाज में धार्मिक अंधविश्वास और झूठ फैलाने वाले धर्मगुरूओं को इसी कारण ईसा मसीह से काफी जलन होने लगी थी क्योंकि लोग अपनी समस्याओं को लेकर अब उनके पास नहीं आ रहे थे। करीब दो हजार वर्ष पूर्व उन्हें मृत्युदंड इसीलिए दिया गया क्योंकि वे अन्याय के खिलाफ आवाज उठाने और घोर विलासिता तथा अज्ञानता के अंधकार को दूर करने के लिए लोगों को शिक्षित और जागरूक कर रहे थे।

ईसा मसीह केवल एक धार्मिक व्यक्तित्व नहीं बल्कि परिवर्तन और करुणा के जीवंत प्रतीक थे। उन्होंने मानव प्रेम की सीमाओं को तोड़ते हुए उसे आत्मकेन्द्रितता और स्वार्थ से परे ले जाने का संदेश दिया। उनका जीवन इस सत्य का प्रमाण है कि सच्चा प्रेम त्याग, क्षमा और समर्पण में निहित होता है। जब पृथ्वी पर पाप और अन्याय बढ़ रहे थे, तब ईसा ने अपने बलिदान के माध्यम से निःस्वार्थ प्रेम की पराकाष्ठा को चरितार्थ किया। क्रॉस पर उनकी पीड़ा केवल एक व्यक्ति का कष्ट नहीं थी बल्कि संपूर्ण मानवता के उद्धार का प्रतीक बन गई। ईसाई मान्यताओं के अनुसार, क्रूस पर चढ़ाए जाने के तीसरे दिन, रविवार को ईसा मसीह पुनः जीवित हो उठे थे। यही कारण है कि गुड फ्राइडे के बाद आने वाला रविवार 'ईस्टर संडे' के रूप में मनाया जाता है। यह दिन केवल पुनरुत्थान का उत्सव नहीं, बल्कि आशा, नवजीवन और विश्वास की पुनर्स्थापना का संदेश देता है। कहा जाता है कि पुनर्जीवित होने के बाद ईसा ने लगभग 40 दिनों तक अपने शिष्यों और अनुयायियों को दर्शन दिए, उन्हें सत्य, प्रेम और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। ईस्टर की आराधना विशेष रूप से उषाकाल में की जाती है। मान्यता है कि पुनरुत्थान का यह चमत्कार प्रातःकाल ही हुआ था और सबसे पहले मरियम मदीलिनी ने ईसा को जीवित देखा था। यह प्रसंग इस तथ्य को भी उजागर करता है कि सत्य और आस्था का प्रकाश सबसे पहले उन हृदयों में जागृत होता है, जो श्रद्धा और विश्वास से परिपूर्ण होते हैं। इस प्रकार, गुड फ्राइडे हमें त्याग, धैर्य और प्रेम की शिक्षा देता है तो ईस्टर संडे जीवन में आशा और नवचेतना का संदेश लेकर आता है। दोनों मिलकर यह बताते हैं कि अंधकार चाहे कितना भी गहरा क्यों न हो, अंततः प्रकाश और सत्य की ही विजय होती है।

नक्सलवाद का अंत, रेडकॉरिडोर का सपना चकनाचूर

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

-क़्या अब भ्रष्टाचार व नशा मुक्ति क़े अंत क़ी अगली ऐतिहासिक डेडलाइन का समय आ गया है? -भारतीय जनता के हर वर्ग की अपेक्षा -समग्र विश्लेषण जब तक समाज में जुगाड़ और काम निकालने की मानसिकता बनी रहेगी,तब तक भ्रष्टाचार पूरी तरह समाप्त नहीं हो सकता?

नक्सलवाद के खिलाफ़ जैसे जीरो टॉलरेंस नीति अपनाई गई, वैसे ही भ्रष्टाचार व नशाखोरी के खिलाफ़ भी एक सख्त और समयबद्ध रणनीति बनाई जाने की खास जरूरत है

वैश्विक स्तरपर भारत के समकालीन राजनीतिक और प्रशासनिक विमर्श में एक बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। दशकों तक देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए सबसे बड़ी चुनौती रहे नक्सलवाद के लगभग अंत की घोषणा के साथ अब राष्ट्रीय एजेंडा एक नए लक्ष्य की ओर बढ़ता दिखाई दे रहा है,भ्रष्टाचार मुक्त भारत। यह केवल एक नारा या राजनीतिक संकल्प नहीं, बल्कि शासन- प्रणाली, विकास मॉडल और लोकतांत्रिक विश्वसनीयता की परीक्षा है। जिस प्रकार नक्सल मुक्त भारत के लिए एक निश्चित समय-सीमा निर्धारित कर व्यापक रणनीति के साथ कार्य किया गया,उसी प्रकार अब यह प्रश्न उठ रहा है कि क्या भ्रष्टाचार के खिलाफ भी एक ठोस डेडलाइन तय की जानी चाहिए?मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र बताना चाहूंगा कि,अब भारतीय नक्सलवाद क़ा अध्याय लगभग समाप्ति की ओर है,तो स्वाभाविक रूप से ध्यान देश की दूसरी बड़ी समस्या भ्रष्टाचार की ओर जा रहा है।भ्रष्टाचार जो न केवल आर्थिक संसाधनों की बर्बादी करता है,बल्कि लोकतांत्रिक संस्थाओं में जनता के विश्वास को भी कमजोर करता है,आज विकास की राह में सबसे बड़ा अवरोध बन चुका है। सरकारी योजनाओं का लाभ अक्सर अंतिम व्यक्ति तक नहीं पहुंच पाता, क्योंकि बीच में बिचौलियों और भ्रष्ट अधिकारियों का एक जाल सक्रिय रहता है। ऐसे में यह विचार तेजी से उभर रहा है कि जैसे नक्सलवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति अपनाई गई, वैसे ही भ्रष्टाचार के खिलाफ भी एक सख्त और समयबद्ध रणनीति बनाई जानी चाहिए।सरकारी पैसा सीधे जनता की जेब में यह विचार केवल एक नारा नहीं, बल्कि प्रशासनिक सुधार का एक महत्वपूर्णसिद्धांत है। प्रत्यक्ष लाभ अंतरण जैसी योजनाओं ने इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है, जिससे लाखों लोगों को बिना किसी बिचौलिए के सीधे लाभ मिला है। लेकिन इसके बावजूद भ्रष्टाचार पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है।फाइलों को जानबूझकर अटकाना, रिश्वत की मांग करना और जांच प्रक्रियाओं को लंबित रखना सबसे बड़ी बात ऊपरी लेवल तक ठेको सहित अन्य करों में 40-50 परसेंट का लेनदेन आज भी आम समस्याएं हैं। इसलिए यह आवश्यक हो गया है कि भ्रष्टाचार के मामलों की जांच के लिए स्पष्ट समय-सीमा तय की जाए और उसमें देरी करने वाले अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

साथियों बात अगर हम भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई केवल कानून और दंड तक सीमित नहीं हो सकती इसको समझने की करें तो, इसके लिए एक व्यापक संस्थागत ढांचे की आवश्यकता है,जिसमें पारदर्शिता,जवाबदेही और नागरिक भागीदारी को प्राथमिकता दी जाए।

शिकायतकर्ताओं को सुरक्षा और त्वरित न्याय का भरोसा देना भी इस प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। अक्सर देखा गया है कि भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाने वाले लोगों को ही प्रताड़ना का सामना करना पड़ता है, जिससे अन्य लोग आगे आने से डरते हैं। यदि इस भय को समाप्त नहीं किया गया, तो भ्रष्टाचार के खिलाफ कोई भी अभियान अधूरा रहेगा।अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी देखा जाए तो जिन देशों ने भ्रष्टाचार पर प्रभावी नियंत्रण पाया है,उन्होंने सख्त कानूनों के साथ- साथ तकनीकी नवाचार और संस्थागत सुधारों को अपनाया है।सिंगापुर और स्कैंडिनेवियाई देशों के उदाहरण इस संदर्भ में उल्लेखनीय हैं, जहां पारदर्शिता और जवाबदेही को शासन की आधारशिला बनाया गया है। भारत में भी डिजिटल इंडिया, आधार और ई-गवर्नेंस जैसी पहलें इस दिशा में सकारात्मक कदम हैं, लेकिन इनका पूर्ण लाभ तभी मिलेगा जब इन्हें एक व्यापक रणनीति के तहत लागू किया जाए।यह भी महत्वपूर्ण है कि भ्रष्टाचार को केवल एक प्रशासनिक समस्या के रूप में न देखा जाए, बल्कि इसे एक सामाजिक और सांस्कृतिक चुनौती के रूप में भी समझा जाए। जब तक समाज में जुगाड़ और काम निकालने की मानसिकता बनी रहेगी, तब तक भ्रष्टाचार पूरी तरह समाप्त नहीं हो सकता। इसके लिए शिक्षा, जागरूकता और नैतिक मूल्यों को बढ़ावा देने की आवश्यकता है।जनता की अपेक्षाएं भी अब बदल रही हैं। लोग केवल घोषणाओं से संतुष्ट नहीं हैं, बल्कि वे परिणाम देखना चाहते हैं। नक्सलवाद के खिलाफ सफलता ने यह विश्वास पैदा किया है कि यदि सरकार ठान ले, तो बड़ी से बड़ी चुनौती का समाधान संभव है। यही विश्वास अब भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई में भी दिखाई दे रहा है।

साथियों बात अगर हम नक्सलवाद समाप्ति टारगेट 31 मार्च 2026 की करें तो भारत में नक्सलवाद का इतिहास 1967 में पश्चिम बंगाल के नक्सलबाड़ी गांव से शुरू हुआ, जब एक छोटे किसान आंदोलन ने हिंसक विद्रोह का रूप ले लिया। प्रारंभ में यह आंदोलन सामाजिक और आर्थिक असमानताओं के खिलाफ आवाज उठाने का माध्यम था, लेकिन समय के साथ यह देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए एक गंभीर खतरा बन गया। करीब छह दशकों तक चले इस संघर्ष में हजारों लोगों की जान गई, जिनमें सुरक्षा बलों के जवान और आम नागरिक दोनों शामिल थे। लेकिन 2024 में एक निर्णायक मोड़ आया, जब देश के गृह मंत्री ने नक्सलवाद के अंत के लिए 31 मार्च 2026 की डेडलाइन तय की। इसके बाद सुरक्षा बलों, खुफिया एजेंसियों और राज्य सरकारों के समन्वित प्रयासों ने रेड कॉरिडोर के विस्तार को तेजी से सीमित कर दिया। छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा और आंध्र प्रदेश जैसे राज्यों में बड़े पैमाने पर ऑपरेशन चलाए गए, नक्सली नेतृत्व को कमजोर किया गया और हजारों कैडरों ने आत्मसमर्पण किया। बस्तर जैसे क्षेत्र, जो कभी नक्सल गतिविधियों के गढ़ माने जाते थे, वहां अब स्कूल, सड़कें और राशन की दुकानें खुलने लगी हैं। यह परिवर्तन केवल सुरक्षा की दृष्टि से नहीं, बल्किसामाजिक और आर्थिक विकास के संकेत के रूप में भी महत्वपूर्ण है।हालांकि, इस उपलब्धि पर राजनीतिक मतभेद भी सामने आए हैं। जहां एक ओर सरकार इसे ऐतिहासिक सफलता के रूप में प्रस्तुत कर रही है, वहीं विपक्ष ने इस दावे पर सवाल उठाए हैं। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री द्वारा इस मुद्दे पर बहस की चुनौती यह दर्शाती है कि नक्सलवाद का पूर्ण अंत अभी भी एक बहस का विषय है। लेकिन इसमें कोई संदेह नहीं कि नक्सलवाद का प्रभाव पहले की तुलना में काफी कम हुआ है और देश ने इस दिशा में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है।

साथियों बात अगर हम नक्सलवाद और भ्रष्टाचार के बीच एक महत्वपूर्ण समानता को समझने की करें तो वह यह है कि दोनों ही विकास और सुशासन के लिए बाधक हैं। जहां नक्सलवाद ने देश के कुछ हिस्सों को विकास की मुख्यधारा से अलग कर दिया, वहीं भ्रष्टाचार ने पूरे देश में संसाधनों के न्यायसंगत वितरण को प्रभावित किया। इसलिए यदि नक्सलवाद के अंत को एक नई आज़ादी के रूप में देखा जा रहा है, तो भ्रष्टाचार से मुक्ति को वास्तविक आज़ादी की दिशा में अगला कदम माना जा सकता है।अब सवाल यह है कि क्या भ्रष्टाचार के खिलाफ भी एक निश्चित डेडलाइन तय की जा सकती है? यह एक जटिल प्रश्न है, क्योंकि नक्सलवाद की तरह यह एक स्पष्ट और सीमित क्षेत्र में फैली समस्या नहीं है। यह समाज और व्यवस्था के हर स्तर पर मौजूद है। लेकिन इसका यह अर्थ नहीं कि इसके खिलाफ ठोस और समयबद्ध कार्रवाई संभव नहीं है। यदि स्पष्ट लक्ष्यों, मजबूत राजनीतिक इच्छाशक्ति और प्रभावी कार्यान्वयन के साथ एक रणनीति बनाई जाए, तो निश्चित रूप से इस दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति की जा सकती है।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे क़ि नक्सल मुक्त भारत से भ्रष्टाचार मुक्त भारत की यात्रा केवल एक नीतिगत बदलाव नहीं, बल्कि एक व्यापक राष्ट्रीय परिवर्तन का संकेत है। यह यात्रा आसान नहीं होगी, लेकिन यदि इसे सही दिशा और दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ाया जाए, तो यह भारत को एक नए युग में प्रवेश कराने का माध्यम बन सकती है एक ऐसा युग जहां विकास समावेशी हो, शासन पारदर्शी हो और नागरिकों का विश्वास अटूट हो।

धार्मिक आयोजनों के कुप्रबंध का नतीजा है भगदड़ में मौतें

मनोज कुमार अग्रवाल

धार्मिक आयोजनों में आए दिन भगदड़ में लोग अकाल मृत्यु के निवाले बन रहे हैं। भगदड़ में आम आदमी का दब कुचलकर मरना अब एक नियती सी बन गयी है। कुंभ के मेले से लेकर खेल के मैदान, राजनेताओं की सभा, फिल्म सितारों के जश्न, कथावाचकों के पांडालों और धार्मिक आस्था के केंद्र मंदिरों तक बार बार इन घटनाओं की पुनरावृत्ति हो रही है। ऐसी घटनाओं में हर बार आम आदमी ही मारा जाता है। बार बार हो रहे ऐसे हादसों से फिलहाल तो कोई सबक नहीं लिया गया है लेकिन अब समय आ गया है कि भीड़ नियंत्रण के लिए राष्ट्र व्यापी ठोस रणनीति बनायी जाए ।अब ऐसा ही दुखद वाक्या बिहार के नालंदा जिले के शीतला मंदिर में मंगलवार को भारी भीड़ उमड़ पड़ी. चैत्र महीने के आखिरी मंगलवार को उमड़ी श्रद्धालुओं की भारी भीड़ से अव्यवस्था की स्थिति बन गई. इससे मची भगदड़ में आठ लोगों की मौत हो गई है, जबकि कई लोग जख्मी बताए जा रहे हैं.

आपको बता दें कि अभी तीन माह पहले आंध्रप्रदेश के श्रीकाकुलम स्थित वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में भी ऐसा ही दुर्भाग्यपूर्ण घटना में आठ महिलाओं और एक बच्चे समेत नौ की जान गयी है।

देश के किसी न किसी हिस्से से कुछ समय के अंतराल पर ऐसी खबरें आती ही रहती है। दुःखद पहलू यह है कि जब भी ऐसी कोई खबर आती है, तो दुःख जताने के साथ जांच कमेटी बैठा दी जाती है। साथ ही मुआवजा देकर मरहम लगाकर लीपापोती कर दी जाती है, लेकिन इससे सबक लेते हुए इसको रोकने के लिए कदम कम ही उठाये जाते हैं।

आपको याद रहे पिछले दिनों तमिलनाडु के करूर में टीवीके प्रमुख और अभिनेता विजय की रैली के दौरान मची भगदड़ में 40 से अधिक लोगों की जान गई। अभिनेता-राजनेता विजय की पार्टी टीवीके ने करूर में हुई रैली में हुई भगदड़ के पीछे डीएमके पर साजिश का आरोप लगाया था । इस साल 2025 में मंदिरों, रेलवे स्टेशन और महाकुंभ में भगदड़ में कई लोगों की जान गई है।

आपको बता दें देश में पिछले दो दशक में दो दर्जन बार भगदड़ में करीब 1500 लोगों की जानें गई हैं, जबकि हजारों लोग घायल हुए हैं। 2025 को भगदड़ दुर्घटनाओं का साल कहा जाए तो गलत नहीं होगा। साल की शुरुआत 8 जनवरी, 2025 तिरुमाला हिल्स में भगवान वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में वैकुंठ द्वार दर्शनम के लिए टिकट लेने के लिए सैकड़ों श्रद्धालुओं के बीच हुई धक्का-मुक्की में छह श्रद्धालुओं की जान चली गई। दर्जनों लोग घायल हो गए। महाकुंभ के दौरान 29 जनवरी को संगम क्षेत्र में भगदड़ मच गई। मौनी अमावस्या के अवसर पर लाखों तीर्थयात्री स्नान के लिए जगह पाने के लिए धक्का-मुक्की कर रहे थे। भगदड़ में 30 लोगों की मौत हो गई, 60 लोग घायल हो गए। आईपीएल 2025 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की जीत के जश्न में बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर हादसा हो गया। विक्ट्री परेड शुरू होने से पहले अचानक भीड़ बेकाबू हो गई, जिससे भगदड़ मची। इस हादसे में 11 लोगों की जान चली गई और कम से कम 50 लोग घायल हुए।

15 फरवरी को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 14 और 15 पर भगदड़ मच गई। भगदड़ में 18 लोगों की जान चली गई, 15 घायल हो गए। तीन मई को गोवा के शिरगाओ गांव में श्री लैराई देवी मंदिर के वार्षिक उत्सव के दौरान मची भगदड़ में 6 लोगों की मौत और करीब 100 लोग घायल हो गए। इससे पहले 4 दिसंबर 2024 को हैदराबाद में अल्लू अर्जुन की ब्लॉकबस्टर 'पुष्पा 2' की स्क्रीनिंग के दौरान मची भगदड़ में 35 वर्षीय महिला की मौत हो गई। तीन जुलाई 2024 को उत्तर प्रदेश के हाथरस में स्वयंभू बाबा भोले बाबा उर्फ नारायण साकार हरि द्वारा आयोजित 'सत्संग' (प्रार्थना सभा) में भगदड़ से 121 लोगों की मौत हो गई.। मध्य प्रदेश के इंदौर में एक मंदिर में 31 मार्च 2023 को रामनवमी के अवसर पर आयोजित 'हवन' समारोह के दौरान 'बावड़ी' या कुएं के ऊपर बनी स्लैब के ढह जाने से 36 लोगों की जान चली गई।

2022 के पहले दिन जम्मू-कश्मीर में माता वैष्णो देवी मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के कारण मची भगदड़ में 12 लोगों की मौत हो गई। 29 सितंबर 2017 को मुंबई में पश्चिमी रेलवे के एलफिंस्टन रोड स्टेशन को मध्य रेलवे के परेल स्टेशन से जोड़ने वाले पुल पर मची भगदड़ में 23 लोगों की मौत हो गई। गोदावरी नदी के तट पर 14 जुलाई 2015 को हुई भगदड़ में 27 तीर्थयात्रियों की मौत हो गई, 20 घायल हो गए। दशहरा समारोह 3 अक्टूबर 2014 को मेला समाप्त होने के तुरंत बाद पटना के गांधी मैदान में मची भगदड़ में 32 लोगों की मौत हो गई। इससे पहले 13 अक्तटूबर 2013 को मध्य प्रदेश के दतिया जिले में रतनगढ़ मंदिर के पास नवरात्रि उत्सव के दौरान भगदड़ में 115 लोगों की जान चली गई और 100 से अधिक घायल हो गए।

19 नवंबर, 2012 को पटना में गंगा नदी के किनारे अदालत घाट पर छठ पूजा के दौरान पुल के ढह जाने से मची भगदड़ में 20 लोग मारे गए। 8 नवंबर, 2011को हरिद्वार में गंगा नदी के किनारे घाट पर भगदड़ मचने से 20 लोग मारे गए थे। 14 जनवरी, 2011केरल के इडुक्की जिले के पुलमेडु में जीप के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से मची भगदड़ में 104 श्रद्धालु मारे गए, 40 से अधिक घायल हो गए। 4 मार्च, 2010 उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले में कृपालु महाराज के राम जानकी मंदिर में भगदड़ में लगभग 63 लोग मारे गए। 30 सितंबर, 2008 राजस्थान के जोधपुर में चामुंडा देवी मंदिर में बम विस्फोट की अफवाहों के कारण मची भगदड़ में 250 श्रद्धालु मारे गए, 60 से अधिक घायल हो गए। 3 अगस्त, 2008 हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर जिले में नैना देवी मंदिर में चट्टान गिरने की अफवाह उड़ी, जिसमें 162 लोग मारे गए। 25 जनवरी, 2005 महाराष्ट्र के सतारा जिले में मंधारदेवी मंदिर मेंथा मे थे वार्षिक तीर्थयात्रा के दौरान 340 से अधिक श्रद्धालु कुचलकर मारे गए। 27 अगस्त, 2003 महाराष्ट्र के नासिक जिले में कुंभ मेले में स्नान के दौरान भगदड़ में 39 लोग मारे गए। वास्तविकता यही है कि अपने देश में भीड़ नियंत्रण को लेकर ठोस रणनीति नहीं है और यही कारण है कि ऐसे हादसे होते ही रहते हैं। जरूरत इस बात की है कि भगदड़ जैसी होने वाले त्रासदी को रोकने के लिए नई रणनीति के तहत काम किया जाए। विशेष कर मंदिरों मेलों धार्मिक आयोजनों में शामिल होने वाले श्रद्धालुओं के प्रवेश और निकासी के सही इंतजाम इन घटनाओं को नियंत्रित करने में सहायक हो सकते हैं। इस के साथ ही भीड़ एकत्र करने वाले आयोजन कर्ताओं की भी साफ एवं स्पष्ट जबावदेही तय की जाए। प्रशासन जुटने वाले लोगों का सही अंदाजा लगा कर व्यवस्था व अनुमति प्रदान करें ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति को रोका जा सके।

आज का राशिफल

शुभ संवत 2083, शाके 1948, सौम्य गोष्ठ, वैशाख कृष्ण पक्ष, बसंत ऋतु, गुरु उदय पूर्वे, शुक्रोदय पश्चिमे तिथि, प्रतिपदा, शुक्रवासरे, चित्रा नक्षत्रे, व्यय योगे, कौलव करणे, तुला की चंद्रमा, मूसल योगे, तथापि पश्चिम दिशा की यात्रा शुभ उत्तम फलदायी होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल........

आज जन्म लिया बालक सुंदर, सुशील, कोमल, हृदयदानी स्वभाव का, उत्तम वृत्ति वाला, कोमल, कुशल, कार्यकर्ता तथा बैंक कर्मचारी, प्रबंधक लिपिक, कम्प्यूटर इंजी कम्प्यूटर, ऑपरेटर, तथा उत्तम वृत्ति वाला योगी, भोगी होगा।

मेष राशि :- यात्रा, भय, कष्ट, व्यवसाय बाधा, लाभ पारिवारिक समस्या उलझन भरी रहेगी।

वृष राशि :- राज, भय रोग, स्वजन सुख, शिक्षा व लेखन कार्य में सफलता व प्रगति होगी।

मिथुन राशि :- वाहन, भय, मातृ कष्ट, हानि तथा अशांति का वातावरण रहेगा, लाभ के अवसर बनेंगे।

कर्क राशि :- सफलता उन्नति शुभ कार्य विवाद राजकार्य, मामलें सुलझे, प्रगति, जीत होगी।

सिंह राशि :- शरीर कष्ट, व्यय, कार्य में सफलता, आर्थिक सुधार होने के कार्य बन जायेंगे, ध्यान दें।

कन्या राशि :- खर्च, विवाद, स्त्री कष्ट, विद्या लाभ और धीरे-धीरे सुधार होगा, अवरोध सुधार होगा।

तुला राशि :- यात्रा से हर्ष, राज लाभ, शरीर कष्ट, खर्च की यात्रा बढ़ेगी, आर्थिक कष्ट बढ़ जायेगा।

वृश्चिक राशि :- कार्य वृत्ति से लाभ, यात्रा , संपत्ति लाभ, व्यापारी गति में सुधार अवश्य होगा।

धनु राशि :- अल्प लाभ, चोट और अग्नि शरीर भय, मानसिक परेशानी अवश्य ही बनेगी।

मकर राशि :- शत्रु से हानि, कार्य व्यय, शारीरिक सुख हो, कभी-कभी कुछ कष्ट अवश्य होगा।

कुंभ राशि :- सुख, व्यय, संतान सुख कार्य सफलता उत्साह की वृद्धि होगी, ध्यान दें।

मीन राशि :- पदोन्नति राजभय, न्याय, लाभ हानि अधिकारियों से मन मुटाव अवश्य बनेगा।

ड्रोन विशेषज्ञों और प्रशिक्षित पायलटों की मांग और बढ़ेगी

तकनीक के इस आधुनिक युग में ड्रोन अब केवल मनोरंजन या वीडियो शूटिंग का साधन नहीं रह गया है। यह अब कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में क्रांतिकारी बदलाव लाने का माध्यम बन चुका है। भारत में ड्रोन तकनीक के तेजी से विस्तार ने युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर खोले हैं। सरकार की "ड्रोन शक्ति योजना" और "मेक इन इंडिया" पहल ने इस क्षेत्र में निवेश और नवाचार दोनों को प्रोत्साहित किया है। आज देश के कई उद्योग ड्रोन विशेषज्ञों और प्रशिक्षित पायलटों की तलाश में हैं, जिससे युवाओं के लिए हजारों नौकरियों के द्वार खुल रहे हैं।

ड्रोन का सबसे अधिक उपयोग कृषि क्षेत्र में देखने को मिल रहा है। किसान अब खेतों की निगरानी, फसलों की सेहत का विश्लेषण, कीटनाशक छिड़काव और सिंचाई प्रबंधन के लिए ड्रोन का उपयोग कर रहे हैं। सरकार भी "कृषि ड्रोन योजना" के तहत युवाओं को सब्सिडी और प्रशिक्षण प्रदान कर रही है ताकि वे ड्रोन ऑपरेटर के रूप में काम कर सकें। यह न केवल किसानों की उत्पादकता बढ़ा रहा है, बल्कि ग्रामीण युवाओं के लिए रोजगार का नया साधन बन रहा है।

ड्रोन तकनीक का दूसरा बड़ा उपयोग सर्वेक्षण और मैपिंग में हो रहा है। सड़क, रेलवे, रियल एस्टेट, खनन और शहरी विकास परियोजनाओं में ड्रोन की मदद से सटीक डेटा और 3डी मैपिंग तैयार की जाती है। इससे इंजीनियरिंग और सर्वे एजेंसियों को विशेषज्ञ ड्रोन ऑपरेटरों की जरूरत पड़ती है। इसी तरह, आपदा प्रबंधन और राहत कार्यों में भी ड्रोन महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। बाढ़, भूकंप या आग जैसी स्थिति में ड्रोन की मदद से प्रभावित इलाकों की रीयल-टाइम जानकारी मिलती है, जिससे राहत दलों को समय पर कार्रवाई करने में मदद मिलती है।

फिल्म और मीडिया उद्योग में भी ड्रोन ने नई दिशा दी है। अब फिल्मों, विज्ञापनों, और लाइव इवेंट्स की हवाई शूटिंग के लिए प्रशिक्षित ड्रोन कैमरा ऑपरेटरों की मांग बढ़ गई है। इसके अलावा, सुरक्षा एजेंसियां, पुलिस विभाग और रक्षा संगठन सीमाओं, भीड़भाड़ वाले इलाकों और बड़े आयोजनों की निगरानी के लिए ड्रोन का उपयोग कर रहे हैं, जिससे युवाओं को टेक्निकल सपोर्ट और सर्विलांस ऑपरेटर के रूप में नौकरी मिल रही है।

ई-कॉमर्स और लॉजिस्टिक्स कंपनियां भी ड्रोन डिलीवरी सेवाओं पर प्रयोग कर रही हैं। आने वाले वर्षों में दवाओं, दस्तावेजों और छोटे सामानों की डिलीवरी ड्रोन के जरिए की जाएगी, जिससे ड्रोन पायलट, मेंटेनेंस इंजीनियर और रूट मैनेजर जैसे नए पद सृजित होंगे।

विशेषज्ञों का मानना है कि भारत में 2030 तक ड्रोन उद्योग एक लाख से अधिक नौकरियां पैदा कर सकता है।

लॉफिंग ज़ोन

मां (पुत्र से)- आज स्कूल से इतनी जल्दी आ गया?

पुत्र (मां से)- मच्छर मारा तो मैडम ने छुट्टी दे दी।

मां- क्यों?

पुत्र- मच्छर मैडम के गाल पर बैठा हुआ था।

□ □ □

दो छात्र स्कूल में देर से पहुंचे तो अध्यापक ने पूछा- चिंटू, स्कूल देर से क्यों आए हो

चिंटू- सर मेरा एक रुपये का सिक्का गुम हो गया था, मैं उसे ही ढूंढ रहा था।

अध्यापक (दूसरे छात्र से)- मोनू, और तुम देर से क्यों आए?

मोनू- सर मैं इसके सिक्के पर पैर रखकर खड़ा हुआ था।

□ □ □

पुत्र (पिता से)- ये हथियार क्या होता है?

पिता (पुत्र से)- बेटा हथियार वो होता है जिससे हम लड़ते हैं।

पुत्र- इसका मतलब मम्मी हथियार है...

□ □ □

छात्र (अध्यापक से)- सब लोग हिंदी-इंग्लिश में बोलते हैं, गणित में क्यों नही बोलते?

अध्यापक (छात्र से)- ज्यादा 3-5 ना कर 9-2- 11 हो ले, नहीं तो 4-5 धर दूंगा तो 6 का 36 दिखने लगेगा।

□ □ □

आज का इतिहास 3 अप्रैल

1512 तुर्की के सुल्तान बेयाजिद द्वितीय ने अपने बेटे सलीम प्रथम के लिए गद्दी छोड़ी.

1559 फ्रांस और स्पेन के बीच शांति संधी हुई.

1680 शिवाजी का निधन रायगढ़ किले में हुआ.

1693 स्वीडन नरेश चार्ल्स 12वें ने स्वयं को सर्वशक्तिमान घोषित किया.

1783 अमेरिकी लेखक वाशिंग्टन इर्विंग का जन्म.

1857 विक्टोरिया भारत की महारानी घोषित की गई.

1914 भारतीय सेना के प्रथम फील्ड मार्शल एस. एच. एफ. जे. मानेकशा का जन्म हुआ.

1941 द्वितीय विश्व युद्ध में ब्रिटिश फौजों नें लोबियाई बंदरगाह बेनगाजी खाली किया.

1948 अमेरिका ने यूरोप के सोलह देशों को सहायता के लिए 5.33 अरब डालर की मंजूरी दी.

1966 भारत के प्रथम कम्प्यूटर ने काम शुरू किया.

1979 पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री जुल्फिकार अली भुट्टो को देर रात फांसी दे दी गई.

1988 इराक ने ईरान के दो तेल शोधकों पर हमले किए.

1999 भारतीय उपग्रह इन्सैट-2ई का कोरू (फ्रेन्च,गुयाना) में सफल परीक्षण.

2000 कश्मीर घाटी के अनंतनाग शहर में प्रदर्शनकारियों पर पुलिस की गोलीबारी से सात मरे.

2005 पोप जॉन पाल द्वितीय के निधन पर भारत सरकार ने राष्ट्रीय शोक की घोषणा की.

एमबीए नहीं अब आईटी और सीएस में अधिक अवसर

आज के समय में अच्छी नौकरी के लिए एमबीए को सबसे जरुरी माना जाता है। माना जाता है कि एमबीए करने के बाद करियर के रास्ते तेजी से खुलते हैं, सैलरी भी बढ़िया मिलती है और नौकरी की संभावनाएं भी ज्यादा रहती हैं।वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार नौकरी देने वाली डिग्रियों की तस्वीर अब बदल रही है। एमबीए कई सालों तक टॉप पर रहा, वह अब पीछे खिसक गया है। उसकी जगह अब एक अलग ही फील्ड ने कब्जा जमा लिया है। यह फील्ड कंप्यूटर साइंस और आईटी है। रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत में युवाओं के लिए नौकरी के अवसर लगातार बढ़ रहे हैं, खासकर ऐसे सेक्टर्स में जिनका सीधा संबंध टेक्नोलॉजी और डिजिटल स्किल्स से है। आज , क्लाउड कंप्यूटिंग, साइबर सिक्योरिटी, डाटा एनालिटिक्स और डिजिटल टेक्नोलॉजी जैसे क्षेत्रों में भारी निवेश हो रहा है। कंपनियां चाहती हैं कि उनके पास ऐसे कर्मचारी हों जो नई टेक्नोलॉजी को समझते हों और बदलते समय के साथ खुद को अपडेट रख सकें। ऐसे में कंप्यूटर साइंस और आईटी ग्रेजुएट्स की मांग बढ़ी है। रिपोर्ट के अनुसार सबसे ज्यादा नौकरी कंप्यूटर साइंस और आईटी वाले युवाओं को मिल रही है। इसका कारण कंपनियों में एआई और ऑटोमेशन का तेजी से बढ़ता उपयोग है, डिजिटल प्लेटफॉर्म का विस्तार, डेटा की बढ़ती जरूरत, साइबर सिक्योरिटी को मजबूत करने पर जोर है। कंपनियां ऐसे युवाओं को चाहती हैं जो सिर्फ कोडिंग ही नहीं बल्कि इंजीनियरिंग और डेटा हैंडलिंग दोनों में अच्छे हों यानी आज की दुनिया में टेक्निकल और एनालिटिकल स्किल रखने वालों की डिमांड सबसे ज्यादा है। आज सबसे ज्यादा नौकरी आई टी सेक्टर दे रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक 35 फीसदी युवाओं कोआईटी क्षेत्र में नौकरी मिल रही है। यह आंकड़ा दिखाता है कि भारत में टेक्नोलॉजी से जुड़े करियर आने वाले कई सालों तक मजबूत बने रहेंगे। वहीं रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि कॉमर्स अब सिर्फ एक सामान्य डिग्री नहीं, बल्कि नौकरी का एक मजबूत विकल्प बन चुका है।

पीएनबी में 1,000 पदों के लिए 20 अप्रैल तक करें आवेदन

बैंकिंग सेक्टर में बेहतरीन करियर बनाने की इच्छा रखने वाले युवाओं के लिए एक शानदार मौका सामने आया है। पंजाब एंड सिंध बैंक (पीएनबी) ने राज्यवार जेएमजीएस (जूनियर मैनेजमेंट ग्रेड स्केल-I) में लोकल बैंक ऑफिसर (एलबीओ) के कुल 1,000 पदों पर बंपर भर्ती के लिए वैकेंसी की आधिकारिक अधिसूचना जारी की है। पीएसबी की ओर से जारी पदों के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है। आवेदन करने की अंतिम तिथि 20 अप्रैल निर्धारित की गई है। ऐसे में जो योग्य और इच्छुक उम्मीदवार एप्लीकेशन फॉर्म भरने की सोच रहे हैं, वे आधिकारिक वेबसाइट पर जाने के बाद तय समय सीमा के भीतर अपना रजिस्ट्रेशन फॉर्म जमा कर सकते हैं।

योग्यता

एप्लीकेशन फॉर्म भरने वाले अभ्यर्थियों के पास मान्यता प्राप्त संस्थान या यूनिवर्सिटी से संबंधित पद अनुसार ग्रेजुएशन की डिग्री के साथ अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक/क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक में अधिकारी के रूप में न्यूनतम 18 महीने का योग्यता और पश्चात शाखा अनुभव होना चाहिए। इसी के साथ कैंडिडेट्स के पास अन्य निर्धारित पात्रता का होना भी अनिवार्य है।

आयु सीमा

उम्मीदवारों की न्यूनतम आयु 20 और अधिकतम आयु 30 साल निर्धारित की गई है, जिसकी गणना 1 मार्च के आधार पर की जाएगी। वहीं, आरक्षित श्रेणी से आने वाले कैंडिडेट्स को नियमानुसार अधिकतम आयु सीमा में छूट दी जाएगी।

चयन प्रकिया

योग्य अभ्यर्थियों का चयन लिखित परीक्षा, स्क्रीनिंग, पर्सनल इंटरव्यू, लोकल लैंग्वेज प्रोफिशिएंसी टेस्ट, अंतिम मेरिट सूची और डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन के आधार पर किया जाएगा, जिसके बाद चयनित कैंडिडेट्स की सैलरी 48,480 से 85,920 रुपए के बीच प्रति महीने होगी। इसी के साथ कैंडिडेट्स को अन्य लाभ और भत्ते भी दिए जाएंगे।

शुल्क आवेदन करते समय कैंडिडेट्स को अपने वर्ग के अनुसार निर्धारित आवेदन शुल्क का भुगतान ऑनलाइन मोड में करना होगा, जो जनरल/ओबीसी/ईडब्लूएस के लिए 850 रुपए और एससी/एसटी/पीडब्ल्यूबीडी के लिए 100 रुपए तय किया गया है।

दैनिक पंचांग

3 अप्रैल 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

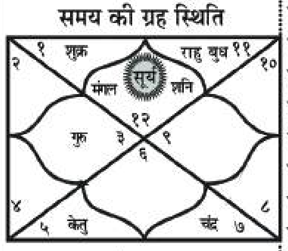

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	मीन में	मेष	06.28 बजे से
चंद्र	तुला में	वृष	08.08 बजे से
मंगल	मीन में	मिथुन	10.06 बजे से
बुध	कुंभ में	कर्क	12.20 बजे से
गुरु	मिथुन में	सिंह	14.36 बजे से
शुक्र	मेष में	कन्या	16.48 बजे से
शनि	मीन में	तुला	18.58 बजे से
राहु	कुंभ में	वृश्चिक	21.13 ब.से
केतु	सिंह में	धनु	23.29 बजे से
		मकर	01.34 बजे से
		कुंभ	03.21 बजे से
		मीन	04.54 बजे से

राहुकाल 10.30 से 12.00 बजे तक

शुक्रवार 2026 वर्ष का 93 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** बसंत।
विक्रम संवत् 2083
शक संवत् 1948
मास चैत्र **पक्ष** शुक्ल
तिथि प्रतिपदा 08.43 बजे को समाप्त।
नक्षत्र चित्रा 19.25 बजे को समाप्त।
योग व्याघात 14.09 बजे को समाप्त।
करण कौलव 08.43 बजे तदनन्तर तैतिल 21.23 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 14.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 05° 14'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872668
जूलियन दिन 2461133.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना सव्वाल
तारीख 14

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
चर	05.55 से	07.23	बजे तक	रोग	05.38 से	07.1	बजे तक
लाभ	07.23 से	08.51	बजे तक	काल	07.11 से	08.43	बजे तक
अमृत	08.51 से	10.19	बजे तक	लाभ	08.43 से	10.15	बजे तक
काल	10.19 से	11.47	बजे तक	उद्वेग	10.15 से	11.47	बजे तक
शुभ	11.47 से	01.15	बजे तक	शुभ	11.47 से	01.19	बजे तक
रोग	01.15 से	02.43	बजे तक	अमृत	01.19 से	02.51	बजे तक
उद्वेग	02.43 से	04.10	बजे तक	चर	02.51 से	04.23	बजे तक
चर	04.10 से	05.38	बजे तक	रोग	04.23 से	05.55	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर हैं अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

एविएशन इंडस्ट्री तेजी से बढ़ रही है मांग

आज के समय में एविएशन इंडस्ट्री तेजी से बढ़ रही है। ऐसे में अगर आप भी इस क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहते हैं तो,एयरपोर्ट से जुड़े कोर्स आपके लिए एक शानदार विकल्प हो सकते हैं। इन कोर्सेज के जरिए आपको एयरपोर्ट पर कई भूमिकाओं में काम करने का मौका मिल सकता है जिससे आप अपने करियर को नई ऊंचाइयों तक ले जा सकते हैं। इन कोर्सेज के जरिए आप ग्राउंड स्टाफ, केबिन क्रू, कस्टमर सर्विस जैसे कई क्षेत्रों में नौकरी पा सकते हैं।

ग्राउंड स्टाफ को एयरपोर्ट पर यात्रियों की मदद करने के लिए तैनात की जाती है। इनका काम होता है यात्रियों का चेक-इन करवाना, बोर्डिंग पास देना और यात्रा से जुड़ी हर आवश्यक जानकारी को बताना। किसी भी यात्री को फ्लाइट के टाइम, गेट नंबर समेत किसी भी चीज से जुड़ी जानकारी चाहिए होती है, तो वे ग्राउंड स्टाफ को संपर्क कर सकते हैं.।

केबिन क्रू

केबिन क्रू फ्लाइट के अंदर काम करते हैं! वह यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा पर फोकस करते हैं। फ्लाइट उड़ने से पहले वह यात्रियों को सारी जानकारी शेयर करते हैं। इसके साथ ही वह यात्रा के दौरान खाना भी सर्व करते हैं।

एयरपोर्ट ऑपरेशन स्टाफ

एयरपोर्ट ऑपरेशन स्टाफ का काम एयरपोर्ट के संचालन को सही तरह से चलाना है. ये फ्लाइट के टेक ऑफ और लैंडिंग की प्लानिंग करते हैं। साथ ही वह यह सुनिश्चित करते हैं कि सब कुछ सुरक्षित तरीके से हो जाए।

सिक्योरिटी स्टाफ

एयरपोर्ट पर मौजूद सिक्योरिटी स्टाफ सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी करते हैं। इनका मुख्य काम यात्रियों और उनके सामान की जांच करना होता है ताकि कोई भी ऐसा सामान फ्लाइट में न जाए जो और यात्रियों के लिए खतरा बन सके।

टेक्निकल जॉब्स

टेक्निकल जॉब्स में वे लोग आते हैं, जो तकनीक से जुड़ा काम संभालते हैं. यानी कि इंजीनियर और एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) अधिकारी। इंजीनियर फ्लाइट की मरम्मत का ध्यान रखता है ताकि एयरक्राफ्ट सुरक्षित रहे। वहीं एटीसी अधिकारी हवा में उड़ रहे विमानों को कंट्रोल करते हैं और सुरक्षित तरीके से टेक ऑफ और लैंडिंग करवाते हैं।

एयरपोर्ट पर नौकरी पाने के कई तरीके होते हैं। एयरलाइन कंपनियां अपनी ऑफिशियल वेबसाइट पर वैकेंसी निकालती हैं, जहां से ऑनलाइन आवेदन कर आप इंटरव्यू और ट्रेनिंग के बाद नियुक्त होते हैं। वहीं सरकारी नौकरियों के लिए एयरपोर्ट अथॉरिटी के तहत एग्जाम और इंटरव्यू के जरिए हायरिंग होती है। इसके अलावा थर्ड पार्टी कंपनियां भी ग्राउंड स्टाफ जैसी पोस्ट के लिए करार करती हैं। पर हायर करती हैं, जबकि सिक्योरिटी जॉब के लिए SSC जैसी सरकारी परीक्षा पास करनी होती है.

एयरपोर्ट पर नौकरी के लिए छात्र किसी भी स्ट्रीम से 12वीं या ग्रेजुएशन के बाद एविएशन से जुड़े कोर्स जैसे डिप्लोमा इन एविएशन हॉस्पिटैलिटी, एयरपोर्ट मैनेजमेंट या ग्राउंड स्टाफ सर्विस कोर्स करना अच्छा होता है. साथ ही इस फील्ड में अच्छी कम्युनिकेशन स्किल, कॉन्फिडेंस और अच्छी पर्सनालिटी होना बहुत आवश्यक है।

शेयर बाजार हल्की बढ़त के साथ बंद

सेंसेक्स 185, निफ्टी 33 अंक ऊपर आया

मुंबई (ईएमएस)। भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को हल्की बढ़त के साथ बंद हुआ। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ईरान पर अगले कुछ दिनों में हमले तेज करने की घोषणा के कारण आज सुबह बाजार की शुरुआत भारी गिरावट के हुई पर समय के साथ ही बाजार संभल गया और अंत में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 185.23 अंक बढ़कर 73,319.55 पर बंद हुआ। वहीं पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी निचले स्तर से उबरते हुए 33.70 अंक ऊपर आकर 22,713.10 पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान ही बाजार में आईटी शेयरों की तेजी से रिकवरी हुई। निफ्टी आईटी 2.60 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुआ जबकि निफ्टी रियल्टी 1.07 फीसदी, निफ्टी सर्विसेज 0.54 फीसदी, निफ्टी मेटल 0.39 फीसदी, , निफ्टी प्राइवेट बैंक 0.39 फीसदी, और निफ्टी एफएमसीजी 0.21 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुआ। वहीं दूसरी ओर निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 0.93 फीसदी, , निफ्टी फार्मा 0.92फीसदी, , निफ्टी हेल्थकेयर 0.86 फीसदी, , निफ्टी ऑयलएंडगैस 0.79 फीसदी, , निफ्टी ऑटो 0.62 फीसदी, और निफ्टी इन्फ्रा में 0.45 की गिरावट रही। सेंसेक्स के शेयरों में एचसीएल टेक, टेक महिंद्रा, इन्फोसिस, टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, बजाज फाइनेंस, मारुति सुजुकी, टाइटन, एक्सिस बैंक, बीईएल, कोटक महिंद्रा बैंक, आईटीसी, आईसीआईसीआई बैंक, भारती एयरटेल, इंडिगो, एलएंडटी और एसबीआई के शेयर लाभ में रहे जबकि एशियन पेंट्स, सन फार्मा, एनटीपीसी, पावर ग्रिड, एमएंडएम, अल्ट्राटेक सीमेंट, बजाज फिनसर्व और टाटा स्टील के शेयर गिरे। लार्जकैप की जगह पर मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में कमजोरी रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 142.10 अंक की गिरावट के साथ 53,677.05 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 59.30 अंक नीचे आकर 15,650.50 पर था।आज शुरुआती कारोबार में भारी गिरावट देखी पर सत्र के मध्य में मूल्य आधारित खरीदारी और रुपए में आई मजबूती के कारण बाजारों को बल मिला। रुपए ने पिछले 12 वर्षों में अपनी सबसे बड़ी बढ़त दर्ज की। इसके चलते दोनों सूचकांक सकारात्मक स्तर पर बंद हुए। इससे पहले आज सुबह बाजार गिरावट के साथ खुला। बाजार में ये गिरावट अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के ताजा बयान से आई है जिससें उन्होंने कहा है कि अमेरिका अब ईरान के खिलाफ अपने लक्ष्य हासिल करने के करीब है और ऐसे में अब हमले और तेज किये जाएंगा। अमेरिका से आये इस ताज बयान से निवेशकों में डर का माहौल है जिससे बिकवाली हावी हो गयी। ट्रंप के बयान के बाद एशियाई सहित सभी बाजार नीचे आये। सुबह सेंसेक्स तकरीबन 900 अंक टूटकर 72,262 पर खुला। खुलते ही इसमें गिरावट लगातार बढ़ती गई। इसी तरह निफ्टी-50 भी फिसलकर 22,382 पर खुला और खुलते ही 22300 के नीचे आ गया। आज जापान का निक्केई 225 और दक्षिण कोरिया का कोस्पी 1.33 फीसदी और 2.61 फीसदी के नीचे गिरा है। हालांकि अमेरिकी बाजारों में तेजी रही। निवेशकों को उम्मीद थी कि अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच चल रहा युद्ध शीघ्र समाप्त हो सकता है।

एस एंड पी 500 और डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल औसत करीब 0.72 फीसदी और 0.48 फीसदी बढ़कर बंद हुए जबकि नैस्डैक कंपोजिट 1.16 फीसदी उछलकर बंद हुआ।

संक्षिप्त खबरें

एयरलाइन कंपनियां एक-तिहाई रुपया ईंधन पर कर रही खर्च, टिकटों पर होगा असर

नई दिल्ली,(ईएमएस)। पश्चिम एशिया संकट के कारण बुधवार को भारतीय घरेलू एयरलाइनों के लिए एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) की कीमतों में 8.5 फीसदी की वृद्धि हुई, जबकि अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए पिछले महीने की तुलना में कम वृद्धि हुई। वित्त वर्ष 2015-16 से वित्त वर्ष 2025 तक भारतीय विमानन उद्योग ने 70,515 हजार टन एटीएफ का उपभोग किया है। यह प्रति विमान औसतन 11 हजार टन है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वित्त वर्ष 2016 से 2025 के दौरान प्रति विमान एटीएफ की खपत में कमी आई है, जो विमानन क्षेत्र में धीरे-धीरे दक्षता सुधार को दर्शा रही है। भारत के विमानन उद्योग की लागत संरचना में विमान ईंधन और तेल का हिस्सा वित्त वर्ष 2016 में 30 फीसदी से बढ़कर वित्त वर्ष 2024 में 39 फीसदी हो गया। भारत की प्रमुख एयरलाइन कंपनियां परिचालन की कुल लागत का कम से कम एक-तिहाई पैसा ईंधन पर खर्च कर रही हैं। ईंधन मार्केटिंग कंपनियों ने बुधवार को एटीएफ की कीमतों में वृद्धि कर दी। तेल कीमतों में पिछले साल मार्च के बाद यह सबसे ज्यादा बढ़ोतरी हुई है।

कंपनियों के लिए सिम बाध्यता से जुड़े निर्देशों पर अमल करने की समयसीमा बढ़ी

नई दिल्ली,(ईएमएस)। सरकार ने कंपनियों के लिए सिम की बाध्यता से जुड़े निर्देशों पर अमल करने की समयसीमा दिसंबर तक बढ़ा दी है। अलबत्ता दूरसंचार विभाग से कोई आधिकारिक अधिसूचना अभी जारी नहीं हुई है। सूत्रों ने यह जानकारी दी। इस कदम से व्हाट्सऐप, टेलीग्राम जैसे ओवर-द-टॉप (ओटीटी) प्लेटफॉर्म के साथ-साथ मेटा और गूगल जैसी बड़ी टेक कंपनियों और डिवाइस विनिर्माताओं को भी मदद मिलेगी, जिन्होंने तकनीकी चुनौतियों का हवाला देते हुए इस निर्देश को लागू करने पर चिंता जताई थी। सूत्रों ने बताया कि सिम-बाइंडिंग के लिए दूरसंचार सेवा प्रदाताओं ने शुरुआत तो की थी, लेकिन छोटे स्तर पर।

बता दें दूरसंचार विभाग ने 28 नवंबर को निर्देश जारी किए थे। इसमें व्हाट्सऐप, टेलीग्राम और सिग्नल जैसी ऐप-आधारित संचार सेवाओं को यह सुनिश्चित करने के लिए कहा था कि देश में ऐप-आधारित संचार सेवाएं प्रदान करने वाले प्लेटफॉर्म के लिए सिम-बाइंडिंग हो। इसका मतलब था कि ओटीटी ऐप को किसी डिवाइस पर चलाने के लिए हमेशा ही केवाईसी सत्यापित किसी फिजिकल सिम की जरुरत होगी। इस निर्देश में पहचान या सेवा वितरण के लिए मोबाइल नंबरों का इस्तेमाल भी अनिवार्य किया था।

2 लाख केला उत्पादक किसानों को भारी नुकसान

जलगांव में केले की कीमत घटी, मात्र 25 फीसदी रह गई

जलगांव(ईएमएस)। महाराष्ट्र के जलगांव जिले में केला उत्पादक किसानों को इस समय भारी आर्थिक संकट का सामना करना पड़ रहा है। देश के दूसरे सबसे बड़े केला उत्पादक क्षेत्र के रूप में पहचान रखने वाले जलगांव में करीब 2 लाख किसान सीधे तौर पर इस खेती से जुड़े हैं। लेकिन निर्यात प्रभावित होने और बाजार में मांग घटने के कारण केले की कीमतों में भारी गिरावट दर्ज की गई है। जानकारी के अनुसार पहले जो केला 1600 रुपये प्रति क्विंटल तक बिक रहा था, उसकी कीमत घटकर करीब 400 रुपये प्रति क्विंटल रह गई है। यानी किसानों को उनकी उपज का केवल 25 फीसदी दाम ही मिल पा रहा है। उत्पादन लागत, मजदूरी और परिवहन खर्च निकालने के बाद किसानों के लिए लागत निकालना भी मुश्किल हो गया है। निर्यात पर असर और परिवहन खर्च में बढ़ोतरी ने स्थिति को और गंभीर बना दिया है। कई किसानों का कहना है कि यदि जल्द राहत नहीं मिली तो उन्हें भारी कर्ज का सामना करना पड़ेगा। प्रशासन से उचित समर्थन मूल्य और निर्यात में सहूलियत देने की मांग तेज हो रही है।

सरकार ने की पेट्रोकेमिकल उत्पादों पर 30 जून तक सीमा शुल्क में पूरी छूट की घोषणा

नई दिल्ली,(ईएमएस)। सरकार ने गुरुवार को पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के चलते पैदा हुई दिक्कतों से घरेलू निर्माताओं को राहत देने के लिए कई अहम पेट्रोकेमिकल उत्पादों पर 30 जून 2026 तक सीमा शुल्क में पूरी छूट की घोषणा की। सरकार की ओर से जारी बयान के मुताबिक प्लास्टिक, पैकेजिंग, टेक्सटाइल, फार्मा, केमिकल, ऑटो कंपोनेंट्स और अन्य मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्रों के उद्योगों को इससे बड़ा लाभ मिलने की उम्मीद है, जिसका फायदा आगे चलकर तैयार उत्पादों के उपभोक्ताओं तक भी पहुंचेगा। वित्त मंत्रालय ने कहा कि यह कदम अस्थायी और लक्षित राहत के रूप में उठाया गया है, ताकि घरेलू उद्योग के लिए आवश्यक पेट्रोकेमिकल कच्चे माल की उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके, डाउनस्ट्रीम क्षेत्रों में पर लागत दबाव कम किया जा सके और देश में आपूर्ति की स्थिरता बनी रहे। बयान के मुताबिक यह छूट कई प्रमुख पेट्रोकेमिकल फीडस्टॉक, मोनोमर, इंटरमीडिएट, पॉलिमर और रेजिन पर लागू होगी, जो रोजगार के इस्तेमाल होने वाले अनेक उत्पादों के निर्माण के लिए आधार सामग्री का काम करते हैं। इनमें एनहाइड्स अमोनिया, टोल्यून, स्टाइरीन, मेथनॉल, आइसोप्रोपाइल अल्कोहल, एसीटिक एसिड, फिनोल और मोनोएथिलीन ग्लाइकॉल जैसे बेसिक केमिकल शामिल हैं। इसके अलावा विनाइल क्लोराइड मोनोमर, विनाइल एसीटेट मोनोमर, प्यूरिफाइड टेरेफ्थेलिक एसिड, एथिलीनडायमीन, टोल्यून डाय-आइसोसाइनेट और लिनियर अल्काइलबेंजीन जैसे महत्वपूर्ण इंटरमीडिएट भी इसमें शामिल हैं।

तेल की कीमतों में उछाल और महंगाई के खतरा को देख चीनी बैंक हुआ सतर्क

नई दिल्ली,(ईएमएस)। चीन के केंद्रीय बैंक ने ऐसा कदम उठाया है जिसने दुनिया भर के बाजारों का ध्यान खींचा है। करीब एक साल तक लगातार बाजार में पैसा डालने के बाद पहली बार बैंक ने उल्टा रास्ता अपनाते हुए सिस्टम से पैसा वापस खींचना शुरू किया है। मार्च महीने में बैंक ने कुल मिलाकर करीब 1140 अरब युआन की तरलता (कैश) बाहर निकाल ली। यह कदम अचानक उठाया गया, लेकिन इसके पीछे एक बड़ी रणनीति है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पिछले कुछ समय तक चीन की अर्थव्यवस्था सुस्ती से जूझ रही थी, इसलिए सरकार और केंद्रीय बैंक मिलकर बाजार में पैसा डाल रहे थे ताकि कारोबार को सहारा मिले, लेकिन अब तस्वीर बदलती दिख रही है। साल की शुरुआत में ही अर्थव्यवस्था ने रफ्तार पकड़ी है। इसी बीच ईरान युद्ध के कारण तेल की कीमतों में उछाल आया है, जिससे महंगाई बढ़ने का खतरा पैदा हो गया है।

प्रधानमंत्री मुद्रा योजना में अब तक 52.37 करोड़ से ज्यादा के ऋण स्वीकृत

नई दिल्ली,(ईएमएस)। केंद्र सरकार की प्रधानमंत्री मुद्रा योजना ने देश के छोटे कारोबारियों और उद्यमियों को मजबूत आर्थिक आधार देने में अहम भूमिका निभाई है। अप्रैल 2015 में शुरू हुई इस योजना के तहत अब तक 52.37 करोड़ से ज्यादा ऋण स्वीकृत किए जा चुके हैं, जिनके जरिए करीब 33.65 लाख करोड़ रुपए लाभार्थियों तक पहुंचाए गए हैं। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक इस योजना का सबसे ज्यादा लाभ महिलाओं और सामाजिक रूप से कमजोर वर्गों को मिला है, जिससे आर्थिक समावेशन को बढ़ावा मिला है।

रिपोर्ट के मुताबिक कुल ऋणों में करीब 70 फीसदी हिस्सा महिला उद्यमियों को मिला है, जो इस योजना की सफलता और महिलाओं की बढ़ती आर्थिक भागीदारी को दर्शाता है। वहीं, करीब 50 फीसदी ऋण अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के लोगों को दिए गए हैं, जिससे समाज के वंचित तबकों को स्वरोजगार के अवसर मिले हैं। मुद्रा योजना के तहत छोटे और मध्यम स्तर के व्यवसायों के लिए बिना गारंटी के ऋण उपलब्ध कराया जाता है। शुरुआत में इस योजना के तहत अधिकतम 10 लाख रुपए तक का लोन दिया जाता था, लेकिन वित्त वर्ष 2024-25 के बजट में इसकी सीमा बढ़ाकर 20 लाख रुपए कर दी गई है। इससे उद्यमियों को अपने कारोबार का विस्तार करने में और ज्यादा सुविधा मिल रही है।इस योजना को चार श्रेणियों- शिशु, किशोर, तरुण और तरुण प्लस में बांटा गया है, ताकि व्यवसाय की जरूरत और स्तर के मुताबिक ऋण उपलब्ध कराया जा सके। शिशु श्रेणी में 50 हजार रुपए तक का ऋण दिया जाता है, जिसके लिए किसी प्रकार की गारंटी की जरूरत नहीं होती।

बाजार में रीफर्बिश्ड फोन की मांग बढ़ी, खर्च के प्रति उपभोक्ता सतर्क

स्मार्टफोन की कीमतें बढ़ी, कुछ मॉडल 30 फीसदी तक हुए महंगे

नई दिल्ली,(ईएमएस)। देश के स्मार्टफोन बाजार में रीफर्बिश्ड फोन की हिस्सेदारी बढ़ने की उम्मीद है। वैश्विक अनिश्चितता की वजह से प्रतिकूल व्यापक आर्थिक हालात के बीच नए फोनों की कीमतें बढ़ रही हैं और खर्च के प्रति उपभोक्ता सतर्क हैं। इसके शुरुआती संकेत पहले से ही दिखाई देने लगे हैं। एक रिसर्च ने कहा था कि देश में स्मार्टफोन की बिक्री इस साल के पहले नौ हफ्तों में 9 फीसदी घट गई, क्योंकि पिछले चार से पांच महीने में मेमरी की लागत चार गुना हो गई है। इससे फोन की कीमतें 15 से 20 फीसदी तक बढ़ गई हैं। कुछ मॉडल तो 30 फीसदी तक महंगे हुए हैं।

रिपोर्ट में बताया गया है कि साल 2026 में डीलरों को भेजी जाने वाली कुल खेपों में साल 2025 की तुलना में 10 फीसदी की गिरावट आ सकती है और इसके 13.9 करोड़ रहने का अनुमान है। साल 2025 में वर्ष 2024 की तुलना में खेपों में कोई खास अंतर नहीं आया। रिपोर्ट के मुताबिक रुपए में कमजोरी और पश्चिम एशिया में संघर्ष से व्यापक आर्थिक दिक्कतें खड़ी हो रही हैं। अगर यह एक महीना या उससे ज्यादा तक जारी रहा तो अनुमानों में और कटौती हो सकती है, क्योंकि मार्च से उपभोक्ताओं की खरीद का मनोबल कमजोर होने लगा है। उन्होंने कहा कि अधिकांश ब्रांडों ने हाल के हफ्तों में कीमतों में वृद्धि का बोझ उपभोक्ताओं पर डाला है। 'हम सुन रहे हैं कि दूसरी तिमाही अधिकांश ब्रांडों के लिए बहुत कठिन अवधि होगी और निकट भविष्य में सुधार के कोई संकेत नहीं हैं। शायद चौथी तिमाही या उसके बाद ही ऐसा हो, क्योंकि मेमरी की कमी कम से कम डेढ़ साल तक बनी रहने की आशंका है। आईडीसी इंडिया में एसोसिएट उपाध्यक्ष ने कहा कि डीलरों को भेजी जाने वाली स्मार्टफोन की खेप में तेज गिरावट शायद वैश्विक महामारी के बाद दूसरी ऐसी घटना हो सकती है, जब ज्यादा इनपुट लागत के शुरुआती झटके को वैश्विक पर महसूस किया गया था। उन्होंने कहा कि ब्रांड इस बात पर विचार कर रहे हैं कि मॉडल लाने में देरी करें या कम स्पेसिफिकेशन्स वाले फोन पेश करें।

भारत ने रक्षा निर्यात के क्षेत्र में हासिल की बड़ी उपलब्धि..........निर्यात 62.66 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत ने रक्षा निर्यात के क्षेत्र में एक नया कीर्तिमान बना दिया है। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, वित्त वर्ष 2025-26 में रक्षा निर्यात में नया ऐतिहासिक रिकॉर्ड बना है। इस दौरान देश का कुल रक्षा निर्यात बढ़कर 38,424 करोड़ रुपए तक पहुंचा, जो पिछले वित्त वर्ष के मुकाबले 62.66 प्रतिशत की मजबूत बढ़ोतरी दिखाता है। गौरतलब है कि भारत ने वर्ष 2030 तक 50,000 करोड़ रुपए के रक्षा निर्यात का लक्ष्य रखा है। इसके साथ ही 3 लाख करोड़ रुपए का रक्षा उत्पादन भी स्वदेश में होगा। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि रक्षा निर्यात में 14,802 करोड़ रुपए की बड़ी बढ़ोतरी हुई है। यह बढ़ोतरी इसका संकेत है कि दुनिया भारत की स्वदेशी रक्षा क्षमताओं और उन्नत मैन्युफैक्चरिंग पर भरोसा कर रही है। उन्होंने बताया कि इस उपलब्धि में रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम और निजी उद्योग दोनों की अहम भूमिका रही है। कुल निर्यात में भारतीय सार्वजनिक उपक्रमों का योगदान 54.84 प्रतिशत रहा, जबकि निजी क्षेत्र की हिस्सेदारी 45.16 प्रतिशत रही है। रक्षा मंत्री सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रेरणादायक नेतृत्व में भारत रक्षा निर्यात के क्षेत्र में एक नई सफलता की कहानी लिखी है। रक्षा मंत्रालय ने वित्त वर्ष 2025-26 में एक और उपलब्धि हासिल की है। दरअसल मंत्रालय ने अपने पूंजीगत बजट का पूर्ण उपयोग किया है। यह बजट राशि 1.86 लाख करोड़ रुपए थी। इस बड़े पूंजीगत व्यय का 100 प्रतिशत उपयोग किया। यह लगातार दूसरा साल है जब रक्षा मंत्रालय ने अपना पूरा कैपिटल बजट इस्तेमाल किया है। इससे पहले भी वित्त वर्ष 2024-25 में कई वर्षों बाद पहली बार पूंजीगत बजट का पूरा उपयोग किया गया था। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, शुरुआत में पूंजीगत व्यय के लिए 1.80 लाख करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया था, लेकिन पहली दो तिमाहियों के खर्च और ऑपरेशन सिंदूर के बाद सेनाओं की बढ़ी हुई जरूरतों को देखकर वित्त मंत्रालय ने बढ़ाकर 1.86 लाख करोड़ रुपए किया था। इस खर्च का बड़ा हिस्सा आधुनिक सैन्य उपकरणों की खरीद पर किया गया है। सबसे ज्यादा खर्च लड़ाकू विमान और उनके इंजन की खरीद पर हुआ।

क्रिसिल और केयरएज रेटिंग एजेंसियों की दूसरी छमाही में रेटिंग अनुपातों में नरमी

पश्चिम एशिया संघर्ष के बीच उद्योग जगत के बही खातों की मजबूती का पता चलेगा

नई दिल्ली,(ईएमएस)। क्रिसिल और केयरएज जैसी रेटिंग एजेंसियों ने वित्त वर्ष 2026 की पहली छमाही की तुलना में दूसरी छमाही में रेटिंग अनुपातों में नरमी की सूचना दी है। उनका कहना है कि पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष से भारत के उद्योग जगत के बही खातों की मजबूती का पता चल सकेगा। इंडिया रेटिंग्स ने कहा कि वित्त वर्ष 2025 की तुलना में वित्त वर्ष 2026 में अपग्रेड से डाउनग्रेड का अनुपात गिर गया। बहरहाल, आईसीआरए ने कहा कि ऋण अनुपात वित्त वर्ष 2025 के 2.0 गुना की अपेक्षा वित्त वर्ष 2026 में सुधरकर 3.1 गुना हो गया। इससे 388 अपग्रेड के मुकाबले 124 डाउनग्रेड हुआ।

रेटिंग एजेंसी ने कहा कि चूक दर 0.4 फीसदी पर कम बनी हुई है और यह अनुकूल ऋण स्थितियों का संकेत देती है। ऋण अनुपात रेटिंग अपग्रेड से डाउनग्रेड का अनुपात है। यह वित्त वर्ष 2026 की दूसरी छमाही में ऋण अनुपात सुस्त होकर 1.50 गुना हो गया जबकि यह पहली छमाही में 2.17 गुना था। इस अवधि में कुल मिलाकर रेटिंग 383 अपग्रेड और 255 डाउनग्रेड हुईं। क्रिसिल ने बताया कि डाउनग्रेड दर 7.0 फीसदी तक बढ़ गई और यह 10 साल के औसत से थोड़ी ज्यादा है। नतीजतन ऋण अनुपात में नरमी आई। इसमें शुल्क-संबंधित अनिश्चितताओं के कारण निर्यात पर अधिक निर्भरता वाली कंपनियों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा। केयर एज रेटिंग्स ने कहा कि वित्तीय वर्ष 2026 की दूसरी छमाही में ऋण अनुपात 1.93 गुना रहा, जो पहली छमाही में देखे गए 2.56 गुना से कम है। केयर एज रेटिंग्स ने बताया कि डाउनग्रेड दर 7 फीसदी है और यह 10 फीसदी के दीर्घकालिक औसत से नीचे बनी हुई है।

मशहूर चाय कंपनी गुडरिक अब बेचेगी घी और पनीर, यह ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म को मिलेगा

-कंपनी प्रबंधक बोले- हम आम श्रेणी में काम नहीं करना चाहते, हमारा ध्यान प्रीमियम क्षेत्र पर

नई दिल्ली,(ईएमएस)। गुडरिक ग्रुप अब चाय के प्याले से आगे की योजना बना रही है। गुडरिक ब्रांड के तहत घी और पनीर जैसे उत्पाद जल्द ही बाजार में आने वाले हैं। गुडरिक के बैनर तले 'ए2' घी पहला ऐसा गैर-चाय वाला ब्रांडेड उत्पाद होगा, जो अगले महीने ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर मिलने लगेगा। गुडरिक ग्रुप के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्य अधिकारी शैबल दत्त ने बताया कि हम भीड़भाड़ वाली आम श्रेणी में काम नहीं करना चाहते, हमारा ध्यान प्रीमियम क्षेत्र पर है। यह उत्पाद ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म और हमारी अपनी वेबसाइट के जरिये गुडरिक ब्रांड के तहत बेचा जाएगा। रिपोर्ट के मुताबिक इस पहल के तहत दुआर्स में कंपनी के लखीपाड़ा चाय बागान में करीब 150 गायें हैं। दत्त ने कहा कि हमारे बागान में करीब 70 हेक्टेयर खाली जमीन थी, जिसका इस्तेमाल अब डेरी परियोजना के लिए किया जा रहा है। साल 2026 के अंत तक गायों की संख्या बढ़कर करीब 180 हो जाएगी और अगले पांच सालों में यह संख्या 500 तक बढ़ाने का लक्ष्य है। घी के बाद डेरी पोर्टफोलियो से पेश होने वाला अगला उत्पाद पनीर होगा। उन्होंने बताया कि हम अभी भी दूध और उसे पेश किए जाने वाले स्वरूप पर विचार कर रहे हैं, कि वह पाउच में होगा या बोतलों में ताजा दूध के रूप में होगा, लेकिन इसके लिए कोल्ड चेन में निवेश की जरुरत होगी। इसलिए हम अब भी अपने विकल्पों पर विचार कर रहे हैं। शहद और काली मिर्च कभी गुडरिक के दार्जिलिंग टी लाउंज, मार्गरिट्स डेक में सीमित तरीके से बेचे जाने वाले गैर-चाय उत्पादों में शामिल थे। अलबत्ता ये बिना ब्रांड वाले थे। गुडरिक की गैर-चाय वाली अपनी जमीन का लाभ उठाने की योजना पिछले साल कंपनी की वार्षिक आम बैठक में शेयरधारकों को बताई थी। कंपनी प्रबंधन ने कहा था कि वह अपनी भूमि परिसंपत्तियों का उपयोग करके विविध कृषि और आतिथ्य उद्यम तलाश रहा है। इनमें से हल्दी, लहसुन, अदरक, मशरूम के साथ-साथ डेरी और सूअर पालन जैसी शुरुआती परियोजनाएं विकास चरण में हैं। इस कदम का उद्देश्य असम, दार्जिलिंग और दुआर्स में फैले चाय बागानों पर कंपनी की निर्भरता कम करना भी है। यह उद्योग बढ़ती लागत और कीमतों में स्थिरता से जूझ रहा है। पिछले साल गुडरिक ने दो बागान बेचे, कुछ और पर भी विचार हो रहा है। ब्रांडेड चाय की गुडरिक के राजस्व में करीब 23 फीसदी हिस्सेदारी है और निर्यात का हिस्सा 5 फीसदी है। ये दोनों कारोबार में ज्यादा मुनाफे वाले हिस्से हैं।

भारतीय रुपया 12 साल में बढ़त से सबसे मजबूत, 93.25 पर पहुंचा

आरबीआई ने करेंसी में सट्टेबाजी पर अपनी कार्रवाई तेज की

नई दिल्ली,(ईएमएस)। भारतीय रुपया 12 साल में गुरुवार को सबसे बड़ी बढ़त के साथ मजबूत हुआ। इसकी मुख्य वजह यह रही कि बैंकों की स्थानीय मुद्रा स्थितियों पर सीमाएं सख्त करने के कुछ दिनों बाद भारतीय रिजर्व बैंक ने ऑफशोर डेरिवेटिव मार्केट पर प्रतिबंधों का विस्तार करके करेंसी में सट्टेबाजी पर अपनी कार्रवाई तेज कर दी। तीन दिन की छुट्टी के बाद कारोबार शुरू होने पर रुपया डॉलर के मुकाबले 1.7 फीसदी तक मजबूत होकर 93.25 पर पहुंच गया, जो सितंबर 2013 के बाद सबसे बड़ी तेजी है। यह तेजी ऐसे समय आई है जब एशियाई देशों की ज्यादातर मुद्राएं कमजोर बनी हुई थीं। इसी बीच ट्रंप ने पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने के संकेत दिए, जिससे वैश्विक बाजारों में दबाव बना रहा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कच्चे तेल की कीमतों में जोरदार उछाल देखा गया। ब्रेंट क्रूड 5.24 फीसदी बढ़कर 106.47 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया, जबकि यूएस डब्ल्यूटीआई क्रूड 4.5 फीसदी चढ़कर 104.64 डॉलर प्रति बैरल हो गया। एशियाई शेयर बाजारों में भी गिरावट देखने को मिली। निक्केई, हैंग सेंग और कोस्पी में 3 फीसदी तक की गिरावट आई। घरेलू शेयर बाजार की शुरुआत भी कमजोर रही, जहां सेंसेक्स और निफ्टी शुरुआती कारोबार में 2 फीसदी तक गिर गए। मुद्रा बाजार सोमवार से बंद थे। 31 मार्च को महावीर जयंती, 1 अप्रैल को नए वित्त वर्ष की शुरुआत के कारण मुंद्रा बाजार बंद रहे और 3 अप्रैल को भी गुड फ्राइडे के कारण बाजार बंद रहेंगे। आरबीआई ने बैंकों को रुपए से जुड़े नॉन-डिलीवेरेबल फॉरवर्ड कॉन्ट्रैक्ट्स ऑफर करने से रोक दिया है। साथ ही, कंपनियों को कैंसिल किए गए फॉरवर्ड कॉन्ट्रैक्ट्स को दोबारा बुक करने की अनुमति भी नहीं दी है। इससे पहले आरबीआई ने बैंकों की नेट ओपन रुपए पोजिशन पर 100 मिलियन डॉलर की सीमा तय की थी। इसके अलावा बैंकों को अपने संबंधित पक्षों के साथ विदेशी मुद्रा डेरिवेटिव कॉन्ट्रैक्ट करने से भी मना किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक भारत के पास 700 अरब डॉलर से ज्यादा का विदेशी मुद्रा भंडार है, जो सट्टेबाजी को रोकने और जरूरत पड़ने पर बाजार में हस्तक्षेप कर रुपए को स्थिर रखने के लिए पर्याप्त है।

एलपीजी संकट के बीच रेस्तरां उद्योग करीब 79,000 करोड़ रुपये तक का नुकसान हो सकता

नई दिल्ली (ईएमएस)। वाणिज्यिक तरलीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) सिलिंडरों की आपूर्ति तंग होने के बीच रेस्तरां उद्योग करीब 79,000 करोड़ रुपये तक का नुकसान उठा सकते हैं। इसकारण कई रेस्तरां अपने आउटलेट बंद कर रहे हैं या फिर कारोबार चलाने के नाम पर काफी कम व्यंजन ही परोस पा रहे हैं। नैशनल रेस्टोरेंट एसोसिएशन ऑफ इंडिया द्वारा किए गए आंतरिक सर्वेक्षण के अनुसार रेस्तरां उद्योग को प्रति माह 79,000 करोड़ रुपये तक का नुकसान हो सकता है, क्योंकि उत्पादन से जुड़ी गतिविधियां 15-20 प्रतिशत तक कम हो गई हैं। देश भर में 5 लाख से अधिक रेस्तरां का प्रतिनिधित्व करने वाले उद्योग संगठन के अनुसार देश के करीब 10 प्रतिशत रेस्तरां अस्थायी रूप से बंद हुए हैं, जबकि 60-70 प्रतिशत इंडक्शन स्टोव और वैकल्पिक ईंधनों के सहारे चल रहे हैं। रेस्तरांओं में काम कम हो गए हैं और व्यंजनों की सूची छोटी हो गई है। डोमिनोज और पोपयेज का संचालन करने वाली जुबिलेंट फूडवर्क्स ने कहा कि देश भर में व्यावसायिक एलपीजी के वितरण में आपूर्ति संबंधी बाधाओं का सामना करना पड़ रहा है। इसमें कहा गया है,'कंपनी के स्टोर नेटवर्क के कुछ हिस्सों में एलपीजी सिलिंडरों की आपूर्ति बाधित हुई है कंपनी एलपीजी संरक्षण के लिए कई कदम उठा रही है और बिजली और पाइपलाइन प्राकृतिक गैस (पीएनजी) जैसे वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों की ओर बढ़ने के लिए अथक प्रयास कर रही है।'

सूत्रों के अनुसार कई बड़ी क्यूएसआर श्रृंखलाएं एक विशेष क्षेत्र में सक्रिय स्टोरों की संख्या कम कर रही हैं। एक रेस्तरां कारोबारी ने नाम नहीं छापने की शर्त पर बताया,'कई रेस्तरां कारोबार 50 प्रतिशत क्षमता पर चल रहे हैं। अगर उनके एक इलाके में तीन स्टोर हैं, तब वे एक को अस्थायी रूप से बंद कर रहे हैं, दूसरे में काम के घंटे कम कर रहे हैं और तीसरा पहले की तरह ही चालू है।'

संक्षिप्त खबरें

सिंगापुर पुलिस ने जुबीन गर्ग की मौत की जांच औपचारिक रूप से पूरी की, साजिश की आंशका खारिज

सिंगापुर (ईएमएस)। सिंगापुर पुलिस ने असमिया गायक जुबीन गर्ग की मौत की जांच औपचारिक रूप से पूरी कर ली है और इसमें किसी भी प्रकार की साजिश की आशंका को खारिज किया है। आधिकारिक जांच के अनुसार, यह घटना 19 सितंबर, 2025 को लाजरस द्वीप के पास निजी नौका पर सैर के दौरान घटी। गर्ग ने शुरुआत में लाइफ जैकेट पहनकर पानी में प्रवेश किया था, लेकिन नौका पर लौटने के बाद उन्होंने लाइफ जैकेट उतार दिया। इसके बाद, उन्हें लाइफ जैकेट की पेशकश होने के बावजूद, वे अकेले और बिना लाइफ जैकेट के पानी में वापस चले गए। वापस तैरने की कोशिश करते समय वे बेहोश हो गए। जहाज पर सवार लोगों ने तुरंत जुबीन को बचाया और सीपीआर देना शुरू कर दिया। पुलिस और तटरक्षक बल ने आपातकालीन स्थिति में तुरंत प्रतिक्रिया देकर अस्पताल ले जाया गया, जहां गायक जुबीन को मृत घोषित किया गया। पोस्टमॉर्टम और विष विज्ञान रिपोर्टों ने मृत्यु का कारण डूबना बताया। जांचकर्ताओं ने उसके रक्त में अल्कोहल का उच्च स्तर पाया, जो गंभीर नशा पैदा करने और समन्वय एवं प्रतिवर्त क्रिया को प्रभावित करने के लिए पर्याप्त था। अन्य पाए गए पदार्थ निर्धारित चिकित्सीय सीमा के भीतर थे और उसकी ज्ञात चिकित्सा स्थितियों, जिनमें मिर्गी और उच्च रक्तचाप शामिल हैं, के अनुरूप थे। जांच प्रक्रिया के तहत जांच के निष्कर्षों की समीक्षा की गई और 25 मार्च, 2026 को राज्य के कोरोनर ने आधिकारिक तौर पर मृत्यु को आकस्मिक घोषित किया, जो पुलिस जांच के पूरी तरह अनुरूप था। अधिकारियों ने यह भी बताया कि घटना में किसी भी प्रकार की एलर्जी या एनाफिलेक्सिस प्रतिक्रिया का कोई सबूत नहीं मिला है। पुलिस ने जनता से न्यायिक प्रक्रिया की निष्पक्षता को प्रभावित करने वाली अटकलों से बचने का आग्रह किया है और गर्ग के परिवार और प्रशंसकों के प्रति संवेदना व्यक्त की है।

अमेरिकी दूतावास ने दी चेतावनी बगदाद छोड़कर चले जाएं

बगदाद (ईएमएस)। इराक की राजधानी बगदाद में अमेरिकी दूतावास ने गंभीर सुरक्षा चेतावनी जारी की है। अमेरिकी दूतावास ने कहा है कि ईरान समर्थित इराकी सशस्त्र गुट अगले 24 से 48 घंटों में मध्य बगदाद में हमले कर सकते हैं। इस इलाके में कई विदेशी दूतावास और महत्वपूर्ण सरकारी भवन हैं, इसलिए इसे सुरक्षा के लिहाज से बेहद संवेदनशील माना जाता है। अमेरिकी नागरिकों से आग्रह किया गया है कि वे बिना देर किए इराक छोड़ दें और अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करें। अमेरिकी दूतावास ने बयान जारी कर चेतावनी दी कि ईरान समर्थित मिलिशिया समूह शहर के मध्य हिस्से को निशाना बना सकते हैं। यह चेतावनी ऐसे समय में आई है जब मध्य पूर्व में भू-राजनीतिक तनाव बढ़ा हुआ है और अमेरिका अपने नागरिकों और राजनयिकों की सुरक्षा को लेकर पूरी तरह सतर्क है। दूतावास ने एक बार फिर अमेरिका में रह रहे नागरिकों को आगाह किया कि वे तत्काल प्रभाव से इराक से निकल जाएं। सुरक्षा खतरों के बीच, दो दिन पहले बगदाद में अमेरिकी पत्रकार का अपहरण भी किया गया। इराक के गृह मंत्रालय ने बताया कि अपहरणकर्ता अभी भी फरार हैं, हालांकि एक संदिग्ध को गिरफ्तार कर लिया गया है और अपहरण में इस्तेमाल वाहन जब्त कर लिए गए हैं। मंत्रालय ने बताया कि सुरक्षा बल खुफिया जानकारी के आधार पर अपहरणकर्ताओं का पता लगाने के लिए अभियान चला रहे हैं। इन घटनाओं के बीच, मध्य बगदाद के इलाके में अमेरिकी नागरिकों, राजनयिकों और पत्रकारों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। अमेरिकी दूतावास की चेतावनी और पत्रकार अपहरण की घटना दोनों यह संकेत देती हैं कि शहर में हालात अत्यंत संवेदनशील हैं और नागरिकों को तत्काल सतर्क रहने की जरूरत है।

अमेरिका में जन्मजात नागरिकता कानून पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई शुरू, कोर्ट में हाजिर होंगे ट्रंप

वाशिंगटन (ईएमएस)। अमेरिका में जन्म के आधार पर मिलने वाली नागरिकता यानी 'बर्थराइट सिटिजनशिप' को लेकर सुप्रीम कोर्ट में अहम सुनवाई शुरू हो गई है। पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा जारी आदेश पर कानूनी विवाद खड़ा हो गया था, जिसके बाद निचली अदालतों ने इस पर रोक लगा दी थी। अब इस मामले में अंतिम निर्णय के लिए सुप्रीम कोर्ट में बहस हो रही है। ट्रंप प्रशासन का तर्क है कि जन्मजात नागरिकता को लेकर संविधान की व्याख्या पर पुनर्विचार की जरूरत है। उनका कहना है कि अवैध रूप से अमेरिका में रह रहे प्रवासियों के बच्चों को स्वतः नागरिकता मिलना कानून की मूल भावना के अनुरूप नहीं है। वहीं, विरोधी पक्ष का कहना है कि अमेरिकी संविधान के 14वें संशोधन के तहत देश में जन्म लेने वाला हर व्यक्ति नागरिकता का हकदार है और इसे बदला नहीं जा सकता। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों ने सरकार से कई अहम सवाल पूछे, जिनमें यह भी शामिल है कि क्या राष्ट्रपति अपने आदेश से 150 साल पुरानी संवैधानिक व्यवस्था में बदलाव कर सकते हैं। इस मामले की सुनवाई को ऐतिहासिक माना जा रहा है, क्योंकि इसका असर लाखों प्रवासी परिवारों पर पड़ सकता है। अंतिम फैसला आने तक पूरे देश की नजरें सुप्रीम कोर्ट पर टिकी हैं।

उत्तर कोरियाई हैकर्स ने यूएस कंपनियों पर किया साइबर हमला, सप्लाई-चेन में सेंधमारी से हड़कंप

वाशिंगटन(ईएमएस)। पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और अमेरिका-ईरान के बीच जारी टकराव के बीच, पूर्वी एशिया से आए एक बड़े साइबर हमले ने अमेरिकी कॉरपोरेट जगत की नींद उड़ा दी है। उत्तर कोरिया के हैकर्स द्वारा किए गए एक घातक सप्लाई-चेन अटैक ने हजारों कंपनियों की डिजिटल सुरक्षा को भेद दिया है, जिससे अमेरिकी प्रशासन के सामने एक नई और गंभीर सुरक्षा चुनौती खड़ी हो गई है। जानकारी के अनुसार, उत्तर कोरिया से जुड़े कुख्यात हैकिंग समूहों ने एक लोकप्रिय ओपन-सोर्स सॉफ्टवेयर के डेवलपर अकाउंट में सेंध लगाकर इस ऑपरेशन को अंजाम दिया। यह हमला करीब तीन घंटे तक चला, जिसके दौरान हैकर्स सॉफ्टवेयर के मूल कोड में अपना दुर्भावनापूर्ण (मैलीशियस) कोड डालने में सफल रहे। चूंकि इस सॉफ्टवेयर का उपयोग हेल्थकेयर, फाइनेंस और क्रिप्टोकरेंसी जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों की दिग्गज कंपनियां करती हैं, इसलिए जैसे ही इन कंपनियों ने सॉफ्टवेयर अपडेट किया, हैकर्स को उनके संवेदनशील सिस्टम तक सीधी पहुंच मिल गई। साइबर विशेषज्ञों का मानना है कि इस हमले का प्राथमिक उद्देश्य बड़े पैमाने पर क्रिप्टोकरेंसी की चोरी करना है। ऐसी प्रबल आशंका जताई जा रही है कि इस डिजिटल लूट से जुटाए गए धन का उपयोग उत्तर कोरिया अपने परमाणु और मिसाइल कार्यक्रमों की फंडिंग के लिए कर सकता है। पूर्व में भी ऐसी कई घटनाएं सामने आई हैं जहाँ प्योंगयांग ने वैश्विक प्रतिबंधों के बीच धन जुटाने के लिए साइबर हमलों को हथियार बनाया है। यह घटना तब हुई है जब अमेरिका पहले से ही कई अंतरराष्ट्रीय मोर्चों पर संघर्ष कर रहा है।

होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर सक्रिय हुए कीर स्टारमर, बुलाई 35 सहयोगी देशों की बैठक

लंदन (ईएमएस)। हाल के दिनों में होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर वैश्विक तनाव तेजी से बढ़ा है। यह समुद्री मार्ग दुनिया की तेल सप्लाई का एक अहम केंद्र है, जहां से बड़ी मात्रा में कच्चा तेल अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुंचता है। ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ते टकराव ने क्षेत्र को बेहद संवेदनशील बनाया है। स्थिति इतनी गंभीर हो गई है कि इसके बंद होने की आशंका से पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था चरमरा गई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ईरान ने हालिया सैन्य घटनाओं के बाद होर्मुज जलडमरूमध्य पर नियंत्रण कड़ा कर दिया है और केवल उन्हीं देशों के जहाजों को गुजरने की अनुमति हैं, जिनके साथ उसके संबंध ठीक हैं। इससे अमेरिका और उसके सहयोगी देशों के लिए यह मार्ग करीब-करीब बंद हो गया है। इसकारण वैश्विक स्तर पर चिंता बढ़ गई है, क्योंकि इससे पेट्रोल-डीजल की कीमतों में भारी उछाल और सप्लाई चेन में बाधा आ सकती है। इस बीच यूनाइटेड किंगडम के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर ने महत्वपूर्ण पहल करते हुए करीब 35 देशों की बैठक बुलाने का फैसला किया है। इस सम्मेलन का उद्देश्य किसी भी तरह जलमार्ग को सुरक्षित और चालू रखना है।

चीन ने बनाया विशाल कार वाहक सुपर जहाज समा जाएंगी 10,000 से ज्यादा गाड़ियां

समुद्री व्यापार की दुनिया में गेम-चेंजर साबित होगा दोहरे ईंधन वाला यह पोत

बीजिंग,(ईएमएस)। चीन के क्वांगचो शिपयार्ड इंटरनेशनल ने एक कार वाहक जहाज बनाया है, जिसने दुनिया को हैरान कर दिया है। यह जहाज इतना विशाल है कि इसमें 10,000 से भी ज्यादा गाड़ियां एक साथ समा सकती हैं। इस विशालकाय जहाज ने अपने समुद्री परीक्षण की शुरुआत कर दी है। दक्षिण कोरिया की एचएमएम कंपनी के लिए बनाया गया यह जहाज समुद्री व्यापार की दुनिया में गेम-चेंजर साबित होने वाला है। यह दुनिया का पहला ऐसा दोहरे ईंधन वाला पोत है, जिसकी क्षमता पांच अंकों में पहुंच गई है।

आधुनिक तकनीक और विशाल आकार के मेल ने इसे शिपिंग इंडस्ट्री का 'बाहुबली' बना दिया है। इस जहाज की लंबाई 230 मीटर और चौड़ाई 40 मीटर है। इसका स्ट्रक्चरल ड्राफ्ट 10.5 मीटर रखा गया है, ताकि गहरे समुद्र में यह पूरी स्थिरता के साथ चल सके। इस जहाज की रफ्तार 19 समुद्री मील यानी करीब 36 किलोमीटर प्रति घंटा है। यह रफ्तार भारी भरकम माल की ढुलाई और समय की बचत के बीच एक बेहतरीन तालमेल पेश करती है। इसकी बनावट में सुरक्षा और गति दोनों का ध्यान रखा गया है। इस जहाज का सबसे आकर्षक हिस्सा इसका इंटरनल डिजाइन है। इसमें 14 डेक वाला एक विशाल गैराज बनाया गया है। यह डिजाइन इतना लचीला है कि इसमें सिर्फ छोटी कारें ही नहीं, बल्कि भारी ट्रक भी आसानी से रखे जा सकते हैं। यह जहाज इलेक्ट्रिक वाहनों और हाइड्रोजन ऊर्जा से चलने वाली आधुनिक कारों को सुरक्षित ले जाने में सक्षम है। इसकी 10,800 वाहनों की क्षमता इसे दुनिया के सबसे बड़े कार वाहकों की लिस्ट में टॉप पर ले आती है। आजकल समुद्री जहाजों से होने वाला प्रदूषण एक बड़ी चिंता है, लेकिन यह नया जहाज डीजल और एलएनजी दोनों ईंधनों का उपयोग करता है। कार वाहक जहाजों का निर्माण करना बहुत ही जटिल काम माना जाता है। यह उच्च तकनीक और भारी निवेश वाला क्षेत्र है। चीन के क्वांगचो शिपयार्ड ने इस जहाज को बनाकर यह साबित कर दिया है कि वह इस तकनीक में पूरी दुनिया का नेतृत्व कर रहा है। 10,000 से ज्यादा वाहनों की क्षमता वाला यह सफल मॉडल अब वैश्विक बाजार में चीन की पकड़ को और मजबूत करेगा। विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले समय में ऐसे और भी विशाल जहाजों की मांग बढ़ेगी। जब एक ही बार में इतनी बड़ी संख्या में वाहन ट्रांसपोर्ट किए जाएंगे, तो शिपिंग की लागत में कमी आएगी।

इसका सीधा असर वाहनों की कीमत और डिलीवरी के समय पर पड़ेगा। खासकर भविष्य की इलेक्ट्रिक गाड़ियों को दुनिया भर में पहुंचाने के लिए यह जहाज एक लाइफलाइन का काम करेगा।

ईरान रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स की धमकी कितनी होगी कारगर

एपल, गूगल समेत 18 अमेरिकी दिग्गज कंपनियों को नष्ट करने की दे दी है धमकी

तेहरान,(ईएमएस)। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के पांचवें सप्ताह में प्रवेश करते ही तनाव एक खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है। ईरान की शक्तिशाली सैन्य इकाई इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने एक सनसनीखेज बयान जारी कर अमेरिका की 18 प्रमुख दिग्गज कंपनियों को सीधे तौर पर निशाना बनाने की धमकी दी है। इस सूची में एपल, गूगल, मेटा, माइक्रोसॉफ्ट, एनवीडिया, टेस्ला, बोइंग और जेपी मॉर्गन जैसे बड़े वैश्विक नाम शामिल हैं। ईरान का आरोप है कि ये कंपनियां अपनी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी क्षमताओं का उपयोग कर अमेरिका और इजरायल को ईरानी नेताओं की जासूसी और टारगेट ट्रैकिंग में मदद कर रही हैं। आईआरजीसी ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि ईरानी नेताओं की लक्षित हत्याएं बंद नहीं हुईं, तो इन कंपनियों के क्षेत्रीय कार्यालयों और संपत्तियों को नष्ट कर दिया जाएगा। बयान में एक समय सीमा निर्धारित करते हुए कहा गया है कि संबंधित कंपनियों के कर्मचारी अपनी जान बचाने के लिए तुरंत दफ्तर छोड़ दें, क्योंकि तेहरान समय के अनुसार शाम 8 बजे के बाद किसी भी हत्या के बदले इन यूनिट्स पर हमला किया जा सकता है। यह खतरा विशेष रूप से संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), सऊदी अरब और कतर जैसे देशों के लिए बड़ा है, जहां इन कंपनियों के बड़े डेटा सेंटर, शोरूम और सर्विस सेंटर स्थित हैं। अकेले टेस्ला के खाड़ी देशों में मौजूद 30 से अधिक सुपरचार्जर स्टेशन भी इस जद में आ सकते हैं। इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने होर्मुज जलडमरूमध्य में ईंधन की कमी का सामना कर रहे देशों को कड़ा संदेश देते हुए कहा है कि वे अपनी सुरक्षा खुद करें और अपना तेल खुद हासिल करने की हिम्मत जुटाएं। वहीं, अमेरिकी रक्षा सचिव पीट हेगसेथ ने आने वाले दिनों को युद्ध के लिए निर्णायक बताया है। उन्होंने संकेत दिया कि कूटनीतिक प्रयास जारी हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर सैन्य तैनाती की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। ईरान की इस नई धमकी ने न केवल युद्ध के दायरे को बढ़ा दिया है, बल्कि अब वैश्विक अर्थव्यवस्था और तकनीकी क्षेत्र के लिए भी गंभीर सुरक्षा चुनौतियां पैदा कर दी हैं।

ऑस्ट्रेलिया में नियम तोड़ने वाले प्लेटफॉर्म्स की जांच शुरू

कैनबरा (ईएमएस)। 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए ऑस्ट्रेलिया में लागू किए गए सोशल मीडिया प्रतिबंध के नियमों का पालन नहीं करने वाले पांच बड़े सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के खिलाफ जांच शुरू कर दी गई है। दिसंबर में लागू किए गए इन नियमों के तहत सोशल मीडिया कंपनियों को यह सुनिश्चित करना अनिवार्य है कि 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चे उनके प्लेटफॉर्म तक पहुंच न बना सकें। यदि कोई कंपनी इस दिशा में पर्याप्त कदम नहीं उठाती है, तो उस पर 4.95 करोड़ ऑस्ट्रेलियाई डॉलर तक का भारी जुर्माना लगाया जा सकता है। रिपोर्ट में यह भी सामने आया है कि कुछ प्लेटफॉर्म उम्र सत्यापन की प्रक्रिया को लेकर लापरवाही बरत रहे हैं और बच्चों को आसानी से उम्र सीमा पार करने के विकल्प दे रहे हैं। साथ ही, उम्र-सीमित खातों की रिपोर्टिंग के लिए भी प्रभावी व्यवस्था नहीं दी गई है। सरकार ने इस मामले में कड़ा रुख अपनाते हुए स्पष्ट कर दिया है कि नियमों की अनदेखी किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। देश की संचार मंत्री अनिका वेल्स ने कहा कि जो कंपनियां व्यवस्थित रूप से अपनी कानूनी जिम्मेदारियों को निभाने में विफल रही हैं, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि ऑस्ट्रेलिया में कारोबार करने वाली सभी कंपनियों को स्थानीय कानूनों का पालन करना ही होगा। ई-सेफ्टी कमिश्नर जूली इनमैन ग्रांट ने भी संकेत दिए हैं कि अब यह नीति लागू करने के निर्णायक चरण में पहुंच चुकी है और आने वाले समय में निगरानी और कड़ी की जाएगी।

सरकार ने संबंधित प्लेटफॉर्म्स को संभावित उल्लंघनों के बारे में सूचित कर दिया है और जांच प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। इस सख्ती का असर भी तेजी से देखने को मिला है। शुरुआती आंकड़ों के अनुसार, प्रतिबंध लागू होने के बाद 16 साल से कम उम्र के बच्चों के करीब 47 लाख सोशल मीडिया अकाउंट्स को बंद या निष्क्रिय कर दिया गया है। यह कदम बच्चों को ऑनलाइन खतरों से बचाने और डिजिटल सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

ईरान युद्ध में कूदने को तैयार हुआ यूएई, गोदाम से निकाल लिए हथियार

अबू धाबी। ईरान और अमेरिका के बीच जारी भीषण युद्ध के बीच खाड़ी क्षेत्र की भू-राजनीति में एक बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में विश्वास जताया है कि यह युद्ध आगामी दो से तीन सप्ताह के भीतर समाप्त हो जाएगा। हालांकि, जमीनी हकीकत और बढ़ते तनाव को देखते हुए यह लक्ष्य चुनौतीपूर्ण नजर आ रहा है। इस बीच, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने इस संघर्ष में सीधे तौर पर शामिल होने और अमेरिका के साथ मिलकर सैन्य कार्रवाई करने पर गंभीरता से विचार शुरू कर दिया है।

प्राप्त रिपोर्टों के अनुसार, यूएई अब अमेरिका और उसके सहयोगियों के साथ मिलकर रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण स्ट्रैट ऑफ हॉर्मुज को दोबारा खोलने के लिए एक बड़े सैन्य अभियान की योजना बना रहा है। यह जलमार्ग वैश्विक तेल आपूर्ति के लिए जीवन रेखा माना जाता है, जिसे ईरान के हस्तक्षेप के कारण वर्तमान में भारी खतरों का सामना करना पड़ रहा है। ईरान द्वारा यूएई और अन्य खाड़ी देशों पर लगातार किए जा रहे हमलों ने अबू धाबी को अपनी पुरानी तटस्थता और मध्यस्थता की नीति छोड़ने पर मजबूर कर दिया है। यदि यूएई इस युद्ध में सक्रिय रूप से उतरता है, तो वह इस संघर्ष में प्रत्यक्ष रूप से शामिल होने वाला पहला खाड़ी देश बन जाएगा। यूएई वर्तमान में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में एक प्रस्ताव लाने की दिशा में काम कर रहा है, ताकि ईरान के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय कार्रवाई को वैधानिक मंजूरी मिल सके। इसके साथ ही उसने अमेरिका, यूरोप और एशिया के देशों से एक वैश्विक गठबंधन बनाने की अपील की है। हालांकि, कूटनीतिक विशेषज्ञों का मानना है कि रूस और चीन जैसे देश सुरक्षा परिषद में इस प्रस्ताव पर वीटो कर सकते हैं। इसके बावजूद, यूएई ने संकेत दिए हैं कि वह संयुक्त राष्ट्र की मंजूरी के बिना भी सैन्य सहयोग के लिए तैयार है, जिसमें समुद्र में बिछाई गई बारूदी सुरंगों को हटाना और रसद सहायता (लॉजिस्टिक सपोर्ट) शामिल है। यूएई ने अमेरिका को यह भी सुझाव दिया है कि वह हॉर्मुज जलडमरूमध्य के उन द्वीपों पर नियंत्रण स्थापित करे, जो सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं। इनमें अबू मूसा द्वीप प्रमुख है, जिस पर दशकों से ईरान का कब्जा है लेकिन यूएई उस पर अपना ऐतिहासिक दावा करता रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि यूएई की मजबूत सैन्य क्षमता, आधुनिक सर्विलांस ड्रोन और जेबेल अली जैसे विशाल बंदरगाह अमेरिका के नेतृत्व वाले इस अभियान में निर्णायक भूमिका निभा सकते हैं। नाटो देशों के पीछे हटने के बाद, खाड़ी क्षेत्र से यूएई और बहरीन जैसे देशों का समर्थन राष्ट्रपति ट्रंप के लिए एक बड़ी राहत और सामरिक मजबूती लेकर आया है। यूएई की यह सक्रियता न केवल अमेरिका के सैन्य लक्ष्यों में सहायक होगी, बल्कि इजरायली सेनाओं को आपूर्ति श्रृंखला बनाए रखने में भी मदद कर सकती है।

ईरान से जंग लड़ते ही गिरी ट्रंप की रेटिंग सभी राष्ट्रपतियों का तोड़ा रिकॉर्ड

अमेरिका में उठे विरोध के सुर, 75फीसदी ने ट्रंप के कामकाज को नकारा

वॉशिंगटन,(ईएमएस)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जो हमेशा अपनी जीत और लोकप्रियता के दावों के लिए जाने जाते हैं, इस वक्त अपने राजनीतिक जीवन के सबसे बुरे दौर से गुजर रहे हैं। ईरान के साथ छिड़ी जंग ने न केवल दुनिया का चैन छीना है, बल्कि ट्रंप के 'मैजिक' को भी खत्म कर दिया है। ताजा आंकड़ों के मुताबिक जिन लोगों ने ट्रंप को वोट दिया था, अब वह पछता रहे हैं। ट्रंप की नेट अप्रूवल रेटिंग गिरकर माइनस-17 पर पहुंच गई है। ये गिरावट इतनी बड़ी है कि इसने अमेरिका के इतिहास में पिछले सभी राष्ट्रपतियों के रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। एक विश्लेषण ने अमेरिकी राजनीति में हड़कंप मचा दिया है। ट्रंप की लोकप्रियता का ग्राफ अब तक के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया है। आंकड़ों के मुताबिक ट्रंप की रेटिंग इस वक्त जिमी कार्टर, रोनाल्ड रीगन और यहां तक कि जो बाइडन से भी नीचे चली गई है। ट्रंप के दूसरे कार्यकाल की शुरुआत सकारात्मक रेटिंग के साथ हुई थी, लेकिन जैसे-जैसे ईरान के साथ युद्ध लंबा होता गया, जनता का भरोसा टूटता चला गया। 26 मार्च को आए आंकड़ों ने चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। पिछले साल मार्च में जहां 92फीसदी रिपब्लिकन ट्रंप के साथ थे, अब वह घटकर 84फीसदी रह गए हैं यानी उनके अपने घर में ही विरोध के सुर उठने लगे हैं। करीब 75फीसदी निर्दलीय वोटरों ने ट्रंप के कामकाज को नकार दिया है, जो किसी भी चुनाव को जीतने के लिए सबसे अहम होते हैं। सर्वे के मुताबिक केवल 29फीसदी लोग ही ईरान पर किए गए हमलों और ट्रंप की रणनीति का समर्थन कर रहे हैं, जबकि 63फीसदी लोग इसे गलत मान रहे हैं। पिछले साल अप्रैल में ट्रंप की रेटिंग 44फीसदी थी, जो अब गिरकर महज 33फीसदी रह गई है। जनता को अब लगने लगा है कि यह युद्ध अमेरिका के लिए महंगा साबित हो रहा है। ट्रंप की पूरी ताकत उनका 'मेगा' बेस है, लेकिन एमहर्स्ट पोल के मुताबिक अब केवल 33फीसदी लोग ही खुद को इस आंदोलन से जुड़ा हुआ महसूस करते हैं। युद्ध की वजह से बढ़ती तेल की कीमतें और अमेरिकी सैनिकों की मिडिल ईस्ट में भारी तैनाती ने आम अमेरिकी नागरिक के मन में डर पैदा कर दिया है।

ईरान युद्ध के बीच नाटो पर भड़के ट्रंप

वॉशिंगटन(ईएमएस)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और नाटो देशों के बीच तनाव अपने चरम पर पहुंच गया है। ईरान के साथ जारी युद्ध के बीच सहयोगी देशों के असहयोग से नाराज ट्रंप ने अब कड़ा रुख अख्तियार कर लिया है। ताजा रिपोर्ट्स के मुताबिक, यूरोपीय देशों पर दबाव बनाने के लिए राष्ट्रपति ट्रंप यूक्रेन को दी जाने वाली हथियारों की सप्लाई रोकने की योजना बना रहे हैं। बीते चार वर्षों से रूस के साथ युद्ध झेल रहा यूक्रेन अब ईरान संकट की भेंट चढ़ता नजर आ रहा है।

दरअसल, ट्रंप की इस नाराजगी की मुख्य वजह स्ट्रेट ऑफ होर्मुज का बंद होना है। ईरान और इजरायल के बीच छिड़ी जंग के बाद ईरान ने इस प्रमुख जलमार्ग को बाधित कर दिया है, जिससे वैश्विक स्तर पर तेल की कीमतें आसमान छू रही हैं।

ट्रंप ने फिर ईरान को धमकाया कहा- पाषाण युग में भेज देंगे, तेल के कुओं को तबाह करना आसान

वॉशिंगटन (ईएमएस)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को देश के नाम संबोधन में ईरान के विरुद्ध जारी सैन्य कार्रवाई पर कड़ा रुख अख्तियार किया है। ट्रंप ने दावा किया कि पिछले एक महीने के युद्ध में ईरान की नौसेना, वायुसेना और मिसाइल क्षमता पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है। उन्होंने तेल ठिकानों का जिक्र करते हुए कहा कि वे सबसे आसान लक्ष्य हैं, लेकिन अब तक उन पर हमला इसलिए नहीं किया गया क्योंकि इससे ईरान को दोबारा संभलने का कोई मौका नहीं मिलता।

ट्रंप ने स्पष्ट किया कि ईरान के पास अब कोई प्रभावी वायु रक्षा प्रणाली या रडार शेष नहीं है, जिससे अमेरिकी सेना सैन्य रूप से अजेय हो गई है। युद्ध विराम की अटकलों के बीच राष्ट्रपति ने घोषणा की कि अमेरिकी अभियान फिलहाल जारी रहेगा। उन्होंने चेतावनी दी कि अगले दो से तीन हफ्तों में ईरान पर और भी घातक हमले किए जाएंगे ताकि उसे पूरी तरह पस्त किया जा सके। बातचीत की गुंजाइश पर ट्रंप ने कहा कि उनका लक्ष्य सत्ता परिवर्तन नहीं था, लेकिन नेतृत्व खत्म होने से वहां अब नया और अधिक समझदार समूह सक्रिय है। राष्ट्रपति ने सीधी धमकी देते हुए कहा कि यदि जल्द ही कोई समझौता नहीं हुआ, तो ईरान के सभी बिजली संयंत्रों को एक साथ निशाना बनाकर उसे पाषाण युग में धकेल दिया जाएगा। हालांकि, उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि अमेरिकी जनता अब इस युद्ध को जल्द समाप्त होते देखना चाहती है।

ट्रंप ने ईरान के तेल क्षेत्रों को लेकर सीधी धमकी देते हुए कहा कि अमेरिका ने अब तक जानबूझकर इन ठिकानों को निशाना नहीं बनाया है, लेकिन यदि हमला हुआ तो वे पूरी तरह नष्ट हो जाएंगे। वैश्विक ऊर्जा बाजार पर बात करते हुए उन्होंने दावा किया कि अमेरिका का तेल उत्पादन अब सऊदी अरब और रूस के कुल उत्पादन से भी अधिक है, इसलिए ईंधन की कीमतों में मौजूदा वृद्धि केवल अल्पकालिक है। रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण होर्मुज जलडमरूमध्य के मुद्दे पर उन्होंने सहयोगी देशों को नसीहत दी कि अब इसकी सुरक्षा का नेतृत्व अन्य देशों को स्वयं करना चाहिए।

आईपीएल में आज होगा सीएसके और पंजाब में मुकाबला

चेन्नई (ईएमएस)। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की टीम शुक्रवार को आईपीएल के अपने इस सत्र के दूसरे मैच में पंजाब किंग्स के खिलाफ उतरेगी। सीएसके की टीम को इस सत्र में अपने पहले ही मैच में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। ऐसे में उसका लक्ष्य इस मैच को जीतकर लय हासिल करना रहेगा। उसे इस मैच में घरेलू मैदान का भी लाभ मिलने की उम्मीद है। टीम के अनुभवी खिलाड़ी और पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी के इस मैच में भी खेलने को लेकर संशय बना हुआ है हालांकि उन्होंने अभ्यास शुरु कर दिया है। सीएसके की पहले मैच में शुरुआत निराशाजनक रही थी। उसके बल्लेबाज रन नहीं बना पाये थे। ऐसे में कप्तान रुतुराज गायकवाड़ सहित सभी बल्लेबाजों को रन बनाने होंगे। सीएसके का लक्ष्य पहले मैच में मिली हार से सबक लेते हुए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना रहेगा। इस मैच में बल्लेबाज संजू सैमसन भी बड़ी पारी खेलकर सीएसके प्रबंधन के सामने अपने को साबित करना चाहेंगे। सीएसके ने इस सत्र में ट्रेड डील के जरिये उन्हें राजस्थान रॉयल्स से खरीदा है पर वह अपने पहले मैच में प्रभावित नहीं कर पाये। इसलिए इस मैच में वह बड़ी पारी खेलकर हिसाब बराबर करना चाहेंगे। वहीं इस मैच में भी उभरते हुए बल्लेबाज डेवाल्ड ब्रेविस का खेलना संदिग्ध है। ब्रेविस मांसपेशियों के खिंचाव से उबर रहे हैं। पहले मैच में इंपैक्ट प्लेयर के तौर पर उतरे सरफराज खान को भी इस मैच में अवसर मिल सकता है। युवा कार्तिक शर्मा से इस मैच में भी टीम को अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी। वहीं पहले मैच में विफल रहे टीम के मुख्य गेंदबाज मैट हेनरी और नूर अहमद इस मैच में बेहतर प्रदर्शन करना चाहेंगे। दूसरी ओर श्रेयस अय्यर की कप्तानी में उतरी पंजाब किंग्स ने पहले ही मैच में गुजरात टाइटंस को हराया था जिससे उसके हौंसले बुलंद हैं। गुजरात के खिलाफ कूपर कॉनॉली ने तीसरे नंबर बेहतरीन बल्लेबाजी की थी जिससे भी टीम को लाभ हुआ था। अब कॉनॉली इस मैच में भी अधिक से अधिक रन बनाना चाहेंगे। पहले मैच में असफल रहे प्रभसिमरन सिंह, प्रियांश आर्य और शशांक सिंह जैसे बल्लेबाज भी इस मैच में बड़ी पारी खेलना चाहेंगे। टीम की गेंदबाजी भी मजबूत है उसके पास स्पिनर युजवेंद्र चहल के अलावा तेज गेंदबाजों के तौर लॉकी फर्ग्यूसन, अर्शदीप सिंह और हरप्रीत बराड़ जैसे तेज गेंदबाज हैं। दोनो ही टीमों के बीच अब तक आंकड़ों पर गौर करें तो अब तक इनके बीच 32 मैच हुए हैं जिसमें से 17 सीएसके जबकि 15 पंजाब ने जीते हैं ऐसे में इस बार भी रोमांचक मुकाबले के आसार हैं।

दिल्ली कैपिटल्स अंक तालिका में तीसरे नंबर पर पहुंची

लखनऊ (ईएमएस)। दिल्ली कैपिटल्स की टीम आईपीएल 2026 के अपने पहले मुकाबले में लखनऊ सुपर जाएंट्स के खिलाफ 6 विकेट से मिली जीत के साथ ही आईपीएल अंकतालिका में शीर्ष पांच टीमों में पहुंच गयी है। सुपर जाएंट्स से हुए इस मैच में दिल्ली को जीत के लिए केवल 142 रनों का लक्ष्य मिला था जो उसने रमीर रिजवी के अर्धशतक से 17.1 वें ओवर में ही प्राप्त कर लिया। करीब तीन ओवर पहले मिली इस जीत से दिल्ली 2 अंक लेकर तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गयी है। दिल्ली कैपिटल्स की जीत से मुंबई इंडियंस और पंजाब किंग्स रैंकिंग में पिछड़ी है। श्रेयस अय्यर की कप्तानी वाली पंजाब शीर्ष 4 से बाहर हो गई है। वहीं मुंबई इंडियंस चौथे स्थान पर फिसल गयी है। दिल्ली का नेट रन रेट मुंबई और पंजाब से अच्छा है। दिल्ली का नेट रन रेट प्लस 1.397 का रहा है, जबकि मुंबई और पंजाब का का प्लस 0.687 और प्लस 0.509 का है। वहीं शीर्ष-2 में इस समय राजस्थान रॉयल्स 4.171 और रॉयल्स चैलेंजर्स बेंगलुरु 2.907 है।

आईपीएल 2026 अंक तालिका

टीम	मैच	जीत	हार	नो रिजल्ट	पॉइंट्स	नेट रन रेट
राजस्थान रॉयल्स	1	1	0	0	2	4.171
आरसीबी	1	1	0	0	2	2.907
दिल्ली कैपिटल्स	1	1	0	0	2	1.397
मुंबई इंडियंस	1	1	0	0	2	0.687
पंजाब किंग्स	1	1	0	0	2	0.509
गुजरात टाइटंस	1	0	1	0	0	-0.509
केकेआर	1	0	1	0	0	-0.687
एलएसजी	1	0	1	0	0	-1.397
हैदराबाद	1	0	1	0	0	-2.907
चेन्नई	1	0	1	0	0	-4.171

वरुण चक्रवर्ती के बचाव में उतरे मुख्य कोच अभिषेक नायर

कोलकाता (ईएमएस)। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के मुख्य कोच अभिषेक नायर ने कहा है कि स्पिनर वरुण चक्रवर्ती के फॉर्म को लेकर वह परेशान नहीं है। कोच के अनुसार वरुण एक शीर्ष स्तर के गेंदबाज हैं जो जानते हैं कि इस प्रकार के हालातों से कैसे बाहर निकला जाये। वरुण इस सत्र में अब तक अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं। नायर का कहना है कि वरुण मानसिक रूप से मजबूत है और इस कठिन समय से भी निकल जाएंगे। पने करियर के एक और मुश्किल दौर से उबरने में सक्षम है।

नायर ने कहा, पिछले कुछ साल में उसे कई बार परेशानियों मुश्किलों का सामना करना पड़ा है पर वह हमेशा ही बेहतर होकर निकला है। सहयोगी स्टाफ के तौर पर हम उसका समर्थन करते हैं। मुझे नहीं लगता कि कोई समस्या है। उन्होंने कहा, दूसरी टीमें उसके खिलाफ अच्छा खेल रही हैं। इसका मतलब यह नहीं है कि वह वापसी नहीं कर सकता। उसे पहले भी इस प्राकर के हालातों का सामना करना पड़ा था। नायर ने कहा, और हम कोशिश कर रहे हैं, हम उम्मीद कर रहे हैं और हर तरह से उसका समर्थन कर रहे हैं। मुझे उम्मीद है कि दुनिया भर के प्रशंसक भी ऐसा ही करेंगे। चाहे यह मैच हो या भविष्य में कोई और मैच, यह तय है कि वह वापसी करेगा जैसा उसने पहले भी किया है।इस स्पिनर के लिए इससे पहले टी20 विश्व कप भी कुछ खास नहीं रहा था। 14 विकेट उसे मिले पर उसने रन भी काफी दिये थे। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैच में इस गेंदबाज ने 47 रन दिये थे। आईपीएल के पहले ही मैच में मुंबई इंडियन्स के रोहित शर्मा और रेयान रिकेल्टन ने उनकी गेंदों पर काफी रन बनाये थे।

गुजरात टाइटंस को काफी सुधार की जरुरत : चोपड़ा

नई दिल्ली (ईएमएस)। पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने कहा है कि गुजरात टाइटन्स को इस सत्र में अगर अच्छा प्रदर्शन करना है तो उसके कप्तान शुभमन गिल, जोस बटलर और साई सुदर्शन सहित शीर्ष क्रम को अधिक से अधिक रन बनाने होंगे। चोपड़ा के अनुसार गुजरात की कमजोरी ये है कि वह वह अपनी शीर्ष बल्लेबाजों पर ही निर्भर है और जब ये असफल होते हैं तो वह ढ़ह जाती है। चोपड़ा के अनुसार पंजाब किंग्स के खिलाफ मुकाबले में भी ये बात साबित हुई है। इस मैच में दिखा है कि टीम के कुछ खिलाड़ियों के प्रदर्शन में निरंतरता की कमी भी है। चोपड़ा ने कहा, जीत के लिए टाइटन्स के लिए शीर्ष तीन बल्लेबाजों को अधिक से अधिक रन बनाकर टीम को बड़े स्कोर तक पहुंचाना होगा। वहीं लक्ष्य का पीछा करते हुए भी इन्हें अधिक से अधिक ओवर खेलने होंगे।

इसका कारण है कि टीम में मध्य और निचले क्रम ने अभी तक अपने को साबित नहीं किया है। उन्होंने कहा, ग्लेन फिलिप्स अब तक 25 रन से अधिक नहीं बना पाये हैं जबकि उनसे अच्छे स्कोर की उम्मीद की जाती है। इसके अलावा स्पिन ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर को भी आक्रामक बल्लेबाजी करनी होगी। चोपड़ा ने टीम के चयन और बल्लेबाजी क्रम पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा, शाहरुख खान की जगह पर कुमार कुशाग्र को शामिल किया जाना चाहिये था। गुजरात को अपने चौथे, पांचवें और छठे नंबर के बल्लेबाजों में बदलाव करना होगा। चोपड़ा ने कहा कि शुभमन गिल को भी अच्छी रणनीति बनानी होगी। उन्होंने कहा, उनकी रणनीति अब तक विफल रही है। पंजाब के खिलाफ उन्होंने गेंदबाजों को सही से उपयोग नहीं किया। प्रसिद्ध कृष्णा को काफी देर से गेंदबाजी दी गयी।

हैदराबाद ने 65 रन से जीता मुकाबला कोलकाता 161 पर ऑलआउट रघुवंशी की मेहनत पर फिरा पानी

कोलकाता आज आईपीएल 2026 का छठा मुकाबला कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) के बीच ईडेन गार्डन्स पर खेला जा रहा है। इस मैच में दोनों टीमें पहली जीत की तलाश में उतर रही हैं। कोलकाता ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया है। कोलकाता को नौवां झटका कार्तिक त्यागी के रूप में लगा। वह सिर्फ एक रन बनाकर आउट हुए।

कोलकाता को आठवां झटका ईशान मलिंगा ने दिया। उन्होंने रमनदीप सिंह को आउट किया। वह सिर्फ 10 रन बना पाए।कोलकाता को सातवां झटका ईशान मलिंगा ने दिया। उन्होंने सुनील नरेन को अपना शिकार बनाया। वह चार गेंदों में सिर्फ 12 रन बना सके और पवेलियन लौट गए। अब रमनदीप सिंह का साथ देने कार्तिक त्यागी आए हैं।

रिंकू सिंह 25 गेंदों में 35 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें नीतीश रेड्डी ने जयदेव उनादकट के हाथों कैच कराया। अब रमनदीप सिंह का साथ देने सुनील नरेन आए हैं। 14 ओवर के बाद स्कोर छह विकेट पर 151 रन है।

120 पर कोलकाता के पांच विकेट गिर चुके हैं। अंगकृष रघुवंशी 52 रन बनाकर रनआउट हो गए। इसके बाद अनुकूल रॉय खाता भी नहीं खोल सके। फिलहाल क्रीज पर रिंकू सिंह और रमनदीप सिंह मौजूद हैं। युवा बल्लेबाज अंगकृष रघुवंशी ने लगातार दूसरे मुकाबले में शानदार अर्धशतक (26 गेंद) लगाया है। इससे पहले उन्होंने मुंबई के खिलाफ भी 51 रनों की धुआंधार पारी खेली थी। हालांकि, टीम को जीत नहीं दिला पाए थे। 10 ओवर के बाद केकेआर का स्कोर तीन विकेट पर 110 रन है। रिंकू सिंह भी क्रीज पर डटे हैं।

दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेटर राशी वांडर डुसैन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहा

जोहांसबर्ग (ईएमएस)। दक्षिण अफ्रीका के अनुभवी बल्लेबाज राशी वांडर डुसैन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। डुसैन ने सोशल मीडिया के जरिए अपने संन्यास की घोषणा की है पर कहा कि वह घरेलू क्रिकेट खेलते रहेंगे। 35 वर्षीय इस क्रिकेटर ने कहा कि अपने करियर को लेकर वह संतुष्ट हैं। इसके साथ ही उन्होंने प्रशंसकों सहित क्रिकेट बोर्ड और प्रबंधन के सहयोग के प्रति आभार जताया है। साथ ही कहा कि दक्षिण अफ्रीकी जर्सी पहनना मेरे जीवन का सबसे बड़ा सम्मान रहा है।अपने बयान में डुसैन ने कहा, मैं गर्व और कृतज्ञता के साथ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा करता हूं। अपने देश के लिए खेलना मेरे लिए जीवन का सबसे बड़ा सम्मान रहा है। इस सफर में हालांकि मुझे काफी त्याग करना पड़ा पर इसका हर पल बेहद अहम रहा है। उन्होंने क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका के साथ ही कोचिंग स्टाफ और प्रशंसकों के प्रति आभार जताया।

इस क्रिकेटर का एकदिवीसय करियर शानदार रहा है। उसने 71 मैचों में 2657 रन बनाए, उसका औसत 50 से अधिक रहा है। वह दक्षिण अफ्रीका के लिए सीमित ओवरों में ए बी डीविलियर्स के बाद सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों में शामिल रहे हैं। इस बल्लेबाज ने अपने करियर में 6 शतक और 17 अर्धशतक भी लगाए हैं।डुसैन ने 29 साल की उम्र में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू किया था। उन्होंने जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 मैच से अपने करियर की शुरुआत की और अपने अच्छे प्रदर्शन से टीम में जगह बनायी। टेस्ट क्रिकेट में उन्होंने 18 मैच खेले हैं। इस क्रिकेटर ने हर समय साथ निभाने के लिए परिवार और पत्नी लारा को याद किया। साथ ही कहा कि वह संन्यास के बाद भी खेल से जुड़े रहते हुए युवा खिलाड़ियों को मेंटर के तौर पर अपनी सेवाएं देंगे।

लंदन में महिला चैम्पियंस लीग फुटबॉल मुकाबले में आर्सेनल की एलेसिया रुसो गेंद हासिल करने का प्रयास करती हुई।

चीन के मकाओ में आईटीटीएफ पुरुष व महिला विश्वकप के दौरान खेलते हुए जर्मनी के पैट्रिक फ्रैंजिस्का।

चहल ने कॉनली की जमकर प्रशंसा की, आईपीएल की खोज साबित होंगे

मुम्बई (ईएमएस)। अनुभवी स्पिनर युजवेंद्र चहल ने अपनी टीम पंजाब किंग्स की ओर से खेल रहे ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज कूपर कॉनली की जमकर प्रशंसा की है। कॉनली ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ पहले ही मैच में तेजी से अर्धशतक लगाकर सबका ध्यान खींचा है। चहल ने कहा कि युवा बल्लेबाज कॉनली इस सत्र की खोज साबित होंगे। कॉनली ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ मैच में नाबाद 72 रन बनाकर पंजाब किंग्स की जीत में अहम भूमिका निभाई थी।

कॉनली तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे और अंत तक नाबाद रहे। उन्होंने अपनी अर्धशतकीय पारी में 5 चौके और 5 छक्के लगाये। चहल ने इस युवा की तारीफ करते हुए कहा, 'वह अभी केवल 22 साल का है पर उसमें जीत का जुनून है। इच्छा है। नंबर तीन पर बल्लेबाजी करते हुए अपने पहले ही मैच में जिस प्रकार से मैच विजेता पारी खेली उसकी जितनी सराहना की जाये कम है। उसके खेलने के तरीके से अंदाज होता है कि वह मानसिक रूप से मजबूत है।'गुजरात के खिलाफ तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए कॉनली एक छोड़ पर टिके रहे और लगातार रन बनाने रहे। चहल ने कहा, 'वह हालात के अनुसार बल्लेबाज करना जानता है। उसे पता था कि उसे ही अंत तक पारी को ले जाना होगा। इससे उसकी परिपक्वता का अंदाजा होता है। यह हमारी टीम के लिए एक अच्छा संकेत है।' उन्होंने कहा, 'वह जिस तरह से बल्लेबाजी कर रहा है मुझे लगता है कि वह इस सत्र की सबसे बड़ी खोज में से एक होगा।'

पिछले काफी समय से भारतीय टीम से बाहर चल रहे चहल ने इस मैच में अच्छी गेंदबाजी करते हुए 28 रन देकर दो विकेट लिए। उन्होंने बीच के ओवरों में गुजरात पर दबाव बनाए रखा और रन नहीं बनाने दिये। चहल ने गेंदबाजी में अपनी रणनीति के बारे में कहा, 'विकेट थोड़ा धीमा था, इसलिए हम अधिक गति से गेंद नहीं फेंकना चाहते थे। हमारी रणनीति यह थी कि अगर बल्लेबाज लंबे शॉट लगाते हैं, तो यह हमारे लिए अच्छा रहेगा।' कॉनली के अलावा पंजाब किंग्स के अन्य प्रमुख बल्लेबाज मुकाबले में विफल रहे। चहल ने कहा कि जो बल्लेबाज पहले मैच में विफल रहे है अगले मैच में लय हासिल कर लेंगे। आमतौर पर ऐसा होता रहता है। इस लिए इसमें चिंता की कोई बात नहीं है।

वैभव को अभी शामिल करने की जल्दी न करें : अश्विन

चेन्नई (ईएमएस)। उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने जिस प्रकार आईपीएल के अपने पहले ही मैच में आक्रामक पारी खेली है। उसके बाद से ही कई दिग्गजों ने उसे राष्ट्रीय टीम में शामिल करने की मांग की है। वैभव ने पहले ही मैच में 15 गेंदों में अर्धशतक लगा दिया था। वहीं पिछले सत्र में वैभव ने 35 गेंद में शतक लगाकर अपनी पहचान बनायी थी। उसके बाद से ही वह नये नये रिकार्ड बनाते जा रहे है। इसके बाद भी अनुभवी स्पिनर रविचंद्रन अश्विन का मानना है कि वैभव अभी बच्चा है और उसे इतनी जल्ली राष्ट्रीय टीम में लाने की कोई जरुरत नहीं है, इससे उसपर बेवजह दबाव ही पड़ेगा। अश्विन ने कहा कि वैभव को शामिल करने में जल्दबाजी की जरुरत नहीं है हालांकिवैभव को शामिल करने की मांग देश ही नहीं विदेश के दिग्गज पूर्व क्रिकेटरों की तरफ से भी आई है।

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन के अनुसार वैभव अब अगले चरण के लिए पूरी तरह तैयार हैं। उन्होंने कहा कि अगर उनके हाथ में होता तो वह सूर्यवंशी को इस साल इंग्लैंड का दौरा करने जाने वाली भारतीय टीम में जरूर रखते। भले ही उन्हें हर मैच नहीं खिलाते लेकिन टूर पर जरूर ले जाते। कुछ मैच खिलाते। इसी तरह महान लेग स्पिनर अनिल कुंबले और पूर्व सलामी बल्लेबाज नवजोत सिंह सिद्धू भी इस पक्ष में हैं कि अगर वैभव सूर्यवंशी इसी तरह का प्रदर्शन जारी रखते हैं तो उन्हें भारतीय टीम में लिया जाना चाहिये। वहीं अश्विन ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलने से वैभव पर दबाव बनेगा, जिसकी अभी जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा, 'उसे इस तरह का बोझ मत दीजिए। वह अभी बड़ा नहीं हुआ है। वह अभी बच्चा है। अगर एमएस धोनी 45 की उम्र तक खेल रहे हैं तो सूर्यवंशी अगर 40 तक भी खेले तो उसके पास अभी ढाई दशक का क्रिकेट बचा हुआ है। उसे अकेला छोड़ दीजिए, वह सही समय पर अपने-आप आ जाएगा।' अश्विन ने कहा कि वैभव काफी अच्छा है और वह भारत की ओर से

ऑरेंज कैप की दौड़ में शीर्ष पांच में पहुंचे समीर रिजवी, रिकेल्टन शीर्ष पर बरकरार

मुम्बई (ईमएस)। आईपीएल के 19 सत्र में अब तक सभी 10 टीमों ने एक-एक मैच खेल लिया है। जहां राजस्थान रॉयल्स, रॉयल्स चैलेंजर्स बेंगलुरु, दिल्ली कैपिटल्स, मुंबई इंडियंस और पंजाब किंग्स ने अपने- अपने मुकाबले जीते हैं। वहीं गुजरात टाइटंस, कोलकाता नाइट राइडर्स, लखनऊ सुपर जाएंट्स, सनराइजर्स हैदराबाद और चेन्नई सुपर किंग्स को हार मिली है। है। इसी दौरान अपने प्रदर्शन से कुछ खिलाड़ी सबसे अधिक रनों के लिए मिलने वाली ऑरेंज कैप की दौड़ में भ्री शामिल हो गये हैं। दिल्ली कैपिटल्स के समीर रिजवी भी सुपरजायंट्स के खिलाफ मुकाबले में 70 रन बनाकर शीर्ष पांच में शामिल हो गये हैं। वहीं मुंबई इंडियंस के सलामी बल्लेबाज रयान रिकेल्टन अब तक सबसे अधिक 81 रन बनाकर ऑरेंज कैप की दौड़ में नंबर एक पर बने हुए हैं। वहीं सनराइजर्स हैदराबाद के ईशान किशन 80 रन बनाकर दूसरे नंबर पर हैं। मुंबई इंडियंस के सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा 78 रन बनाकर तीसरे जबकि पंजाब किंग्स के कूपर कोलोनी 72 रन बनाकर चौथे नंबर पर है।

रायन रिकेल्टन 81 रन, ईशान किशन 80 रन, रोहित शर्मा 78 रन,कूपर कोलोनी 72 रन,समीर रिजवी 70 रन ।

फीफा विश्वकप के लिए तय हुई सभी 48 टीम

मेक्सिको (ईएमएस)। इसी साल जून में अमेरिका, मैक्सिको और कनाडा में संयुक्त रुप से होने वाले फीफा विश्वकप फुटबॉल के लिए सभी 48 टीमें तय हो गयी हैं। मेक्सिको के मॉन्टेरी में खेले गए इंटरकॉन्टिनेंटल प्लेऑफ के साथ ही टीमों की घोषणा हो गयी है। करीब ढाई साल तक चली क्वालीफाइंग प्रक्रिया के बाद जहां इराक और बोस्निया ने विश्वकप के लिए जगह बनायी। वहीं चार बार की विजेता रही इटली प्रवेश हासिल नहीं कर पायी। केप वर्डे, कुराकाओ, जॉर्डन और उज्बेकिस्तान की टीम पहली बार विश्व कप में खेलेगी। इंटरकॉन्टिनेंटल प्लेऑफ में बोलीविया को 2-1 से हराकर इराक की टीम प्रवेश हासिल करने वाली 48 वहीं टीम बनी। वहीं पूर्व चैम्पियन इटली को बोस्निया और हर्जेगोविना ने पेनल्टी शूटआउट में हराकर बाहर कर दिया। यूरोपीय प्लेऑफ के जरिए स्वीडन ने पोलैंड को 3-2 से जबकि तुर्की ने कोसोवो को 1-0 से पराजित किया। चेक गणराज्य ने डेनमार्क को पेनल्टी शूटआउट में हराया। विश्वकप के लिए शामिल 48 टीमों को 4-4 के 12 ग्रुपों में बांटा गया है।

हर ग्रुप की शीर्ष दो टीमों के साथ ही तीसरे स्थान पर रहने वाली आठ सर्वश्रेष्ठ टीमें राउंड ऑफ 32 में पहुंचेंगी। अभी तक ग्रुप राउंड के बाद सीधे राउंड ऑफ 16 होता था। अब विजेता बनने वाली टीम को पिछले विश्व कप के मुकाबले एक ज्यादा 8 मैच खेलना होगा। कुल 104 मैच इस विश्व कप में खेले जाएंगे।

ग्रुप एः मेक्सिको, चेक गणराज्य, दक्षिण अफ्रीका, दक्षिण कोरिया।
ग्रुप बीः कनाडा, बोस्निया और हर्जेगोविना, कतर, स्विट्जरलैंड।
ग्रुप सीः ब्राजील, हैती, मोरक्को, स्कॉटलैंड।
ग्रुप डीः संयुक्त राज्य अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, पैराग्वे, तुर्की।
ग्रुप ईः कुराकाओ, इक्वाडोर, जर्मनी, आइवरी कोस्ट।
ग्रुप एफः नीदरलैंड, जापान, स्वीडन, ट्यूनीशिया।
ग्रुप जीः बेल्जियम, मिस्र, ईरान, न्यूजीलैंड।
ग्रुप एचः केप वर्डे, सऊदी अरब, स्पेन, उरुग्वे।
ग्रुप आईः फ्रांस, नॉर्वे, सेनेगल, ईराक।
ग्रुप जेः अल्जीरिया, अर्जेंटीना, ऑस्ट्रिया, जॉर्डन।
ग्रुप केः कोलंबिया, जमैका, पुर्तगाल, उज्बेकिस्तान।
ग्रुप एलः क्रोएशिया, इंग्लैंड, घाना, पनामा।

फीफा ने विश्वकप फाइनल के लिए टिकटों की कीमतें बढ़ायीं

म्यूरिख (ईएमएस)। विश्व फुटबॉल की शीर्ष संस्था (फीफा) ने 11 जून से अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में होने वाले विश्व कप फुटबॉल टूर्नामेंट के फाइनल के लिए सभी श्रेणी के टिकटों की कीमतें काफी बढ़ा दी हैं। अब खिताबी मुकाबला देखने के लिए दर्शकों को 10,990 अमेरिकी डॉलर में टिकट खरीदना होगा, भारतीय रुपये में ये रकम करीब 10 लाख 23 हजार है । वहीं इससे पहले दिसंबर में टूर्नामेंट के ड्रॉ के बाद श्रेणी एक के टिकट की कीमत 8,680 डॉलर ही थी। इस प्रकार कीमतों करीब दो हजार डॉलर तक बढ़ायी गयी है।

इस प्रकार देखा जाये तो फाइनल की टिकटों की कीमतें अन्य मैचों से काफी अधिक बढ़ा दी गयी हैं। इस कारण मांग अधिक होना बताय जा रहा है। अब न्यू जर्सी में 19 जुलाई को होने वाले फाइनल मैच के लिए फीफा के श्रेणी दो के टिकटों की कीमत 7,380 डॉलर कर दी गई है, जो पहले 5,575 डॉलर थी। वहीं इसी तरह से श्रेणी तीन के टिकटों की कीमत 5,785 डॉलर कर दी गई है जो पहले की कीमत से 4,185 डॉलर अधिक है। वहीं बुधवार रात तक ग्रुप चरण के 72 मैचों में से 17 मैचों के टिकट बिक्री के लिए उपलब्ध थे, जबकि नॉकआउट चरण के किसी भी मैच के टिकट बिक्री के लिए अभी उपलब्ध नहीं हैं। वहीं टिकट की कीमतें बढ़ाये जाने का विरोध भी हो रहा है। आलोचकों का मानना है कि कमतें इतना ज्यादा बढ़ाना ठीक नहीं है।

जंपा ने आईपीएल नहीं खेलने का कारण बताया

सिडनी (ईएमएस)। ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर एडम जंपा ने आईपीएल 2026 में शामिल नहीं होने के कारणों का खुलासा किया है। जंपा ने कहा है कि उनके जैसे कौशल वाले गेंदबाज को अधिक अवसर और पैसे मिलने की संभावना नहीं थी। इसलिए वह नीलामी से ही दूर रहे। जंपा ने आईपीएल के पिछले सत्र में सनराइजर्स हैदराबाद के लिए खेला था। वहीं सत्र के बाद टीम ने उन्हें रिलीज कर दिया था। जाम्पा अभी पाक सुपर लीग में कराची किंग्स की ओर से खेल रहे हैं। जाम्पा ने कहा, मेरे जैसे कैशल वाले खिलाड़ी को आईपीएल में अधिक पैसे नहीं मिलते हैं। उन्होंने साथ ही कहा, आईपीएल में में बहुत समय देना पड़ता है, ऐसे में ये लग मुझे अपनी लिए सही नहीं लगी। जंपा ने आईपीएल में साल 20216 में पदार्पण किया था। उन्होंने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु , राजस्थान रॉयल्स और राइजिंग पुणे सुपरजायंटस जैसी टीमों के लिए खेला है। उन्होंने आईपीएल में कुल 22 मैच में 31 विकेट लिए और उनका इकॉनमी रेट 8.37 रहा। जाम्पा ने कहा है कि वह पहले ब्रेक लेने वाले थे पर बाद में उन्हें लगा कि कुछ समय पीएसएल खेल लें।

फरहान ने पीएसएल में शतक के साथ ही विराट के एक रिकार्ड की बराबरी की

लाहौर (ईएमएस)। पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज साहिबजादा फरहान ने पाक सुपर लीग (पीएसएल) में शानदार बल्लेबाजी करते हुए एक नया रिकार्ड बना दिया है। मुल्तान सुल्तान की ओर से खेलते हुए फरहान ने हैदराबाद किंग्समैन के खिलाफ शानदार शतक लगाया है। फरहान ने किंग्समैन से मिले 226 रनों के कठिन लक्ष्य का पीछा करते हुए 57 गेंदों पर 7 चौकों और 8 छक्कों की सहायता से नाबाद 106 रन बनाये। इससे जहां मुल्तान सुल्तान की टीम ने जीत दर्ज की। वहीं फरहान ने टी20 प्रारुप में 9 शतक लगाने के भारतीय टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली के रिकार्ड की बराबरी कर ली। अब वह टी20 में सबसे अधिक शतक लगाने के मामले में संयुक्त रुप से चौथे स्थान पर आ गये हैं।

टी20 में सबसे ज्यादा 22 शतक का विश्व रिकॉर्ड वेस्टइंडीज के क्रिस गेल के नाम है। गेल ने अपने टी20 करियर में कई लीग में भाग लिया है। वहीं दूसरे पर पाकिस्तान के बाबर आजम हैं, जिनके नाम 11 शतक हैं। ऑस्ट्रेलिया के डेविड वॉर्नर 10 शतकों के साथ इस सूची में तीसरे जबकि विराट 9 के साथ ही चौथे स्थान पर हैं।

धनबाद,मुंबई रेल सेवा को मिली स्थायी पहचान, सांसद दुल्लू महतो के प्रयासों से मिली बड़ी सफलता

धनबाद, लोकसभा क्षेत्र के सांसद दुल्लू महतो द्वारा लोकसभा में उठाए गए महत्वपूर्ण मुद्दे पर केंद्र सरकार ने सकारात्मक और ठोस कदम उठाया है। सांसद ने धनबाद, मुंबई रेल संपर्क से जुड़ी गंभीर समस्याओं को सदन में प्रमुखता से रखा था इस पर जवाब देते हुए रेल मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए 03379/03380 धनबाद–लोकमान्य तिलक (T) स्पेशल ट्रेन को नियमित करते हुए अब 13379/13380धनबाद–लोकमान्य तिलक (T) एक्सप्रेस के रूप में संचालित किया जाएगा। यह निर्णय क्षेत्र के लाखों यात्रियों के लिए बड़ी राहत लेकर आया है। सीधी रेल कनेक्टिविटी खत्म होने का मुद्दा उठाया गया, सांसद दुल्लू महतो ने अपने प्रश्न में यह प्रमुख चिंता व्यक्त की थी कि 03379/80 (धनबाद–मुंबई एलटीटी स्पेशल) के बंद होने से कोल इंडिया कॉरिडोर (सीआईसी) के बरकाकाना–डाल्टनगंज–गढ़वा रोड सेक्शन का पश्चिमी क्षेत्र से सीधा रेल संपर्क समाप्त हो गया है। ज्ञात हो कि यह क्षेत्र देश के महत्वपूर्ण कोयला उत्पादन और औद्योगिक गतिविधियों का केंद्र है, जहां से बड़ी संख्या में श्रमिक, व्यवसायी और आम नागरिक मुंबई तथा पश्चिमी भारत की ओर यात्रा करते हैं। इस सीधी सेवा के अभाव में यात्रियों को अनावश्यक परेशानी और अतिरिक्त समय का सामना करना पड़ रहा था। हावड़ा टर्मिनल पर दबाव और यात्रियों की समस्या को रखा प्रमुखता से, सांसद ने यह भी रेखांकित किया कि वर्तमान में हावड़ा,मुंबई सेक्टर की ट्रेनों पर अत्यधिक निर्भरता है।विशेष रूप से ट्रेन संख्या 12321/12322 (हावड़ा–छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस एक्सप्रेस) पर। हावड़ा टर्मिनल पर अत्यधिक भीड़ और सैचुरेशन के कारण धनबाद जैसे मध्यवर्ती औद्योगिक शहरों के यात्रियों को कन्फर्म बर्थ प्राप्त करने में कठिनाई होती है। इससे न केवल आम यात्रियों बल्कि श्रमिकों और व्यवसायिक वर्ग को भी भारी असुविधा झेलनी पड़ती है। कोल बेल्ट के लिए नई सेवाओं की मांग को दिया गया बल। सांसद दुल्लू महतो ने धनबाद जंक्शन, चंद्रपुरा जंक्शन, डाल्टनगंज जंक्शन, सिंगरौली जंक्शन और भुसावल जंक्शन को जोड़ने वाली नियमित ट्रेन सेवा शुरू करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि झारखंड का कोल बेल्ट देश की ऊर्जा और औद्योगिक जरूरतों का महत्वपूर्ण आधार है, जहां से बड़ी संख्या में प्रवासी श्रमिक और कारोबारी देश के विभिन्न हिस्सों में जाते हैं। ऐसे में इस क्षेत्र के लिए बेहतर और सीधी रेल सेवा अत्यंत आवश्यक है।

रेलवे ने बताए संचालन से जुड़े महत्वपूर्ण मानदंडः रेल मंत्रालय ने अपने जवाब में यह भी स्पष्ट किया कि किसी भी नई ट्रेन सेवा की शुरुआत कई तकनीकी और संचालन संबंधी कारकों पर निर्भर करती है। इसमें संबंधित रेल खंड की क्षमता, ट्रैक की उपलब्धता (पाथ), आवश्यक रोलिंग स्टॉक की उपलब्धता, उससे संबंधित आधारभूत संरचना की स्थिति तथा रेलवे ट्रैक और अन्य परिसंपत्तियों के रखरखाव की आवश्यकता जैसे पहलू शामिल होते हैं। इन सभी कारकों का मूल्यांकन करने के बाद ही नई सेवाओं पर अंतिम निर्णय लिया जाता है। इस महत्वपूर्ण निर्णय पर सांसद दुल्लू महतो ने केंद्र सरकार और रेल मंत्री , अश्विनी वैष्णव का आभार व्यक्त किया। साथ ही उन्होंने कहा कि यह निर्णय धनबाद सहित पूरे झारखंड के औद्योगिक क्षेत्रों, श्रमिकों, व्यवसायियों और आम यात्रियों के लिए अत्यंत लाभकारी साबित होगा। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि वे क्षेत्र के समग्र विकास और बेहतर रेल सुविधाओं के लिए निरंतर प्रयास करते रहेंगे, ताकि जनता को सुगम, सुरक्षित और सुलभ परिवहन सुविधा उपलब्ध हो सके।

तेजस्वी यादव के स्वागत समारोह की तैयारी तेज
नारायणपुर में राजद कार्यकर्ताओं की बैठक आयोजित

जामताड़ा। राजद के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव के आगामी 5 अप्रैल को रांची आगमन को ऐतिहासिक बनाने के उद्देश्य से नारायणपुर प्रखंड में राजद कार्यकर्ताओं की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष विजय यादव ने की, जबकि जिला अध्यक्ष दिनेश यादव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। बैठक में जानकारी देते हुए जिला अध्यक्ष दिनेश यादव ने बताया कि Tejashwi Prasad Yadav का यह पहला रांची दौरा है, जिसे भव्य और ऐतिहासिक बनाने की तैयारी की जा रही है। उन्होंने बताया कि इस स्वागत समारोह में प्रदेश के सभी 24 जिलों से बड़ी संख्या में पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल होंगे। स्वागत कार्यक्रम की सफलता सुनिश्चित करने के लिए नारायणपुर एवं करमाटांड़ प्रखंडों में लगातार बैठकों का आयोजन किया जा रहा है। इन बैठकों में अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने और कार्यक्रम की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की जा रही है। बैठक में जिला महासचिव अशोक चौधरी, जिला उपाध्यक्ष मुशर्रफ मिर्जा, पिछड़ा प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष राम प्रसाद सिंह, जिला सचिव विकास कुमार यादव सहित कई अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यकर्ताओं ने एकजुट होकर कार्यक्रम को सफल बनाने का संकल्प लिया और अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

फतेहपुर प्रखंड सभागार में बीएलओ को किट वितरण, गहन मतदाता पुनरीक्षण कार्य को मिलेगा बल

जामताड़ा फतेहपुर प्रखंड सभागार में गुरुवार को बीएलओ (बूथ लेवल ऑफिसर) के बीच किट का वितरण किया गया। यह कार्यक्रम सहायक निर्वाचन निबंधन पदाधिकारी सह प्रखंड विकास पदाधिकारी प्रेम कुमार दास की उपस्थिति में आयोजित हुआ, जिसमें प्रखंड क्षेत्र के सभी बीएलओ शामिल हुए। कार्यक्रम का उद्देश्य आगामी गहन मतदाता पुनरीक्षण कार्य को सुचारू एवं प्रभावी बनाना है। इस दौरान अधिकारियों ने बताया कि सभी बीएलओ अपने-अपने क्षेत्र में घर-घर जाकर मतदाताओं का सत्यापन करेंगे। वे मतदाताओं के घरों पर निर्धारित स्टीकर चिपकाएंगे तथा आवश्यक जानकारी को रजिस्टर में दर्ज कर अद्यतन सूची तैयार करेंगे।

इससे मतदाता सूची की शुद्धता और पारदर्शिता सुनिश्चित होगी।कार्यक्रम से पूर्व प्रखंड क्षेत्र के कुल 100 बीएलओ को विशेष प्रशिक्षण दिया गया था, जिसमें उन्हें पुनरीक्षण कार्य की प्रक्रिया, दस्तावेज सत्यापन और रिपोर्टिंग के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के आधार पर अब वे अपने दायित्वों का बेहतर तरीके से निर्वहन कर सकेंगे। वितरित किए गए किट में बैग, टोपी, रजिस्टर, स्टांप सहित अन्य आवश्यक सामग्री शामिल है, जो फील्ड कार्य के दौरान बीएलओ के लिए उपयोगी सिद्ध होगी। इस अवसर पर बीपीआरओ हरिपद रुई दास, जनसेवक उपेंद्र कुमार यादव, कालिदास टुडू सहित कई सुपरवाइजर एवं बीएलओ उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन अधिकारियों द्वारा आवश्यक दिशा-निर्देश देने के साथ किया गया।

सरकारी महिला पॉलिटेक्निक की समस्याओं को लेकर एबीवीपी ने डीसी से की मुलाकात, 48 घंटे में कार्रवाई की मांग

दुमकाः अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) दुमका इकाई ने गुरुवार को उपायुक्त (डीसी) दुमका से मुलाकात कर सरकारी महिला पॉलिटेक्निक, दुमका में व्याप्त गंभीर समस्याओं को लेकर ज्ञापन सौंपा। एबीवीपी ने संस्थान में रैगिंग, शिक्षकों की फर्जी उपस्थिति तथा छात्राओं की सुरक्षा से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाया।एबीवीपी प्रदेश कार्यकारी सदस्य अमन कुमार ने कहा-यह केवल दुमका का मुद्दा नहीं है, बल्कि पूरे झारखंड में महिला शिक्षा की सुरक्षा का मुद्दा है। एबीवीपी छात्राओं की सुरक्षा और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए हमेशा लड़ती आई है। अगर 48 घंटे में कोई कार्रवाई नहीं हुई तो हम पूरे प्रदेश स्तर पर आंदोलन करेंगे। डीसी को तुरंत संज्ञान लेना चाहिए, वरना जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।एबीवीपी के जिला संयोजक अभिषेक गुप्ता ने बताया कि कॉलेज परिसर में रैगिंग की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं, जिससे छात्राओं में भय का माहौल बना हुआ है। इसके अलावा कई शिक्षकों द्वारा नियमित कक्षाएं न लेने के बावजूद उपस्थिति दर्ज करने की शिकायत भी सामने आई है, जो शिक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करती है।

संगठन ने यह भी आरोप लगाया कि छात्राओं की सुरक्षा को लेकर कॉलेज प्रशासन पूरी तरह लापरवाह है। हॉस्टल और कैंपस में पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था नहीं होने के कारण छात्राएं खुद को असुरक्षित महसूस कर रही हैं। एबीवीपी ने इन सभी मुद्दों पर त्वरित हस्तक्षेप की मांग की।एबीवीपी ने उपायुक्त को सौंपे ज्ञापन में स्पष्ट रूप से 48 घंटे के भीतर ठोस कार्रवाई करने की मांग की है। संगठन ने चेतावनी दी है कि यदि निर्धारित समय सीमा के भीतर उचित कदम नहीं उठाए गए, तो एबीवीपी उग्र आंदोलन करने के लिए बाध्य होगा। मौके पर मौजूद प्रदेश कार्यकारणी अमन कुमार, जिला संयोजक अभिषेक गुप्ता, नगर सह मंत्री आदित्य जोशी, अनुज राय शामिल थे।

अलकतरा में फंसे दो मवेशी, ग्रामीणों की सूझबूझ से बची जान

जामताड़ा । जामताड़ा-दुमका मुख्य मार्ग स्थित जरीडीह गांव के समीप कालापाथर के पास गुरुवार को एक गंभीर घटना सामने आई, जहां हॉटमिक्स प्लांट से छोड़ गए अलकतरा (डामर) में दो मवेशी फंस गए। जानकारी के अनुसार, तेज धूप के कारण अलकतरा पिघल गया था, जिससे वहां से गुजर रहे दोनों मवेशी उसमें धंस गए और बाहर निकलने में असमर्थ हो गए। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। काफी देर तक अलकतरा में फंसे रहने के कारण मवेशियों की हालत मरणासन्न जैसी हो गई थी। बताया गया कि इनमें से एक गाय का बछड़ा जरीडीह निवासी राजेश यादव का है, जो चरते हुए उसी रास्ते से गुजर रहा था। इसी दौरान बिंदापाथर पुलिस की गश्ती टीम की नजर फंसे मवेशियों पर पड़ी। पुलिस ने तत्काल ग्रामीणों को सूचना दी, जिसके बाद मौके पर पहुंचे लोगों ने काफी मशक्कत के बाद दोनों मवेशियों को सुरक्षित बाहर निकाला। घंटों की मेहनत के बाद उनकी जान बचाई जा सकी। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि दुमका के एक ठेकेदार द्वारा यहां हॉटमिक्स प्लांट लगाया गया था। कार्य पूर्ण होने के बाद प्लांट को हटा लिया गया, लेकिन स्थल की समुचित सफाई नहीं की गई और अलकतरा वहीं छोड़ दिया गया। गर्मी के कारण यही अलकतरा पिघलकर अब राहगीरों और मवेशियों के लिए खतरा बन गया है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि अविलंब बिखरे अलकतरा को हटाया जाए, ताकि भविष्य में किसी व्यक्ति या मवेशी के साथ इस प्रकार की घटना की पुनरावृत्ति न हो।

रायपुर तीरंदाजी प्रतियोगिता में दुमका के खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन, मेघा बेसरा ने जीते तीन पदक

दुमकाः 25 मार्च से 4 अप्रैल 2026 तक छत्तीसगढ़ के रायपुर में आयोजित तीरंदाजी प्रतियोगिता में दुमका के एकलव्य तीरंदाजी केंद्र (सेंटर ऑफ एक्सीलेंस), कमार दुधानी के खिलाड़ियों ने बेहतरीन प्रदर्शन कर झारखंड का नाम रोशन किया है।प्रतियोगिता में केंद्र के चार प्रतिभाशाली खिलाड़ी—मेघा बेसरा, कृष्णा पिंगुआ, दिनेश मुर्मू और साइमन सोरेन—ने भाग लिया। इनमें मेघा बेसरा ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कम्पाउंड व्यक्तिगत स्पर्धा में रजत पदक, मिक्स टीम इवेंट में कांस्य पदक तथा टीम इवेंट में कांस्य पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया।वहीं कृष्णा पिंगुआ ने भी शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए मिक्स टीम इवेंट में स्वर्ण पदक हासिल किया। खिलाड़ियों की इस सफलता में सी ओ ई के प्रशिक्षक सुमित कुमार मिश्रा की मेहनत और प्रशिक्षण का महत्वपूर्ण योगदान रहा।इस अवसर पर जिला खेल पदाधिकारी तुफान कुमार पोद्दार भी प्रतियोगिता स्थल पर मौजूद रहे और झारखंड आर्चरी टीम के साथ खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया। उन्होंने सभी खिलाड़ियों को उनकी उपलब्धियों के लिए बधाई दी और आगामी प्रतियोगिताओं के लिए शुभकामनाएं भी दीं।

दुमका में केंदू पत्ती दर संशोधन पर मुहर, संग्रहकर्ताओं की आय बढ़ेगी

दुमकाः संथाल परगना प्रमंडल में केंदू पत्ती संग्रहण दर में वृद्धि को लेकर आयोजित बैठक में वर्ष 2026 के लिए नई दर पर सहमति बन गई है। प्रमंडलीय आयुक्त संजय कुमार की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं समिति सदस्य उपस्थित रहे।बैठक में वर्तमान दर 1883 रुपये प्रति मानक बोरा पर चर्चा करते हुए कहा गया कि बढ़ती मजदूरी और अन्य लागतों को देखते हुए इसमें बदलाव जरूरी है। इसके बाद सभी सदस्यों ने एकमत से नई दर 2014 रुपये प्रति मानक बोरा निर्धारित करने का निर्णय लिया।यह नई दर सरकारी और रैयती दोनों भूमि पर समान रूप से लागू होगी। बैठक में यह भी कहा गया कि इस निर्णय से केंदू पत्ती संग्रहकर्ताओं की आय में वृद्धि होगी, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक स्थिति बेहतर होगी और रोजगार के अवसरों में भी इजाफा होगा।

सिमडेगा पुलिस ने 3 वर्षों से लापता मानसिक रूप से कमजोर युवक को परिजनों से मिलाया

सिमडेगा(ईएमएस)।पुलिस द्वारा एक सराहनीय एवं मानवीय पहल करते हुए लगभग तीन वर्षों से लापता एक मानसिक रूप से कमजोर युवक को उसके परिजनों से सफलतापूर्वक मिलवाया गया।ज्ञात हो कि तीन वर्ष पूर्व थाना टांगर क्षेत्र की निवासी सिबरिया किरकेट्टा (पति- स्व० नयनसुख केरकेट्टा), ग्राम गुड़गुड़टोली, जिला सिमडेगा द्वारा अपने इकलौते भाई भालेन केरकेट्टा (उम्र लगभग 40 वर्ष, पिता- स्व० एतवा खड़िया) के गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई गई थी।

बताया गया था कि भालेन केरकेट्टा मानसिक रूप से कमजोर थे और सीआईपी रांची से इलाज कराकर घर लौटने के दौरान रास्ते में कहीं भटक गए थे।काफी खोजबीन के बावजूद उनका कोई सुराग नहीं मिल पाया था।हाल ही में पुनः खोजबीन के क्रम में सिमडेगा पुलिस द्वारा आस-पास के जिलों के विभिन्न आश्रय गृहों से संपर्क स्थापित किया गया। इसी क्रम में जानकारी प्राप्त हुई कि उक्त गुमशुदा व्यक्ति पुरूलिया (पश्चिम बंगाल) स्थित "अपना घर आश्रम" में रह रहा है।सिमडेगा पुलिस के सक्रिय प्रयास एवं समन्वय के फलस्वरूप गुरुवार को भालेन केरकेट्टा को सुरक्षित रूप से उनके परिजनों से मिलवाया गया तथा सकुशल उनके सुपुर्द किया गया।यह कार्य सिमडेगा पुलिस की संवेदनशीलता, तत्परता एवं समाज के प्रति प्रतिबद्धता का उत्कृष्ट उदाहरण है।

रेलवे साइडिंग में कार्य कर रहे कर्मियों को दो माह से नही मिला वेतन, कोयले की दुलाई को किया ठप

जामताड़ा(ईएमएस)।जामताड़ा रेलवे साइडिंग में कार्य कर रहे कर्मियों ने ट्रांसपोर्टर से बकाया वेतन की मांग को लेकर गुरुवार से अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दी है। हड़ताल के कारण कोयले की ढुलाई पूरी तरह ठप हो गई है। चितरा इसीएल से कोयला लेकर आने वाले डंपर जामताड़ा रेलवे साइडिंग साइडिंग परिसर में खड़ी हैं।इसके अलावा डंपरों की कतार साइडिंग से ददुमका रोड तक पहुंच गई है।काम पूरी तरह रुकने से ट्रांसपोर्ट सिस्टम भी चरमरा गया है।हड़ताल पर बैठे कर्मियों का कहना है कि उन्हें पिछले दो महीने से वेतन नहीं मिला है।इसी वजह से उन्होंने काम बंद कर दिया है।कर्मी धर्मेंद्र सिंह ने बताया कि जब से नई ट्रांसपोर्ट कंपनी आई है, तब से भुगतान रुका हुआ है।कर्मियों का आरोप है कि एमजीएम व जय अंबे ट्रांसपोर्ट कंपनी वेतन भुगतान को लेकर एक-दूसरे पर जिम्मेदारी डाल रही हैं। दोनों कंपनियों के अधिकारी अलग-अलग आते हैं और हर बार दूसरी कंपनी पर जिम्मेदारी डालकर निकल जाते हैं।कर्मी जितेंद्र सिंह ने बताया कि इससे पहले शर्मा ट्रांसपोर्ट के समय भी दो महीने का वेतन नहीं मिला था।कंपनी काम छोड़कर चली गई, लेकिन कर्मचारियों का पैसा नहीं दिया गया। कर्मियों ने कहा कि जब तक बकाया वेतन नहीं मिलेगा, तब तक वे काम पर वापस नहीं लौटेंगे।

सिदो कान्हु मुर्मू विश्वविद्यालय दुमका द्वारा 25 परीक्षाओं के लिए फॉर्म भरने की अधिसूचना जारी

दुमका सिदो कान्हु मुर्मू विश्वविद्यालय द्वारा विभिन्न पाठ्यक्रमों की कुल 25 परीक्षाओं के लिए परीक्षा प्रपत्र (ऑनलाइन फॉर्म) भरने संबंधी अधिसूचना जारी कर दी गई है। विश्वविद्यालय के अनुसार सभी छात्र-छात्राएं आधिकारिक वेबसाइटwww.skmu.ac.in पर जाकर संबंधित परीक्षा की विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते हैं और निर्धारित तिथि के भीतर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।जिन परीक्षाओं के लिए फॉर्म भरे जाने हैं, उनमें स्नातक (यूजी), स्नातकोत्तर (पीजी) तथा विभिन्न प्रोफेशनल कोर्स शामिल हैं। प्रमुख परीक्षाएं इस प्रकार हैं।यूजी सेमेस्टर–4 (सत्र 2023–27) परीक्षा 2025,एम.ए. इन संथाल कल्चर स्टडी सेमेस्टर–II (2024–26) एवं सेमेस्टर–IV (2022–24),बी.एड सेमेस्टर–IV (2024–26) परीक्षा 2026,एम.एड सेमेस्टर–I (2025–27) परीक्षा 2026,इसके अलावा बीपीटी, बी.एससी. नर्सिंग, बी. फार्मा और बी.एससी. एमएलटी के विभिन्न सेमेस्टर (I से VIII तक) तथा बैकलॉग परीक्षाओं के लिए भी फॉर्म भरे जाएंगे। इनमें सत्र 2020–24 से लेकर 2025–29 तक के विद्यार्थी शामिल हैं।विश्वविद्यालय प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि सभी अभ्यर्थी समय सीमा के भीतर आवेदन प्रक्रिया पूरी करें। विलंब होने पर अतिरिक्त शुल्क या फॉर्म स्वीकार नहीं किए जाने की संभावना भी जताई गई है। इसलिए छात्रों को सलाह दी गई है कि वे अंतिम तिथि का इंतजार न करें और समय रहते फॉर्म भर लें।

ट्रेलर की चपेट में आने से बाइक सवार युवक की मौत

पूर्वी सिंहभूम(ईएमएस)।बिरसानगर थाना अंतर्गत विजया गार्डेन गेट के पास एक अनियंत्रित ट्रेलर की चपेट में आने से बाइक सवारी युवक की मौके पर ही मौत हो गई मृतक की पहचान अभिषेक कुमार डे (32) के रूप में हुई है। अभिषेक बिरसानगर का रहने वाला था।घटना बुधवार देर रात की है। घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार अभिषेक पैसे से कैटरिंग का काम करता था बुधवार की देर रात वह काम समाप्त करने के बाद अपनी बाइक से अपने घर बिरसानगर हरलुंग की ओर जा रहे थे।

इस दौरान विजय गार्डन गेट के पास एक अनियंत्रित ट्रेलर ने उनकी बाइक को पीछे से टक्कर मारी। जिससे वह ट्रेलर के छक्के के नीचे आ गए, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलने के बाद बिरसानगर पुलिस मौके पर पहुंची और शौक को पोस्टमार्टम के लिए एमजीएम मेडिकल कॉलेज भेज दिया। बताया जाता है कि ट्रेलर पर सरिया लगा हुआ था।पुलिस ने ट्रेलर को जप्त कर लिया है।

सरायकेला जेल का सिविल सर्जन व डीएलएसए सचिव का संयुक्त निरीक्षण

सरायकेला(ईएमएस)।डीएलएसए सचिव तौसीफ मेराज व सिविल सर्जन डॉ सरयू प्रसाद सिंह ने सरायकेला-खरसावां स्थित मंडल कारा का संयुक्त निरीक्षण किया। निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य यह जांच करना था कि जेल में पर्याप्त चिकित्सा उपकरण उपलब्ध हैं या नहीं, दवाओं की स्थिति क्या है तथा डॉक्टरों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित है या नहीं।निरीक्षण मंडल कारा सरायकेला के अधीक्षक एवं जेलर की उपस्थिति में संपन्न हुआ।इस दौरान ओपीडी सह औषधालय एवं जेल अस्पताल का निरीक्षण किया गया तथा स्टाफ से दवाओं, उपकरणों एवं स्वास्थ्य सुविधाओं की उपलब्धता के संबंध में जानकारी ली गई।निरीक्षण के क्रम में जेल के विभिन्न वार्डों का भी दौरा किया गया तथा कैदियों से उनके स्वास्थ्य, ओपीडी सह डिस्पेंसरी के कार्य संचालन, दवाओं की उपलब्धता एवं डॉक्टरों की उपस्थिति के बारे में जानकारी ली गई।कुछ कैदियों द्वारा डॉक्टरों की नियमित उपस्थिति एवं सेवाओं को लेकर असंतोष व्यक्त किया गया।निरीक्षण के दौरान पाया गया कि दवाएं उपलब्ध थीं, किन्तु कुछ आवश्यक उपकरणों की कमी है। इस पर सिविल सर्जन ने आश्वासन दिया कि आवश्यक उपकरण शीघ्र उपलब्ध कराए जाएंगे, साथ ही यह भी बताया गया कि डॉक्टर की सहायता हेतु एएनएम एवं मल्टी पर्पस वर्कर की जल्द ही तैनाती की जाएगी।निरीक्षण दल द्वारा दवाओं के स्टॉक रजिस्टर सहित अभिलेखों के समुचित संधारण के लिए आवश्यक निर्देश भी दिए गए।यह संयुक्त निरीक्षण जेल में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने एवं कैदियों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

फेयर प्राइस शॉप डीलर्स एसोसिएशन की पहली प्रदेश कार्यसमिति बैठक, नई कमेटी का सर्वसम्मति से गठन
झारखंड राज्य शेयर प्राइस ऑफ़ डीलर्स संगठन का निबंधन संख्या 366/ 2025हो जाने से जन वितरण विक्रेताओं में हर्ष

जामताड़ा गुरुवार को झारखंड प्रदेश फेयर प्राइस शॉप डीलर्स एसोसिएशन के निबंधन के बाद पहली बार प्रदेश कार्यसमिति की अहम बैठक जामताड़ा जिला स्थित पद्मा भवन में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष सह जामताड़ा जिला अध्यक्ष मोहन प्रसाद भैया ने की, जबकि मंच संचालन ज्ञानदेव झा (रांची) द्वारा किया गया। इस बैठक में राज्य के 24 जिलों में से 20 जिलों के जिला अध्यक्ष, सचिव, कोषाध्यक्ष एवं अन्य सदस्य शामिल हुए। सभी प्रतिनिधियों ने बारी-बारी से अपने विचार रखे और संगठन को मजबूत बनाने पर जोर दिया।

बैठक के दौरान झारखंड का निबंध संख्या 366/2025 होने पर सदस्यों ने हर्ष व्यक्त किया और सर्वसम्मति से प्रदेश कमेटी का गठन किया गया। नवगठित प्रदेश कमेटी इस प्रकार हैः प्रदेश अध्यक्षः मोहन प्रसाद भैया (जामताड़ा), कार्यकारी अध्यक्षः रमेश सिंह (धनबाद), उपाध्यक्षः अखिलेश कुमार सिंह (धनबाद), मनोहर सिंह (रामगढ़), राजेंद्र प्रसाद शाह (दुमका), मोहन प्रसाद साह (जमशेदपुर), अब्दुल्लाह अंसारी (चतरा) प्रदेश प्रधान महासचिवः ज्ञानदेव झा (रांची), प्रदेश महासचिवः प्रमोद गुप्ता (जमशेदपुर), प्रदेश सचिवः पंकज कुमार (गिरिडीह), जयप्रकाश सिंह (साहिबगंज), विनोद भगत (गोड्डा), शिरोमणि यादव (जामताड़ा), दीनानाथ राय (देवघर), गोपाल विश्वकर्मा (गिरिडीह), के. सिंह (दुमका), कोषाध्यक्षः राहुल कुमार पांडेय, विक्रांत गुप्ता (रांची), महिलासमूहपदाधिकारीः प्रदेशअध्यक्षः वैजयंती माला (गोड्डा), सचिवः अमरावती (रांची), जूही दास गुप्ता (कोडरमा), अन्य पदाधिकारीः प्रदेश संगठन सचिवः अभय कुमार सिंह (धनबाद), रणजीत सिंह (खूंटी) अनुशासन समिति सलाहकारः समीर चंद्र गुनाईत (बाघमारा, धनबाद),बैठक में कृष्ण चंद्र महतो, मनोज महतो, सरफुद्दीन अंसारी, पांडव यादव, महेंद्र यादव, शांति घोष, राशिद अली, रविंद्र मंडल, अनिल कुमार गुप्ता, रघुनाथ मंडल, तारिणी पोद्दार, सिराजुद्दीन अंसारी, नजरुल अंसारी, ललित पंडित, शंभू राय सहित बड़ी संख्या में जन वितरण विक्रेता एवं स्वयं सहायता समूह के सदस्य उपस्थित रहे। बैठक का समापन संगठन को राज्य स्तर पर मजबूत करने और जन वितरण प्रणाली से जुड़े मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाने के संकल्प के साथ हुआ।

रक्तदान के क्षेत्र में बेहतर कार्य हेतु आनन्द मार्ग सम्मानित

सरायकेला(ईएमएस)।सरायकेलावॉलंटरी ब्लड डोनर्स एसोसिएशन झारखंड की 39वीं वर्षगांठ पर पूर्वी सिंहभूम सरायकेला खरसावां एवं पश्चिम सिंहभूम के सामाजिक संस्थाओं को सम्मानित किया गया।जमशेदपुर के माइकल जॉन ऑडिटोरियम में 39वीं वार्षिक समारोह में टाटा मोटर्स को अधिकतम यूनिट रक्तदान के लिए आनन्द मार्ग यूनिवर्सल रिलीफ टीम ग्लोबल सरायकेला खरसावां को सम्मानित किया गया। आनन्द मार्ग यूनिवर्सल रिलीफ टीम ग्लोबल की ओर से गोपाल बर्मन, दीपक कुमार, राहुल रजक ने सम्मान ग्रहण किया।आनन्द मार्ग यूनिवर्सल रिलीफ टीम ग्लोबल द्वारा कांड्रा एवं सीनी में वर्ष में 4 कैम्प आयोजित किये गए एवं जरूरतमंद रोगियों को रक्त भी उपलब्ध कराया गया।

संस्था द्वारा ग्रामीण क्षेत्र में रक्तदान को प्रोत्साहित करने हेतु रक्तदान का प्रचार प्रसार एवं मोटिवेशनल कैम्प का आयोजन किया गया।इसके साथ ही मारवाड़ी समाज, गायित्री परिवार,भक्तराज शनि मण्डली सहित विभिन्न संस्थाओं को भी सम्मानित किया गया।शिविर का उद्घाटन क्रॉस इंडिया लिमिटेड एच आर हेड रमाकांत गिरी,वीवीडीए के ए वाइस प्रेसिडेंट डॉक्टर अमित मुखर्जीप्रेसिडेंट इंद्रजीत पाल वाइस प्रेसिडेंट चंदेश्वर खा, मानद सचिव नलिनी राम मूर्ति सचिव रवींद्र दुग्गल,महासचिव कमल कुमार घोष,वित्त सचिव अमित बोस व संस्थापक अध्यक्ष सुनील मुखर्जी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया।

हनुमान जयंती के अवसर पर महापौर संजीव सिंह ने विभिन्न मंदिरों में की पूजा-अर्चना, क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की

धनबाद, हनुमान जयंती के पावन अवसर पर धनबाद महापौर संजीव सिंह ने कोयलांचल के विभिन्न मंदिरों में आयोजित पूजा-अर्चना कार्यक्रमों में शामिल होकर भगवान श्री हनुमान जी का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान उन्होंने क्षेत्रवासियों की सुख-समृद्धि, शांति एवं मंगल की कामना की।

इसी क्रम में महापौर संजीव सिंह बस्ताकोला स्थित गायत्री शक्तिपीठ परिसर में आयोजित श्री हनुमान मंदिर प्राण प्रतिष्ठा वर्षगांठ समारोह में शामिल हुए। यहां उन्होंने भगवान श्री हनुमान के दर्शन कर विधिवत पूजा,अर्चना की। साथ ही मंदिर परिसर में उपस्थित श्रद्धालुओं के साथ हनुमान जयंती की शुभकामनाएं साझा कीं। मौके पर महापौर संजीव सिंह ने कहा कि हनुमान जयंती का पर्व श्रद्धा, भक्ति और सेवा भाव का प्रतीक है। भगवान श्री हनुमान की कृपा से समाज में साहस, शक्ति और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। उन्होंने कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजनों से समाज में एकता और भाईचारे की भावना मजबूत होती है।

हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर स्टेशनरोड स्थित हनुमान मंदिर में भव्य आरती में शामिल हुए धनबाद के विधायक राज सिन्हा

धनबाद , भगवान हनुमान जन्मोत्सव के शुभ अवसर पर अन्नपूर्णा रसोई सेवा द्वारा स्टेशन रोड स्थित हनुमान मंदिर में भव्य आरती कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप झारखंड विधानसभा के सचेतक सह धनबाद विधायक राज सिन्हा ने उपस्थित होकर आरती की। जिसमें क्षेत्र के श्रद्धालुओं की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही। अन्नपूर्णा रसोई सेवा के अध्यक्ष अमित सिंह, राणा सिंह, दुन्ना सिंह, पंकज सिन्हा, हुल्लास दास सहित सैकड़ों लोग उपस्थित थे। विधायक श्री सिन्हा ने भगवान हनुमान की पूजा-अर्चना कर प्रदेश एवं देश की सुख-समृद्धि की कामना की। साथ ही उपस्थित श्रद्धालुओं को हनुमान जयंती की शुभकामनाएं दीं।हनुमान जन्मोत्सव के पावन अवसर पर विधायक राज सिन्हा ने धनबाद शहर के विभिन्न हनुमान मंदिरों में आयोजित कार्यक्रमों में भी भाग लिया। उन्होंने हीरापुर हटिया स्थित हनुमान मंदिर, मनईटांड़ स्थित हनुमान मंदिर में हनुमान जन्मोत्सव एवं चित्रगुप्त भगवान के प्रकटोत्सव कार्यक्रम में अपनी सहभागिता निभाई। सामूहिक रूप से क्षेत्र के लोगों के साथ आरती किया।इसके साथ ही एकल अभियान परिवार द्वारा भुईफोड़ आयोजित भव्य शोभायात्रा में भी सम्मिलित हुए।इसके अलावे उन्होंने हटिया हनुमान मंदिर से निकली शोभायात्रा, श्रीनगर (पुटकी) स्थित संकट मोचन मंदिर में आयोजित अखंड हरिकीर्तन, तथा केंदुआ बाजार हनुमानगढ़ी में आयोजित हनुमान जयंती कार्यक्रम में भाग लेते हुए पदयात्रा में शामिल होकर श्रद्धालुओं का उत्साहवर्धन किया।कार्यक्रम के दौरान पूरे क्षेत्र में भक्तिमय वातावरण बना रहा। जयकारों और भजनों के बीच श्रद्धालुओं ने हनुमान की आराधना कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

उप विकास आयुक्त ने की ग्रामीण जलापूर्ति योजनाओं की समीक्षा

धनबाद । उप विकास आयुक्त , सन्नी राज ने गुरुवार को अपने कार्यालय कक्ष में जिले में संचालित विभिन्न ग्रामीण जलापूर्ति योजनाओं की समीक्षा की। इस क्रम में उन्होंने बलियापुर ग्रामीण जलापूर्ति योजना फेज 1, मोहिलिडीह - लटानी , रूपन ग्रामीण जलापूर्ति योजना, टुंडी , कोल्हार , जाताखूंटी ग्रामीण जलापूर्ति योजना, निरसा उत्तर ग्रामीण जलापूर्ति योजना, बाघमारा फेज 1 व उसके आसपास के क्षेत्र की जलापूर्ति योजना तथा गोविंदपुर में बहु-ग्राम योजना (मल्टी विलेज स्कीम) की समीक्षा की। समीक्षा के बाद उन्होंने संबंधित प्रखंड विकास पदाधिकारी के साथ बैठक करके बलियापुर ग्रामीण जलापूर्ति योजना फेज 1, मोहिलिडीह - लटानी - रूपन ग्रामीण जलापूर्ति योजना, टुंडी - कोल्हार - जाताखूंटी ग्रामीण जलापूर्ति योजना को शीघ्र शुरू करने का निर्देश दिया।जबकि निरसा उत्तर ग्रामीण जलापूर्ति योजना, बाघमारा फेज 1 व उसके आसपास के क्षेत्र की जलापूर्ति योजना तथा गोविंदपुर में बहु-ग्राम योजना (मल्टी विलेज स्कीम) के अधूरे कार्य को तेजी लाकर शीघ्र पूरा करने का निर्देश दिया।बैठक में पीएचइडी 2 के कार्यपालक अभियंता , मुकेश कुमार मंडल, कनीय अभियंता व अन्य लोग मौजूद थे।

एसआईआर की प्रक्रिया में सभी नागरिक निभाएं सक्रिय भागीदारी

धनबाद ,भारतवर्ष में 9वीं बार हो रहे विशेष ग्रहण पुनरीक्षण , एसआईआर मतदाता सूची को अद्यतन एवं शुद्ध करने की महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। उपायुक्त सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी , आदित्य रंजन ने जिले के सभी नागरिकों से एसआईआर की प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की है। एसआईआर पर विस्तृत प्रकाश डालते हुए बताया कि वर्ष 1951 से 2004 तक यह प्रक्रिया आठ बार सफलतापूर्वक आयोजित की जा चुकी है। यह एक नियमित, पारदर्शी और संवैधानिक प्रक्रिया है। झारखंड में अंतिम एसआईआर वर्ष 2003 में की गई थी। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 326 के तहत यदि कोई व्यक्ति भारत का नागरिक है, उसकी आयु 18 वर्ष या उससे अधिक है तथा वह संबंधित निर्वाचन क्षेत्र का निवासी है, तो वह मतदाता सूची में पंजीकरण के लिए पात्रता रखता है। उन्होंने एसआईआर को लेकर अफवाहों से सावधान रहने का अनुरोध किया है। कहा कि सोशल मीडिया, अपुष्ट संदेश या सुनी सुनाई बातों पर विश्वास न करें। अधूरी जानकारी लोगों में अनावश्यक रूप से डर और भ्रम पैदा करती है। इसकी सही जानकारी के लिए चुनाव आयोग की आधिकारिक वेबसाइट eci.gov.in, सीईओ झारखंड के आधिकारिक वेबसाइट ceo.jharkhand.gov.in, सीईओ झारखंड के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म, 1950 या सीईओ ऑफिस के टॉल फ्री नंबर 1800 331 1950 पर कॉल करके या बीएलओ से संपर्क कर प्राप्त की जा सकती है।

नियोजन के मुद्दे पर जनता मजदूर संघ का सामूहिक उपवास, सत्याग्रह व धरना

धनबाद , बीसीसीएल के मृत श्रमिकों के आश्रितों को 86 दिनों में नए एसओपी के तहत नियोजन स्वीकृत करने की मांग को लेकर जनता मजदूर संघ रणधीर वर्मा चौक पर सामूहिक उपवास सत्याग्रह पर बैठे। संघ के महामंत्री अभिषेक सिंह ने कहा कि कोल इण्डिया की बोर्ड मीटिंग में नीतियाँ बनती तो है पर वह कागजों पर ही सिमट कर रह जाती है। बीसीसीएल में 86 दिनों में नए एसओपी के तहत मृत श्रमिक के आश्रित को नियोजन देने की नीति बनी ओर यह नियम 2023 में बना आज 2026 चल रहा है पर एक भी नियोजन बीसीसीएल ने नहीं दिया।अभिषेक सिंह ने दावा किया है कि करीब 14 सौ से 15 सौ नियोजन पेंडिंग है। उन्होंने कहा नियोजन के मामले में घूसखोरी भी चरम पर है।अभिषेक सिंह ने कहा कि यह आंदोलन आगे और उग्र होगा। नियोजन मामले में बीसीसीएल गंभीर नहीं होती है तो आने वाले दिनों में कोयला उत्पादन को ठप्प करने काम किया जायेगा।

राजद जिला कार्यकारिणी की बैठक संपन्न

5 अप्रैल को रांची में तेजस्वी यादव की जनसभा में शामिल होंगे1200 कार्यकर्ता

धनबाद, राष्ट्रीय जनता दल , राजद की जिला कार्यकारिणी समिति की बैठक गुरुवार को सर्किट हाउस में जिलाध्यक्ष महानगर मुमताज कुरैशी की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में व्यवसायिक प्रकोष्ठ के प्रदेश सदस्य तारकेश्वर यादव एवं जिला कमेटी के सदस्य, पिछड़ा प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष सत्येंद्र कुमार तथा प्रखंड अध्यक्ष बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। बैठक को संबोधित करते हुए झारखंड प्रदेश राजद के सचिव, जय प्रकाश यादव ने कहा कि बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव को राजद का कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाए जाने के बाद उनका झारखंड में पहला आगमन 5 अप्रैल को होने जा रहा है। इस अवसर पर रांची के धुर्वा स्थित सेलिब्रेशन हॉल में एक विशाल जनसभा का आयोजन किया गया है।उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम को लेकर पूरे राज्य के कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह देखा जा रहा है। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि धनबाद जिला कमेटी, प्रखंड कमेटी, पंचायत अध्यक्ष एवं विभिन्न प्रकोष्ठों के करीब 1200 कार्यकर्ता एक साथ रांची जाकर कार्यक्रम में भाग लेंगे। बैठक के दौरान संगठन को मजबूत करने और आगामी कार्यक्रमों को सफल बनाने को लेकर भी विस्तृत चर्चा की गई। नेताओं ने कार्यकर्ताओं से अधिक से अधिक संख्या में भागीदारी सुनिश्चित करने की अपील की।बैठक में मुख्य रूप से यादव महासभा के रिंकु यादव ,प्रदेश के नेता विक्रमा सिंह यादव,रामू गुरु शर्मा,पिछला प्रकोष्ठ के प्रखंड अध्यक्ष, विनोद यादव, राधेश्याम यादव, पन्ना लाल यादव ,बबलू यादव सहित अनेक लोग मौजूद ।

डैफोडिल्स एकेडमी में दशम वर्ग के छात्र छात्राओं का नए सत्र 2026- 2027 में उत्साहपूर्वक किया गया स्वागत

धनबाद , डैफोडिल्स एकेडमी करकेंद धनबाद वर्ग दशम के छात्र-छात्राओं का नए सत्र 2026-27मे उत्साहपूर्वक भव्य स्वागत किया गया । सर्वप्रथम विद्यालय के संस्थापक महान शिक्षाविद स्वर्गीय चंडी चरण बनर्जी को माल्यार्पण किया गया। इस अवसर पर विद्यालय शिक्षिका सुमन सिंह एवं मिताली चटर्जी द्वारा सरस्वती वंदना एवं स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। तत्पश्चात विद्यार्थियो को गुलाब का फूल, कलम,तथा अल्पाहार देकर उनका उत्साहवर्धन किया गया । विद्यालय के प्राचार्य , तापस बनर्जी ने विद्यार्थियो को नए सत्र की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह वर्ष उनके जीवन में नई उपलब्धियां लेकर आए।उन्होने विद्यार्थियो को अनुशासन, नियमितता और मेहनत का महत्व समझाया । शिक्षक -शिक्षिकाओं ने भी सभी बच्चों को प्रेरित करते हुए उन्हें लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर प्रयास करने का संदेश दिया। सभी विद्यार्थियो के चेहरे पर उत्साह और प्रसन्नता झलक रही थी । विद्यालय परिवार ने आशा जाहिर किया कि यह शैक्षणिक सत्र सभी विधार्थियों के लिए सफल और पेरणादायक सिद्ध होगा।

हनुमान जन्मोत्सव की शोभा यात्रा में शामिल श्रद्धालुओं को लायंस क्लब ऑफ धनबाद कोल कैपिटल ने किया स्वागत और सम्मान

धनबाद , गुरुवार को हनुमान जन्मोत्सव के शुभ अवसर पर श्री राम शोभा यात्रा भुईफोडं मन्दिर से निकलकर हनुमान मन्दिर, रणधीर वर्मा चौक तक की शोभा यात्रा का स्वागत सम्मान सरायढेला में लायंस क्लब ऑफ धनबाद कोल कैपिटल के सदस्यो द्वारा किया गया। शोभा यात्रा में शामिल श्रध्दालुओ को क्लब के तरफ से शिकंजी एव पानी पिलाकर उनका स्वागत किया गया। शोभा यात्रा में शामिल सभी ने लायन क्लब के द्वारा किए गये इस स्वागत सम्मान कार्यक्रम का जमकर तारीफ की। कार्यक्रम को आयोजित एवं सफल बनाने मे क्लब के अध्यक्ष दिलिप सुभीकी, सचिव शेखर प्रसाद, मनोज कुमार वर्णवाल,प्रज्जवल भट्टाचार्य, मुकेश वर्मन आदि ने अपना भरपूर योगदान दिया ।

गोविंदपुर हरला जोड़ी मंदिर में हनुमान जन्म उत्सव संपन्न

गोविंदपुर रंगडीह स्थित हरला जोड़ी मंदिर मठ प्रांगण में श्री श्री 108 हनुमान चालीसा हनुमान जन्मोत्सव संपन्न हुआ मौके पर हजारों श्रद्धालुओं ने सामूहिक रूप से हनुमान चालीसा भजन कीर्तन के साथ पाठ किया मौके पर जेएलकेएम नेत्री डिंपल चौबे पहुंची पूजा अर्चना कर क्षेत्र वासियों के लिए सुख शांति और समृद्धि का कामना किया गया मौके पर श्री श्री लक्ष्मी नारायण पुरी महाराज,सहायक आचार्य सह समाज सेवी सुभाष चटर्जी, अद्वैतानंद तिवारी, मनोज पांडे, श्यामसुंदर गोस्वामी, मुकुल पाण्डेय समेत सैकड़ो श्रद्धालु उपस्थित हुए।

पहला कदम में वर्ल्ड ऑटिज्म डे पर पर्पल निरवाना कार्यक्रम का हुआ भव्य आयोजन

धनबाद , नारायणी चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा संचालित विशेष दिव्यांग बच्चों के विद्यालय पहला कदम में 2 अप्रैल गुरुवार को वर्ल्ड ऑटिज्म अवेयरनेस डे के अवसर पर पर्पल निरवाना कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत जगजीवन नगर स्थित स्कूल परिसर में हुई, जहां बच्चों ने अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। इस दौरान बच्चों द्वारा आकर्षक नृत्य प्रस्तुत किया गया। जिसने उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। रचनात्मक गतिविधियों के अंतर्गत हैंड प्रिंट का आयोजन किया गया । जिसमें बच्चों ने रंगों के माध्यम से अपनी भावनाओं को दीवारों पर उकेरा। साथ ही मॉडल प्रदर्शनी भी लगाई गई। जिसमें बच्चों ने हॉस्पिटल, पोस्ट ऑफिस, जनरल स्टोर दुकान ,एवं नर्सरी के सुंदर मॉडल बनाकर अपनी समझ और कौशल का प्रदर्शन किया।

इस अवसर पर एक भव्य जागरूकता रैली भी निकाली गई। जिसमें छात्र, शिक्षक एवं अभिभावकों ने भाग लिया। रैली के माध्यम से लोगों को ऑटिज़्म के प्रति जागरूक किया गया और समाज में सकारात्मक सोच अपनाने का संदेश भी दिया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला परिषद अध्यक्ष, शारदा सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि ऑटिज़्म कोई बीमारी नहीं, बल्कि एक विशेष स्थिति है, जिसे समझने और स्वीकार करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम समाज में जागरूकता फैलाने और विशेष बच्चों के आत्मविश्वास को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।स्कूल की सचिव, अनीता अग्रवाल ने कहा हमारा उद्देश्य इन विशेष बच्चों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ना और उनकी प्रतिभा को पहचान दिलाना है। पर्पल निरवाना जैसे आयोजन बच्चों के अंदर आत्मविश्वास बढ़ाते हैं और अभिभावकों को भी सकारात्मक सोच के लिए प्रेरित करते हैं। इस अवसर पर स्कूल के सुपरवाइजर कौशल अग्रवाल भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में सरायढेला थाना प्रभारी का विशेष योगदान रहा। उनके द्वारा नई उड़ान कैफे में बच्चों को स्वादिष्ट व्यंजन खिलाकर एक विशेष खुशी का अनुभव करवाया ।जो की यह एक विशेष तरह के नई उड़ान कैफे है। यह दिव्यांग जनों द्वारा संचालित एक सराहनीय पहला है, जो आत्मनिर्भरता और सशक्तिकरण का बेहतरीन उदाहरण प्रस्तुत करता है।

आयोजकों ने सभी नागरिकों से अपील की कि वे ऐसे आयोजनों में भाग लेकर विशेष बच्चों का हौसला बढ़ाएं और समाज में उनके प्रति संवेदनशीलता विकसित करें। आगे उन्होंने कहा कि पर्पल निरवाना कार्यक्रम ने न केवल बच्चों की प्रतिभा को मंच प्रदान किया, बल्कि समाज को एक सकारात्मक और जागरूक संदेश भी दिया।

झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना

गुड फ्राइडे के अवसर पर 3 लाख 52 हजार 326 बहनों को मिली मार्च महीने की राशि

धनबाद , राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के तहत गुड फ्राइडे के अवसर पर धनबाद जिले की कुल 3 लाख 52 हजार 326 बहनों को मार्च 2026 की सम्मान राशि 2500 रूपए का सीधे उनके बैंक खातों में आधार-बेस्ड भुगतान कर दिया गया है। इस संबंध में उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी , आदित्य रंजन ने बताया कि इसमें कुल 88 करोड़ 8 लाख 15000 रूपये की राशि अंतरण की गई है। साथ ही योजना अंतर्गत जिला के लाभुकों को जनवरी व फरवरी महीने की सम्मान राशि का भी भुगतान होली पर्व के अवसर पर किया गया है। प्रखंड एवं शहरी क्षेत्र के लाभुकों की संख्या निम्न है।

प्रखण्ड कार्यालय, बाघमारा - 45531, अंचल कार्यालय, बाघमारा - 7457
प्रखण्ड कार्यालय, बलियापुर - 21661, अंचल कार्यालय, बलियापुर - 1151, प्रखण्ड कार्यालय, धनबाद - 7053, अंचल कार्यालय, धनबाद - 35071, प्रखण्ड कार्यालय, एग्यारकुण्ड - 16874, अंचल कार्यालय, एग्यारकुण्ड - 5256, प्रखण्ड कार्यालय, गोविन्दपुर - 50794, अंचल कार्यालय, गोविन्दपुर - 866, अंचल कार्यालय, झरिया - 44989, प्रखण्ड कार्यालय, कलियासोल - 20082, प्रखण्ड कार्यालय, निरसा - 24147
प्रखण्ड कार्यालय, पूर्वी टुण्डी - 9854, अंचल कार्यालय, पुटकी - 17947
प्रखण्ड कार्यालय, तोपचाँची - 26911, प्रखण्ड कार्यालय, टुण्डी - 16682 कुल लाभुकों की संख्या 3,52,326,कुल राशि 88 करोड़ 08 लाख 15000 रूपये ।

श्री श्री संकट मोचन हनुमान मंदिर में हनुमान जन्मोत्सव धूमधाम के साथ मनाया गया

लोयाबाद।श्री श्री संकट मोचन हनुमान मंदिर प्रांगण में गुरुवार को हनुमान जन्मोत्सव धूमधाम के साथ मनाया गया।इस अवसर पर श्रद्धालुओं द्वारा पूजा अर्चना किया गया। साथ ही संध्या बेला में सुंदरकांड ,महाआरती के साथ प्रसाद वितरण किया गया।कार्यक्रम को सफल बनाने में मनोज बर्नवाल, राजा शर्मा, श्याम गुप्ता, प्रिंस सिंह, राजा रॉय, राजन बर्नवाल, अखिलेश, हर्ष बर्नवाल,आदि का सरहानीय योगदान रहा।

मनीष सौरभ द्वारा वरीय मंडल वाणिज्य प्रबंधक धनबाद का पदभार ग्रहण किया गया

धनबाद । मोहम्मद इकबाल ,वरीय मंडल वाणिज्य प्रबंधक ,धनबाद का स्थानांतरण धनबाद मंडल में ही वरीय मंडल परिचालन प्रबंधक के पद पर हो गया है । इससे पूर्व में मनीष सौरभ पूर्व मध्य रेल के सोनपुर मंडल में वरीय मंडल परिचालन प्रबंधक के पद पर कार्यरत थे । ज्ञात हो कि मनीष सौरभ ,आईआईटी बॉम्बे से सिविल ब्रांच में बीटेक की डिग्री प्राप्त किए तथा भारतीय रेलवे ट्रैफिक सर्विसेज के वर्ष 2014 बैच के अधिकारी हैं । मनीष सौरभ धनबाद मंडल में डीटीएम,बरकाकाना, डीओएम धनबाद एवं वरीय मंडल संरक्षा अधिकारी भी रह चुके हैं ।

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक किशोर कुमार पाण्डेय द्वारा डी. बी. कॉर्प लिमिटेड, के. जी. आश्रम के नजदीक, भुईफोड़ मंदिर, गोसाईडीह, गोविन्दपुर रोड, धनबाद से मुद्रित एवं विनोद नगर, धनबाद (झारखण्ड)- 826001 से प्रकाशित आर. एन. आई. नं. - 58948/94, पो. रजि. -डी. एन. बी. /54 फोन नं. 0326-2310243, 9431507990 Fax N0. -0326-2310243 Email : koylanchal_dhn@rediffmail.com & koylanchal.hindi@gmail.com समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार।